हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • सोमवार • 29.09.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 67 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

कुपवाड़ा में दो आतंकवादियों को मार गिराया गया

कुपवाड़ा : उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा ज़िले के केरन सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भारतीय सेना ने रविवार को एक घुसपैठ नाकाम करते हुए दो पाकिस्तानी आतंकवादी ढेर कर दिए। सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी। ऑपरेशन अभी भी जारी है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इलाके में नियंत्रण रेखा के पार हथियारबंद घुसपैठियों की गतिविधि देखी गई और सुरक्षा बलों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और घुसपैठ को नाकाम कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि ऑपरेशन के दौरान दोनों आतंकवादियों को मार गिराया गया। बीएसएफ कश्मीर फ्रंटियर के महानिरीक्षक अशोक यादव ने कहा कि सुरक्षा बल सर्दियों के मौसम से पहले आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिशों का मुकाबला करने के लिए नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पूरी सतर्कता बरत रहे हैं।

मिथुन मनहास बने बीसीसीआई के नए अध्यक्ष

नयी दिल्ली : जम्मू-कश्मीर और आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेल चुके पूर्व क्रिकेटर और अनुभवी बल्लेबाज मिथुन मनहास बीसीसीआई के नए अध्यक्ष चुने गए हैं। बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में इसका एलान हुआ। मनहास का नाम हाल ही में नई दिल्ली में हुई बीसीसीआई की एक अनौपचारिक बैठक के बाद सामने आया था, जहां यह तय किया गया था कि उन्हें अध्यक्ष पद के लिए आगे बढ़ाया जाएगा। यह पद पिछले महीने रोजर बिन्नी के कार्यकाल समाप्त होने के बाद से खाली था। यह पहली बार है, जब जम्मू-कश्मीर से कोई खिलाड़ी इस पद के लिए चुना गया है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने ट्वीट कर मिथुन मनहास को बधाई दी है।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में हुई मुठभेड़ में 14 लाख के इनामी तीन नक्सली ढेर

एजेंसी

कांकेर : छत्तीसगढ़ के कांकेर में रविवार को सुरक्षाबलों के साथ नक्सलियों की हुई मुठभेड़ में 14 लाख के इनामी तीन नक्सली मारे गए। मारे गये नक्सलियों में एक महिला नक्सली एवं दो पुरुष नक्सलियों के शव के साथ मुठभेड़ स्थल से एक एसएलआर, एक .303 रायफल, एक 12 बोर बंदूक, अन्य हथियार, भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, माओवादी साहित्य, प्रचार सामग्री एवं दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की गईं हैं।

कांकेर एसपी आई. कल्याण एलिसेला ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस को नक्सलियों की गतिविधियों की सूचना मिली थी। नक्सलियों की खोज के लिए रविवार सुबह जिला मुख्यालय से 30 किलोमीटर दूर छिंदखड़क के जंगल में कांकेर-गरियाबंद डीआरजी एवं बीएसएफ जवानों की संयुक्त टीम सर्चिंग के लिए रवाना हुई थी। इस दौरान जंगल में घात लगाए बैठे नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसका सुरक्षाबलों ने मुंहतोड़ जवाब दिया। मुठभेड़ के उपरांत घटनास्थल से दो पुरुष एवं एक महिला नक्सली के शव बरामद किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि मारे गये नक्सलियों की शिनाख्त 8 लाख रुपए के इनामी डीवीसीएम सरवन मडकम उर्फ विश्वनाथ उर्फ बुधराम पुनेम एसीएम, सीतानदी/रावस समन्वय एरिया कमेटी सचिव। 5 लाख के इनामी एसीएम राजेश उर्फ राकेश हेमला एसीएम, नगरी एरिया कमेटी/गोबरा एलओएस कमांडर और एक लाख रुपए की इनामी पार्टी सदस्य बसंती कुंजाम उर्फ हिडमें पीएम, समन्वय/प्रोटेक्शन टीम, मानपुर नुआपाड़ा सदस्य शामिल हैं। पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज, सुन्दरराज पी. ने कहा कि विषम भौगोलिक परिस्थितियों और प्रतिकूल मौसम के बावजूद बस्तर में तैनात पुलिस एवं सुरक्षाबल अतुलनीय निष्ठा और दक्षता के साथ कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में सुरक्षाबलों का पलड़ा भारी है जबकि माओवादी कैडर लगातार जमीन, संसाधन और जनसमर्थन खो रहे हैं। आईजीपी ने रेखांकित किया कि आज माओवाद पतन के कगार पर है और कैडर दिन-प्रतिदिन अलग-थलग और निराश होते जा रहे हैं।

एशिया कप फाइनल : पाकिस्तान ने भारत को दिया 147 रनों का लक्ष्य

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारत ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। टॉस के दौरान भारतीय कप्तान सूर्य कुमार यादव ने कहा की हम पहले गेंद बाजी करने की ही सोच रहे थे।

पाकिस्तान ने 20 ओवर में कुल 146 रन ही बना सकी और भारत को 147 रनों का लक्ष्य दिया। पाकिस्तान की ओर से साहिबजादा फरहान और फखर जमां पारी की शुरूआत करने उतरे, जबकि भारत के लिए शिवम दुबे ने गेंदबाजी का आगाज किया। टीम इंडिया ने इस मुकाबले के लिए तीन बदलाव किए हैं। हार्दिक पांड्या की जगह रिंकू सिंह को शामिल किया गया है, जबकि जसप्रीत बुमराह और शिवम दुबे की प्लेइंग-11 में वापसी हुई है। वहीं, पाकिस्तान ने अपनी प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं किया है।

मुख्यमंत्री ने मां दुर्गा से राज्य की उन्नति एवं राज्यवासियों के सुख, समृद्धि की कामना की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने रविवार को श्री श्री बांधगाड़ी दुर्गा पूजा समिति, दीपाटोली एवं हरिमती मंदिर दुर्गा पूजा समिति, लालपुर के पूजा पंडाल का विधिवत अनावरण किया। पट खुलने के उपरांत उन्होंने मां दुर्गा के दर्शन किए और शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस पावन अवसर पर मुख्यमंत्री ने मां दुर्गा से राज्य की उन्नति एवं राज्यवासियों के सुख, समृद्धि, स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री ने सभी को दुर्गा पूजोत्सव की बधाई और शुभकामनाएं दी। दोनों ही पूजा पंडालों में भक्तिमय वातावरण में माता रानी के जयकारे के बीच उन्होंने मां दुर्गा से समस्त राज्यवासियों के मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना की।

श्रद्धा एवं आस्था का उमड़ रहा सैलाब

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार दुर्गा पूजा के दौरान हो रही लगातार बारिश के बाद भी श्रद्धा और आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। पूजा पंडालों में मां दुर्गा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लग रहा है। हर वर्ष की भांति इस बार भी यहां के भव्य और आकर्षक पंडाल दुर्गोत्सव की शोभा बढ़ा रहे हैं । वर्षों से चली आ रही यह परंपरा हर साल और आगे बढ़े, माता रानी से यही कामना करते हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री का पूजा पंडाल में आगमन पर पूजा समिति की ओर से स्वागत और अभिनन्दन किया गया।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई, नेक्सजेन के संचालक विनय सिंह के ठिकानों पर पड़ी रेड

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जेल में बंद आइएएस विनय चौबे के करीबी व नेक्सजेन ऑटोमोबाइल के मालिक विनय सिंह के छह ठिकानों पर एसीबी की टीम ने छापेमारी शुरू की है। रविवार की सुबह एसीबी की टीम विनय सिंह के घर, शोरूम समेत छह अन्य ठिकानों पर पहुंचकर छापेमारी कर रही है। एसीबी की यह छापेमारी हजारीबाग में जमीन की अवैध जमाबंदी के मामले की जा रही है। मालूम हो कि एसीबी ने तीन दिन पहले हजारीबाग में वन भूमि की अवैध जमाबंदी से जुड़े एक मामले में नेक्सजेन ऑटोमोबाइल के मालिक विनय कुमार सिंह को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी 25 सितंबर की शाम हुई थी। विनय कुमार सिंह पर सरकारी अधिकारियों के साथ आपराधिक

षड्यंत्र रचकर गैर-मजरूआ खास और जंगल-झाड़ी किस्म की भूमि की अवैध जमाबंदी कराने का आरोप है। इसको लेकर एसीबी हजारीबाग थाना में कांड संख्या-11/25 दर्ज किया गया है।अवैध जमाबंदी का यह मामला 2013 का है, जब डीसी कार्यालय, हजारीबाग ने पांच प्लॉटों की अवैध जमाबंदी को रद्द कर दिया था। इस फैसले को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, झारखंड सरकार ने भी उसी साल सही ठहराया था। जबकि वन प्रमंडल पदाधिकारी, हजारीबाग पूर्वी वन प्रमंडल के पत्र संख्या 2612, पांच दिसंबर 2012 के अनुसार, यह स्पष्ट किया गया था कि अधिसूचित वन भूमि पर किसी भी तरह का गैर-वानिकी कार्य या अतिक्रमण भारतीय वन अधिनियम, 1927 और वन संरक्षण अधिनियम, 1980 का उल्लंघन है। इस पत्र में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के टी गोदावरमन बनाम भारत सरकार मामले में 12 दिसंबर 1996 के आदेश का भी हवाला दिया गया था। जिसमें जंगल-झाड़ी दर्ज भूमि का गैर-वानिकी उपयोग के लिए भारत सरकार की पूर्व अनुमति आवश्यक बताई गई थी।

हजारीबाग जिला में 'गैर मजरुआ खास किस्म जंगल' प्रकृति की जमीन, जिसे डीम्ड वन की श्रेणी में रखा गया है, उसमें हुए एक बड़े घोटाले का एसीबी की जांच में खुलासा हुआ था। यह जमीन सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के आदेशों के तहत संरक्षित वन क्षेत्र श्रेणी में आता है। लेकिन इसे विनय कुमार सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह के नाम पर अवैध रूप से दाखिल-खारिज कर दिया गया।

'मन की बात' में बोले प्रधानमंत्री मोदी-'छठ को यूनेस्को की धरोहर में शामिल कराने का प्रयास'

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' में कहा कि छठ महापर्व भारतीय संस्कृति की गहरी आस्था और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। यह पर्व अब वैश्विक स्तर पर भी पहचान बना रहा है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार इसे यूनेस्को की 'इनटेंजिबल कल्चरल हेरिटेज लिस्ट' में शामिल कराने का प्रयास कर रही है, जिससे इसकी गरिमा और बढ़ेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' के 126वें एपिसोड में आज शहीद भगत सिंह और लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने देश में महिला सशक्तिकरण के उदाहरण दिए, सांस्कृतिक धरोहरों को वैश्विक पहचान दिलाने के प्रयासों का उल्लेख किया और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प पर जोर दिया। उन्होंने देशवासियों को

आगामी त्योहारों की शुभकामनाएं दी और इस बात का विशेष उल्लेख किया कि संग अपने 100 वर्ष पूरे करने जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने रविवार को आकाशवाणी के मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' के 125 कड़ियों की यात्रा पार करने का जिक्र किया और कहा कि यह जनता से जुड़ने का प्रेरणादायी माध्यम बन चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 28 सितंबर को दो महान विभूतियों की जयंती है। शहीद भगत सिंह को उन्होंने युवाओं के लिए प्रेरणा बताया और उनके साहसिक पत्र का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने अंग्रेजों से अपने साथ युद्धबंदी जैसा व्यवहार करने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि भगत सिंह की निर्भीकता और सेवा भावना हर भारतीय को मार्गदर्शन देती है।

उन्होंने लता मंगेशकर को भारतीय संस्कृति का अमूल्य स्वर बताया। उन्होंने कहा कि उनके गीतों ने देशभक्ति और संवेदनाओं को जीवंत किया। उन्होंने बताया कि लता मंगेशकर से उनका व्यक्तिगत स्नेह रहा और वे हर वर्ष उन्हें राखी भेजती थीं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि लता मंगेशकर स्वातंत्र्य वीर सावरकर से प्रेरित रही है। उन्होंने कहा, 'लता दीदी जिन महान विभूतियों से प्रेरित थीं उनमें वीर सावरकर भी एक हैं, जिन्हें वो तात्या कहती थीं। उन्होंने वीर सावरकर जी के कई गीतों को भी अपने सुरों में पिरोया।'

प्रधानमंत्री ने नवरात्रि के अवसर पर नारी शक्ति की उपलब्धियों को रेखांकित किया। उन्होंने नौसेना की लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना और रूपा के साहसिक 'नाविका सागर परिक्रमा' का उल्लेख किया। इन दोनों अधिकारियों ने 238 दिनों तक 47,500 किलोमीटर की समुद्री यात्रा पूरी की।प्रधानमंत्री ने उनके अनुभव सुनाए। इनमें उन्होंने बताया कि यात्रा में तूफानों का सामना, अत्यधिक तापमान और सीमित संसाधनों के बावजूद धैर्य और टीमवर्क ने हमें सफलता दिलाई। प्रधानमंत्री ने इसे देश की बेटियों के साहस और संकल्प का अद्वितीय उदाहरण बताया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सरकार छठ महापर्व को यूनेस्को की 'इनटेंजिबल कल्चरल हेरिटेज लिस्ट' में शामिल कराने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कोलकाता की दुर्गा पूजा को पहले से इस सूची में शामिल होने का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि छठ पर्व का महत्व आज वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा है और यह न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में आस्था का प्रतीक बन चुका है। गांधी जयंती का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने स्वदेशी के महत्व पर जोर दिया।

तमिलनाडु भगदड़ में मृतकों की संख्या बढ़कर 40 हुई, पीएम मोदी ने मुआवजे की घोषणा की

एजेंसी

करूर : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करूर हादसे पर दुख जताया और पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे की घोषणा की। पीएमओ की ओर से एक्स पर जानकारी दी गई, जिसमें बताया गया, भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवार जनों को पीएम राष्ट्रीय राहत कोष से 2-2 लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। जबकि घायलों के परिजनों को 50-50 हजार रुपये की मदद राशि दी जाएगी।

तमिलनाडु सरकार ने परिजनों को कितना दिया मुआवजा?

तमिलनाडु सरकार ने करूर भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को आर्थिक मदद देने का ऐलान कर दिया है। करूर के कलेक्टर एम थंगावेल ने बताया-मृतकों के लिए 10 लाख रुपये और इलाज करा रहे लोगों के लिए 1

लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की। कलेक्टर एम थंगावेल ने कहा, भगदड़ में अब तक कुल 40 लोगों की मौत हो चुकी है। मुख्यमंत्री रात में तुरंत पहुंचे और घायलों के उचित इलाज के आदेश दिए।

तमिलनाडु के स्वास्थ्य सचिव पी सेंथिल कुमार ने रविवार को बताया कि भगदड़ में 38 मृतकों की पहचान कर ली गई है, जबकि 67 घायल अभी करूर के सरकारी अस्पताल में भर्ती हैं। 26 लोगों को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। उन्होंने बताया, सभी घायलों की हालत स्थिर है। एक मरीज को इलाज के लिए मदुरै के सरकारी मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल रेफर किया गया है।

तमिलनाडु में मची भगदड़ में मृतकों की संख्या में बढ़ोतरी के बीच टीवीके ने मद्रास हाई कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने हादसे की स्वतंत्र जांच का अनुरोध किया है। हादसे पर टीवीके ने हाई कोर्ट में कहा, पार्टी की ओर से 27 सितंबर को करूर में एक रैली का आयोजन किया गया था, जिसमें अचानक मची भगदड़ में 40 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे की सीबीआई या एसआईटी जांच का आदेश दिया जाए।

एक नजर

इटखोरी के 80 वर्षीय हाशिम रजा की तालाब में डूबने से मौत

चौपारण : दादपुर पंचायत के अमरौल गांव स्थित पुरैनी तालाब में रविवार सुबह एक बुजुर्ग का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। तालाब में शव को तैरते देख ग्रामीणों ने प्रशासन को सूचना देते हुए शव को बाहर निकाला। शव की पहचान इटखोरी प्रखण्ड के खरौनी निवासी हाशिम रजा (80 वर्ष), पिता रहीम मियां के रूप में हुई। खरौनी के मो० इफाक अंसारी ने बताया कि मृतक का ससुराल अमरौल गांव के मो० मुश्ताक मियां के घर है। वे शनिवार को घर से ससुराल जाने के लिए निकले थे, लेकिन वहां नहीं पहुंचे। परिजन पूरी रात खोजबीन करते रहे, पर कुछ पता नहीं चला। रविवार सुबह तालाब में उनका शव मिलने की सूचना मिली। तालाब किनारे पेड़ के पास उनकी चप्पल और लाठी भी बरामद हुई। परिजनों ने बताया कि मृतक पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से अस्वस्थ थे। घटना के बाद पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया। पुलिस ने आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

ग्वाल टोली चौक में नर नारायण सेवा जरूरतमंदों को भोजन और वस्त्र वितरित

हजारीबाग : श्री शारदीय दुर्गा पूजा महासमिति ग्वाल टोली चौक के तत्वावधान में नवरात्र की षष्ठी तिथि को हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी नर नारायण सेवा का आयोजन बड़े धूमधाम और श्रद्धा भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूजा पंडाल परिसर में महासमिति के अध्यक्ष, सचिव समेत पदाधिकारियों व सदस्यों की उपस्थिति में विधिवत रूप से हुआ। इस सेवा कार्यक्रम में सैकड़ों जरूरतमंद महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल हुए। सभी को भोजन कराया गया, जिसके बाद उन्हें वस्त्र और कंबल भी वितरित किए गए। पूजा पंडाल परिसर में सेवा कार्य का यह दृश्य अत्यंत भावुक और प्रेरणादायी रहा। गरीब और वंचित तबकों के चेहरे पर खिली मुस्कान ने माहौल को और भी पावन बना दिया। इस अवसर पर पूजा प्रभारी दीपक सोनी, ब्रह्मदेव निषाद, उपाध्यक्ष अरुण यादव, सूरज यादव, उदय कुमार, मनीष कुमार, विष्णु यादव, जीतू यादव, बबलू यादव, रंजीत यादव, कुणाल यादव समेत महासमिति के अनेक सदस्य मौजूद रहे। सभी ने सेवा कार्य में बढ़-चढ़कर योगदान दिया और भोजन वितरण से लेकर वस्त्र एवं कंबल बांटने तक पूरे उत्साह और आत्मीयता से भाग लिया।

मस्जिद के समीप गोलीबारी, युवक गंभीर रूप से घायल

पूर्वी सिंहभूम : मानगो थाना क्षेत्र के जवाहरनगर रोड नंबर 13सी के पास स्थित तैयबा मस्जिद के समीप रविवार शाम अचानक गोलीबारी की घटना सामने आई। इस हमले में अबू स्नान उर्फ.बब्बू घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, दो युवक बुलेट सवार होकर मौके पर आए और अनायास ही बब्बू पर फायरिंग कर दी। गोली उसकी कमर में लगी और उसे तुरंत एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। थाना प्रभारी ने बताया कि पूछताछ में घायल बब्बू ने हमलावरों की पहचान वसीम और रौनक के रूप में की, जो डिमना बस्ती स्थित हयात नगर के निवासी हैं। पुलिस ने उन्हें पकड़ने के लिए अभियान शुरू कर दिया है और मामले की जांच जारी है। हमला किस लिए किया गया है, इस पर बब्बू ने पुलिस को जानकारी नहीं दी।

बरही में सड़क हादसे में युवक की मौत, मुआवजे की मांग पर विधायक ने कंपनी का किया घेराव

कंपनी की लापरवाही से एक सप्ताह में 10 लोगों की मौत : मनोज यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत शनिवार रात्रि करीब 8:30 बजे गड़लाही मोड़ के नजदीक हुई सड़क दुर्घटना में रसोइया धमना पंचायत के लश्करी निवासी रामसागर कुमार उम्र 30 वर्ष पिता कैलाश रजक की दर्दनाक मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने इस बात की सुचना बरही प्रशासन और मृतक के परिजनों को दी। घटना की सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंचे मृतक के परिजनों ने सड़क जाम कर दिया। करीब एक घंटा सड़क जाम के बाद परिजनों को समझा - बुझाकर जाम हटाया गया। जिसके बाद बरही पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बरही अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। वहीं रविवार को शव को पोस्टमार्टम के बाद उनके परिजनों को सौंप दी गई। जिसके बाद परिजनों एवं ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर विधायक मनोज कुमार यादव के अगुवाई में शव के साथ सैकड़ों ग्रामीण राज केशरी कंस्ट्रक्शन का घेराव किया। जिसकी सूचना मिलते ही कंपनी के कर्मी मौके से फरार हो गए। करीब 4 घंटा धरना के बावजूद कंपनी के कोई भी कर्मी धरना स्थल पर नहीं पहुंचे। जिससे नाराज विधायक मनोज कुमार यादव ने धरनास्थल पर पहुंचे चौपारण सीओ संजय यादव, पुलिस अंचल निरीक्षक चंद्रशेखर कुमार एवं थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी को सख्त निर्देश दिए है कि जब तक मृतक के परिजनों को 20 लाख का मुआवजा नहीं मिल जाता है, तब तक कंपनी का कामकाज पूरी तरह से ठप रहेगा। विधायक कहा कि कंपनी की लापरवाही के कारण एक सप्ताह के अंदर 10 लोगों की जान जा चुकी है। इधर मृतक का शव घर पहुंचते ही मृतक के परिजनों का रो - रो कर बुरा हाल हो गया। वहीं देर संध्या मृतक का अंतिम संस्कार मुक्तिधाम में किया गया। बता दें कि मृतक अपने घर का इकलौता कमाऊ व्यक्ति था। मृतक अपने पीछे अपने माता - पिता, छोटा भाई, पत्नी, बेटी और बेटा को छोड़कर चला गया। वहीं रामसागर के निधन से गांव में मातम पसरा हुआ है। धरना प्रदर्शन में बरही प्रखंड प्रमुख मनोज रजक, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, चौपारण मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेंद्र रजक, भाजपा मंडल अध्यक्ष भगवान केशरी, पूर्व मुखिया संघ अध्यक्ष राजदेव यादव, भाजपा युवा नेता रितेश गुप्ता, दिनेश प्रजापति, रामस्वरूफ रजक, कृष्णा रजक, महेंद्र रजक, मो सरफराज, मो कुद्दूस, रूपलाल प्रजापति, उमेश चंद्रवंशी, सत्येंद्र रजक, महेंद्र रजक, राजेश रजक, मो जुल्फीकार, रोहित कुमार, दुर्गा रजक, संतोष राम, मो इमरान, गंगा सागर एवं मूर्ति रजक समेत सैकड़ो अन्य लोग मौजूद थे।

अश्विनी दुर्गा पूजा समिति की कलश यात्रा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत अश्विनी दुर्गा पूजा समिति बड़कागांव दैनिक बाजार के द्वारा षष्ठी के अवसर पर कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा का नेतृत्व मुखिया संघ अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार, पूजा समिति के अध्यक्ष दीपक कुमार, सचिव राजू कुमार, कोषाध्यक्ष सनी कुमार, लालमणि महतो एवं शशि कुमार मेहता ने किया। कलश यात्रा अश्विनी दुर्गा पूजा समिति के प्रांगण से लेकर, कुशवाहा मोहल्ला, लोहार टोली, बसरिया टोला, अंबेडकर मोहल्ला, पंडित मोहल्ला, मुस्लिम मोहल्ला, ठाकुर मोहल्ला, प्रेम नगर, रेंज ऑफिस और गुरुचट्टी होते हुए सिरमा नदी से कलश में जल उठाव किया गया। इस दौरान पुरोहित रमनेश मिश्रा उर्फ गुड्डू के द्वारा नदी घाट पर पूजा - अर्चना कराई गई। कलश यात्रा में रांची से आए कलाकारों के द्वारा नगाड़े एवं शहनाई की आवाज चर्चा का विषय बना रहा। मौके पर मुख्य रूप से सांसद प्रतिनिधित्व सह मुखिया संघ के अध्यक्ष रंजीत कुमार, बड़कागांव मध्य पंसस रितेश ठाकुर, मुखिया मो तकरीमुल्लाह, पप्पू खान, मो रोहित, उप मुखिया सत्यदेव कुमार, पूजा समिति अध्यक्ष दीपक कुमार, सचिव राजू कुमार, कोषाध्यक्ष सनी कुमार, सहेश्वर कुमार के अलावा सैकड़ो बच्चियों ने भाग लिया।

चौपारण में दुर्गा पूजा को लेकर पुलिस का फ्लैग मार्च, पंडालों का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : दुर्गा पूजा महोत्सव को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से चौपारण पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। इसी कड़ी में रविवार को पुलिस अधिकारियों ने विभिन्न पूजा पंडालों का निरीक्षण किया और फ्लैग मार्च निकालकर शांति व सुरक्षा का संदेश दिया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व डीएसपी अजीत कुमार विमल ने किया। इस दौरान उनके साथ सीओ संजय यादव, थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी, इंस्पेक्टर चंद्रशेखर कुमार सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद थे। अधिकारियों ने चौपारण बाजार, रामपुर, मानगढ़, सिंघरावा, दैहर समेत कई प्रमुख इलाकों में स्थित पूजा पंडालों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पुलिस प्रशासन ने पंडाल समिति के पदाधिकारियों से मुलाकात की और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जानकारी ली। अधिकारियों ने समिति के सदस्यों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि दुर्गा पूजा सामूहिक आस्था और सामाजिक सौहार्द का पर्व है, इसे मिल-जुलकर मनाना हम सबकी जिम्मेदारी है। डीएसपी अजीत कुमार विमल ने मौके पर कहा कि प्रशासन हर गतिविधि पर विशेष नजर रखे हुए है। पूजा पंडालों में शांति भंग करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल पूरी तरह से सतर्क और तैयार है। थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी तरह की अफवाह या विवाद को फैलाने से बचें। उन्होंने बताया कि पूजा के दौरान दनुआ घाटी से लेकर चौपारण बाजार तक संवेदनशील इलाकों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। वहीं, इंस्पेक्टर चंद्रशेखर कुमार ने कहा कि शांति व्यवस्था को बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए हर स्तर पर सतर्कता बरती जा रही है पंडाल समितियों ने भी प्रशासन को आश्वस्त किया कि वे नियमों का पालन करेंगे और किसी तरह की अव्यवस्था उत्पन्न नहीं होने देंगे।

विधायक की पहल से गुरुचट्टी दुर्गा पूजा प्रांगण में लगा ट्रांसफार्मर व हाई मास्ट लाइट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव जीडीएम चौक थाना के बगल में स्थित बाजार टांड़ में संचालित मां अंबे दुर्गा पूजा प्रांगण में बार-बार हो रही बिजली समस्या को लेकर पूजा समिति के द्वारा विधायक रोशन लाल चौधरी से बिजली समस्या दूर करने की मांग की। जिसपर विधायक रोशन लाल चौधरी ने संज्ञान लिया एवं तत्परता दिखलाते हुए 100 केवीए का नया ट्रांसफर एवं हाई मास्ट लाईट लगवाया।

जिसका उद्घाटन गुरुचट्टी कुशवाहा समाज के संरक्षक बुजुर्ग 92 वर्षीय बालेश्वर महतो एवं पूर्व अध्यक्ष कीनु महतो ने फीता काटकर एवं नारियल फोड़ कर किया। मौके पर गुरुचट्टी कुशवाहा समाज के संरक्षक बालेश्वर महतो व कुशवाहा समाज के संयोजक सुरेंद्र कुमार ने कहा कि विधायक रोशन लाल चौधरी विकास के प्रति तत्पर हैं हम आभार व्यक्त करते हैं। ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त किया है। मौके पर मुख्य रूप से संयोजक सुरेंद्र कुमार, अध्यक्ष संतोष महतो, सचिव संजय कुमार, बीगल किशोर महतो, धुपन महतो प्रदीप कुमार, आजसू केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाह, भाजपा के प्रखंड महामंत्री नरसिंह प्रसाद,आजसू सह प्रखंड का सचिव घनश्याम कुशवाहा, टुकन कुमार, अमृत कुमार रविंद्र कुमार मनोज कुमार राजेंद्र कुमार भाजपा नेता किशोर कुमार, दुर्गा पूजा कोषाध्यक्ष हुलास कुशवाहा, सोहर महतो, सुधांशु शेखर, कुलेश्वर कुमार, तुलेश्वर कुमार, विकास कुमार, पंकज कुमार, अनिल कुमार, नागेश्वर महतो, दिलीप कुमार, सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

सहायक अध्यापक सच्चिदानंद तिवारी हुए सेवानिवृत, दी गई विदाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : प्रखंड संसाधन केंद्र बड़कागांव अंतर्गत संचालित राजकीय कन्या मध्य विद्यालय बड़कागांव के सहायक अध्यापक (पारा शिक्षक) सच्चिदानंद तिवारी सेवानिवृत हो गए। सेवानिवृत्ति होने पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक रवि शंकर पाठक के नेतृत्व में सभी शिक्षक - शिक्षिकाओं एंव विद्यार्थियों के द्वारा विदाई सम्मान समारोह मनाकर विदाई दी गई। बताते चले कि सहायक अध्यापक सच्चिदानंद तिवारी 2002 से पारा शिक्षक पद पर कार्यरत थे, इन्होंने ईमानदारी पूर्वक 23 साल सेवा देने के पश्चात सेवानिवृत्ति हुए, उन्होंने कहा कि मै समाज एवं शिक्षा हित में अपना अनुभव को शेयर करने का प्रयास करता रहूंगा। विदाई देने वालों में मुख्य रूप से प्रभारी प्रधानाध्यापक रवि शंकर पाठक, चमेली देवी, नगीना देवी, सहित विद्यालय के सभी शिक्षक - शिक्षिकाएं, रसोईया एवं विद्यार्थी शामिल थे।

भक्ति-भाव और उल्लास से गूंजा बड़ा बाजार पंडाल माता रानी के पट खुलते ही उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : रविवार की शाम हजारीबाग शहर के सबसे चर्चित महासमिति में से एक बड़ा बाजार दुर्गा पूजा महासमिति में आस्था और उल्लास का अनोखा संगम देखने को मिला। महासमिति में शाम 5:05 बजे ढोल-नगाड़ों की गूंज और गगनभेदी नारों के बीच भव्य पूजा पंडाल का उद्घाटन महासमिति के सचिव दीप नारायण निषाद ने फीता काटकर किया। इसके उपरांत 5:10 बजे माता रानी की प्रतिमा का पट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। जैसे ही माता का पट खोला गया और श्रद्धालुओं ने प्रथम दर्शन किए, पूरा पंडाल जय माता दी के उद्घोष से गूंज उठा। हर किसी की आंखें भक्ति से नम हो उठीं और वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक एवं भावनाओं से ओतप्रोत हो गया। माता रानी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ी और पंडाल परिसर भक्तों से खचाखच भर गया। उद्घाटन अवसर पर महासमिति के सचिव ढोल-नगाड़ों के साथ बड़ा बाजार चौक से पंडाल परिसर तक पहुंचे। पारंपरिक गगनविधि के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। वहीं सचिव श्री निषाद का स्वागत अंगवस्त्र एवं पुष्पमाला से किया गया। इस अवसर पर महासमिति के सचिव दीप नारायण निषाद ने कहा कि बड़ा बाजार दुर्गा पूजा महासमिति केवल भव्य पंडाल और आकर्षक सजावट के लिए ही नहीं, बल्कि अनुशासन, भक्ति और सामाजिक एकता की परंपरा के लिए भी जानी जाती है। हमारी यही कोशिश है कि हर श्रद्धालु माता रानी के आशीर्वाद का अनुभव करे और यह पर्व सभी के लिए मंगलकारी बने। पूरे उद्घाटन समारोह के दौरान माहौल भक्त मय और उत्साहपूर्ण रहा। बच्चों, महिलाओं एवं बुजुर्गों ने पूरे श्रद्धा-भाव से पूजा-अर्चना की और माता से सुख, शांति एवं समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। मौके पर सचिव दीप नारायण निषाद, कोषाध्यक्ष बालगोविंद निषाद, ओम प्रकाश गुप्ता, दिलीप जायसवाल, प्रदीप जैन, गुड्डन सोनकर, हेमा दा, पवन खण्डेलवाल, नरेश निषाद, प्रमोद खण्डेलवाल, दिलीप सोनी, रितेश खण्डेलवाल, आशुतोष चौधरी, अनिल मद्धेशिया, पंकज कसेरा सहित कई लोग मौजूद रहें।

संक्षिप्त खबरें

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विवि की नवरात्रि पर झांकी का हुआ आयोजन

बरही : प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय पटना रोड बरही नहर सेवा केंद्र में नवरात्रि व दशहरा पर्व मनाया गया। सेवा केंद्र में उपस्थित भाई बहनें चेतन दुर्गा मां से अष्ट शक्ति जीवन में धारण करने की संकल्प कर दुर्गा मां की आरती की। बरही सेवा केंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी रीना बहन ने बताया कि दुर्गा मां की अष्ट शक्ति हमारे अंदर की शक्ति है। जिसे अहसास करने की जरूरत है। कहा कि कमल फूल-महालक्ष्मी मां के तरह कमल फूल समान न्यारापन अर्थात संसार में रहते न्यारे-प्यारे रहना। सदगुण से दुगुर्णों को नाश करना दुर्गा मां की तरह और मां की तरह सबको रहम की भावना रखना चाहिए। महिषासुर की वध से यह प्रेरणा मिलती है कि बुराई का हमेशा अंत होता है। मौके पर नव दुर्गा की जीवंत झांकी की भी प्रस्तुति दी गई। मौके पर कई गुरु बहन मौजूद थे।

पूर्व जिप प्रतिनिधि ने करियातपुर दुर्गा पूजा पंडाल का किया निरीक्षण

बरही : बरही प्रखंड के पूर्व ज़िप सदस्य मुनेजा खातुन के प्रतिनिधि सह अल्पसंख्यक कल्याण महासमिति अध्यक्ष मो क्युम ने अपने सहयोगियों के साथ रविवार को करियातपुर स्थित सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल का निरीक्षण किया। साथ ही वहां की विधि व्यवस्था एवं सुरक्षा को देखते हुए उन्होंने पूजा कमिटी के सदस्यों की सरहना की। उन्होंने कहा कि करियातपुर में प्रत्येक वर्ष दुर्गा पूजा हमेशा शांति पूर्वक सम्पन्न होता है। उन्होंने हरसंभव सहयोग की देने की बात कही। मौके पर अध्यक्ष बिरजू शर्मा, महासचिव संजय केशरी, कोषाध्यक्ष संजीत सोनी, रामेश्वर रविदास ,सूरज शर्मा, दिनेश कुमार, संतोष प्रजापति, टिंकू शर्मा, विकास शर्मा, मुन्ना सोनी सहित कई लोग मौजूद रहे।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर बरही में पथ संचलन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बरही : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने के मौके पर संघ शताब्दी वर्ष मना रही है। इसी क्रम में बरही के स्वयंसेवकों ने जातीय परंपरा से ऊपर उठकर अपने समरस समाज का दृश्य प्रस्तुत करते हुए बरही प्रखंड मैदान में संघ के गणवेश में एकत्रीकरण, ध्वजारोहण, ध्वज प्रणाम, प्रार्थना के बाद घोष के साथ पथ संचलन का आयोजन किया। पथ संचलन प्रखंड मैदान से निकलकर हजारीबाग रोड के युवराज होटल होते हुए बरही चौक, गया रोड रेलवे ओवरब्रिज, तिलैया रोड कोबरा गेट होकर धनबाद रोड में अनुमंडलीय अस्पताल होते हुए पुन: प्रखंड मैदान में अनुशासन पूर्ण पथ संचलन का कार्यक्रम पूर्ण हुआ। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में अनुशासित रहकर इस पथ संचलन में अपनी भूमिका निभाई । इस मौके पर क्षेत्र सेवा प्रमुख, जिला सह संघचालक, खंड कारवाह, व्हिप से जिला सह मंत्री, कोषाध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मंत्री, भाजपा से जिला उपाध्यक्ष,विद्या भारती से भामाशाह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बरही के प्रधानाचार्य रजनीश कुमार पाण्डेय एवं आचार्य भैया लोग और बरही खंड के स्वयं सेवक बंधु शामिल हुए।

डांडिया नाइट में बच्चों ने बिखेरी भारतीय संस्कृति की छटा, अभिभावकों ने की जमकर सराहना

बरही : बरही प्रखंड के देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल में बीते शनिवार की शाम धूमधाम से डांडिया नाइट का आयोजन किया गया। शाम 6 बजे से शुरू हुआ । यह कार्यक्रम रात 8:30 बजे तक चला। इस अवसर पर स्कूल परिसर को रंग-बिरंगी रोशनियों से सजाया गया था, जो देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम की शुरूआत भारतीय जनता पार्टी के नेता रणजीत चंद्रवंशी ने दीप प्रज्वलन कर की। इसके बाद स्कूल के बच्चों ने गरबा और डांडिया प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रंग-बिरंगे परिधानों से सजे बच्चों ने एक से बढ़कर एक नृत्य प्रस्तुतियां दी। कई जीवंत झांकियों की प्रस्तुति दी गई। छात्र-छात्राओं की नृत्य प्रस्तुतियों के बीच तालियों की गड़गड़ाहट गूंजती रही। खूबसूरत लाइट सजावट, पारंपरिक संगीत और बच्चों का उत्साह कार्यक्रम की शोभा बढ़ा रहा था। बच्चों के साथ-साथ अभिभावक भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बने और मंच से बच्चों का हौसला बढ़ाते रहे। इस मौके पर मौजूद भाजपा नेता रणजीत चंद्रवंशी ने कहा इस प्रकार का आयोजन स्कूल प्रशासन का सराहनीय प्रयास है। श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल परंपरागत संस्कृति और धार्मिक मूल्यों को बच्चों तक पहुँचाने का कार्य कर रहा है। ऐसे आयोजनों से बच्चों में भारतीय संस्कृति के प्रति जुड़ाव और गहरा होगा। मौके पर विकास सिंह, राकेश सिंह सहित बच्चे एवं शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

कर्णपुरा महाविद्यालय में भगत सिंह की जयंती श्रद्धा व उत्साह से मनाई गई

बड़कागांव : कर्णपुरा महाविद्यालय, बड़कागांव में शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. कीर्तिनाथ महतो द्वारा दीप प्रज्वलन, इंकलाब जिंदाबाद नारे के साथ एवं शहीद भगत सिंह के तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।मुख्य अतिथि डॉ. कीर्तिनाथ महतो ने कहा भगत सिंह केवल स्वतंत्रता संग्राम के योद्धा ही नहीं, बल्कि विचारों के क्रांतिकारी थे,उन्होंने अपनी युवावस्था में ही यह सिद्ध कर दिया कि देशप्रेम किसी त्याग से छोटा नहीं होता। डॉ. चंद्रशेखर राणा ने कहा झ आज की युवा पीढ़ी को भगत सिंह के साहस, त्याग और आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र-निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। कार्यक्रम में वक्ता प्रो. सुरेश महतो ने कहा भगत सिंह ने अपने बलिदान से पूरे देश को जागृत किया। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि देशप्रेम और स्वाभिमान से बड़ा कोई धर्म नहीं। वहीं कार्यक्रम पदाधिकारी निरंजन प्रसाद नीरज ने कहा भगत सिंह ने यह संदेश दिया कि अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना ही सच्ची देशभक्ति है। हमें उनके आदर्शों को व्यवहार में लाने की आवश्यकता है।

एक नजर

नवरात्रि पर दुग्ध उत्पादकों को 16 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि की सौगात

रांची : झारखंड के दुग्ध उत्पादकों के लिए नवरात्रि के पावन मौके पर अच्छी खुशखबरी आई है। राज्य सरकार झारखंड मिल्क फेडरेशन से जुड़े लगभग 60 हजार दुग्ध उत्पादकों को प्रोत्साहन राशि की सौगात देने जा रही है। झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने बताया है कि अप्रैल 2025 से अगस्त 2025 तक के बकाया प्रोत्साहन राशि को विभाग की ओर से निर्गत कर दिया गया है। विभाग ने दुग्ध उत्पादकों को दिये जाने वाले पांच रुपए प्रति लीटर प्रोत्साहन राशि के मद में 16 करोड़ रुपये जारी किये हैं। अब इस राशि को दुग्ध उत्पादकों के बैंक खातों में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि झारखंड मिल्क फेडरेशन के द्वारा वर्तमान में प्रतिदिन 2 .53 लाख लीटर दुग्ध संग्रहित किया जा रहा है। दुग्ध संग्रहण की बढ़ती क्षमता से झारखंड श्वेत क्रांति की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सरकार की योजनाएं दुग्ध उत्पादकों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के साथ-साथ स्वावलंबी बनाने में भी मददगार साबित हो रही है।

आंगनबाड़ी केंद्रों को टीसी काटने का अधिकार देना सराहनीय : जेपी

रांची : झारखंड राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के संयोजक और प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा के नेता जेपी पांडेय ने केंद्र सरकार की ओर से आंगनवाड़ी केंद्रों को छात्रों का टीसी (स्थानांतरण प्रमाणपत्र) काटने का अधिकार दिए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए इस निर्णय को सराहनीय बताया। उन्होंने महिला एवं बाल विकास मंत्री अपर्णा देवी को इस निर्णय के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह कदम सेविकाओं के कार्य को मान्यता देने वाला है। पांडेय ने कहा कि लगभग 50 वर्षों से शोषित और पीड़ित आंगनवाड़ी सेविकाझसहायिकाओं को राज्य कर्मी या राष्ट्र कर्मी का दर्जा मिलना चाहिए, ताकि उन्हें उनका हक मिल सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त महिला, सशक्त भारत के नारे को तभी वास्तविकता मिलेगी जब सेविकाओं को सम्मानजनक मानदेय, मकान भाड़ा, मोबाइल रिचार्ज और समय पर पोषाहार राशि मिलेगी।

युवा दस्ता के मुख्य मंच का हुआ उदघाटन

रांची : युवा दस्ता के मुख्य मंच का उदघाटन एडीएम लॉ एंड आर्डर राजेश्वर नाथ आलोक ने रविवार को किया। उदघाटन समारोह में मुख्य अतिथि महावीर मंडल रांची महानगर के अध्यक्ष कुणाल अजमानी उपस्थित थे। उदघाटन समारोह में युवा दस्ता के संस्थापक राजीव रंजन मिश्रा, महावीर मण्डल के पूर्व अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू और पूर्व उपाध्यक्ष राहुल सिन्हा चंकी, वरिष्ठ युवा समाजसेवी राजेश सिन्हा सनी, युवा दस्ता के संरक्षक महेश चंद्र, श्री चैती दुगार्पूजा महासमिति के महामंत्री गोपाल पारीक, श्री राम बानर सेना के अध्यक्ष लंकेश सिंह और उपस्थित थे। समारोह की अध्यक्षता युवा दस्ता के अध्यक्ष राजेश गुप्ता छोटू ने की, जबकि संचालन पीयूष आनंद ने किया। इस अवसर पर समारोह में आए सभी अतिथियों का भव्य स्वागत चुनरी ओढाकर युवा दस्ता के ज्योति शंकर साहू, करण नायक, नवनीत पांडेय, राकेश सिंह ने किया गया। एडीएम लॉ एंड आर्डर राजेश्वर नाथ आलोक ने सभी सदस्यों को प्रशासन के हस्ताक्षर युक्त परिचय पत्र देकर सभी पंडाल में तैनात रहने के लिए रवाना किया। एडीएम लॉ एंड आर्डर ने सभी कार्यकर्ताओं से दुर्गा पूजा को सफल बनाने की अपील की और किसी प्रकार की परेशानी होने पर सहयोग करने का आश्वासन दिया।

व्यापारिक गतिविधियों को बाधित करेगी नगरपालिका पथ कर नियमावली : चेंबर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नगर विकास एवं आवास विभाग की ओर से जारी झारखंड नगरपालिका पथ कर नियमावली-2025 ड्राफ्ट पर झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स ने आपत्ति दर्ज की है। नियमावली में निहित प्रावधानों से व्यापार जगत को होनेवाली असुविधा को देखते हुए रविवार को चेंबर भवन में पदाधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में कहा गया कि वाणिज्यिक वाहनों पर अतिरिक्त पथ कर लगाए जाने का प्रस्ताव अव्यावहारिक है। यह कदम राज्य की व्यापारिक और औद्योगिक गतिविधियों को बाधित करेगा, महंगाई को और बढ़ाएगा एवं स्थानीय व्यापारियों तथा उपभोक्ता दोनों पर असमान बोझ डालेगा। चेम्बर की ओर से विभाग को प्रेषित किये गए आपत्ति में कहा कि यह कर डबल टैक्सेशन है, क्योंकि पहले से ही मोटर व्हीकल टैक्स, टोल टैक्स, जीएसटी तथा बस स्टैंड शुल्क जैसे अनेक टैक्स लिए जा रहे हैं। इस टैक्स के कारण परिवहन लागत बढ़ेगी, जिससे आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें बढ़ेंगी और सीधा असर आम उपभोक्ता पर पड़ेगा। छोटे व्यापारियों और ट्रांसपोर्टरों पर इसका बोझ सबसे अधिक पड़ेगा, इससे उनकी आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होंगी। चैंबर ने कहा कि कर संग्रह की प्रक्रिया शहरों के प्रवेश बिंदुओं पर गंभीर जाम और अव्यवस्था उत्पन्न करेगी। पड़ोसी राज्यों की तुलना में झारखंड की औद्योगिक और व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा क्षमता घट जाएगी। यह प्रस्ताव वन नेशन, वन टैक्स की मूल भावना और जीएसटी सुधार की आत्मा के विरुद्ध है। चेंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने विभागीय मंत्री और सचिव से आग्रह किया कि इस प्रस्तावित कर को वापस लिया जाय। उक्त जानकारी चेंबर महासचिव रोहित अग्रवाल ने देते हुए कहा कि पथ कर नियमावली से होनेवाली असुविधा को देखते हुए राज्य भर की सम्बद्ध संस्थाओं की ओर से झारखण्ड चेंबर के पास सुझाव प्राप्त हुए हैं। सभी संगठनों के सुझाव के अनुरूप झारखंड चेंबर ने आपत्ति दर्ज करते हुए विभागीय निर्णय को शिथिल करने की मांग की गई है। बैठक में चेंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, महासचिव रोहित अग्रवाल और पूर्व अध्यक्ष किशोर मंत्री उपस्थित थे।

नीतीश बेदाग, नाक के नीचे होता रहा भ्रष्टाचार : पंकज मिश्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जयप्रकाश जनता दल के राष्ट्रीय सचिव पंकज मिश्र ने बिहार सरकार पर भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबने का आरोप लगाया है। उन्होनें कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग है। मगर उनके नाक के नीचे भ्रष्टाचार होता रहा। उनकी चुप्पी से सवाल उठता है कि क्या वाकई उनको कुछ पता नहीं है या उनकी सहमति से सब होता रहा। बतौर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की छवि पर प्रश्नचिह्न लगता है। मिश्र ने कहा की यह तो एक बानगी मात्र है। ग्रामीण कार्य और स्वास्थ्य मंत्री क्रमश : अशोक चौधरी मंगल पाण्डेय का व्यक्तिगत भ्रष्टाचार सामने आया है। मंत्रालय के कामकाज की समीक्षा की जाऐ तो कई बड़े मामले उजागर होंगे। इसके अलावा जल संसाधन, शिक्षा, कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय में भी बडे पैमाने पर भ्रष्टाचार होने की बात कही जा रही। जयप्रकाश जनता दल मुख्यमंत्री से भ्रष्टाचार के आरोपों बिन्दुवार जवाब देने और शामिल दोनों मंत्रियों को तत्का बर्खास्त करने की मांग करता है। नीतीश कुमार लोकनायक जयप्रकाश नारायण के आंदोलन की उपज हैं। ऐसे में लोकनायक जी के आर्दर्शों का पालन करना उनकी जिम्मेवारी है। उन्होने कहा कि चुनाव के समय नयी योजनाओं की घोषणा करना वोट खरीदने की नजर से देखा जा रहा है। नीतीश कुमार की सरकार 20 वर्षांत से शासन में है। इतने दिनों से जमीनी हालात की जानकारी सरकार को केसे नहीं थी और चुनाव आते ही हजारों करोड की योजना की घोषणा कर लोगों के खाते में पैसा भेजना को गलत नीयत से देखा जा रहा। जयप्रकाश जनता दल सभी पहलुओं पर नजर रखकर अपनी योजना बना रही है। आनेवाले दिनों में हम मजबूती के साथ जनता के साथ रहेंगे।

मास कॉम विभाग की लापरवाही से दर्जनों छात्र छात्रवृत्ति से वंचित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मास कॉम, जो कि वोकेशनल (व्यावसायिक) विभाग है, उसकी लापरवाही के कारण कई छात्र-छात्राएं अब तक छात्रवृत्ति की राशि से वंचित हैं। विभाग ने कल्याण विभाग को 29 जुलाई 2025 को भेजे गये दस्तावेज में खुद को रेगुलर विभाग के रूप में दर्शा दिया, जबकि रिकॉर्ड में यह विभाग वोकेशनल श्रेणी में आता है। कल्याण विभाग ने जब जांच की और पूछा कि रिकॉर्ड में विभाग वोकेशनल है तो रेगुलर क्यों लिखा गया, तब विभाग के निदेशक डॉ बसंत झा ने अपनी गलती स्वीकार की। इसके बाद छात्रों ने स्वयं दौड़-धूप कर दस्तावेज सुधार करवाया और नया पत्र कल्याण विभाग को सौंपा। बावजूद इसके, शुरूआती लापरवाही और देरी की वजह से छात्रवृत्ति की राशि अन्य विभागों के छात्रों को जारी कर दी गई। अब विभाग के पास फंड की कमी है और सैकड़ों जरूरतमंद छात्र-छात्राएं राशि की प्रतीक्षा कर रहे हैं। नाम न छापने की शर्त पर प्रभावित छात्रों का कहना है कि उनकी शिकायत सुनने वाला कोई नहीं है। विभाग और राज्य सरकार दोनों ही उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। छात्रों का आरोप है कि विभाग उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है। इस लापरवाही ने न केवल छात्रों की पढ़ाई पर आर्थिक बोझ बढ़ा दिया है, बल्कि छात्रवृत्ति पर निर्भर जरूरतमंद छात्रों के सामने बड़ी समस्या खड़ी कर दी है। फिलहाल छात्र आशा लगाए बैठे हैं कि सरकार और विश्वविद्यालय जल्द समाधान निकालेंगे।

अरम आई हॉस्पिटल में मिलेगी वैश्विक चिकित्सा सुविधा : इरफान अंसारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड को स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी अव्वल बनाने की दिशा में निजी अस्पतालों की भूमिका महत्वपूर्ण है। मरीजों के बेहतर इलाज के लिए अत्याधुनिक और विश्वस्तरीय चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकारी और गैर-सरकारी स्तर पर लगातार प्रयास जारी हैं। और इसी सोच के तहत अरम आई हॉस्पिटल का शुभारंभ किया गया। उक्त बातें राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने रविवार को इरबा स्थित अब्दुर्रज्जाक अंसारी मेमोरियल अस्पताल परिसर में अरम आई हॉस्पिटल के उद्घाटन के शुभ अवसर पर कहा। उन्होंने कहा कि इस अस्पताल की स्थापना से नवीनतम तकनीक से लोगों की आंखों का उपचार संभव हो पाएगा। आंखें ईश्वर का अनमोल उपहार हैं और इसकी देखभाल बेहद जरूरी है। अस्पताल के प्रबंध निदेशक इफ्तेखार अहमद अंसारी ने कहा कि जीवन के लिए स्वस्थ आंखों का होना आवश्यक है। वहीं, खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि आंखों की बढ़ती बीमारियों के मद्देनजर यह अस्पताल एक सराहनीय पहल है। कांके विधायक सुरेश बैठा ने कहा कि निजी अस्पतालों के खुलने से सुविधाएं बढ़ती हैं और प्रतिस्पर्धा का लाभ सीधे मरीजों को मिलता है। अब्दुर्रज्जाक अंसारी मेमोरियल वीवर्स हॉस्पिटल के संस्थापक सईद अहमद अंसारी ने बताया कि यहां शंकर नेत्रालय चेन्नई और अरविंद हॉस्पिटल मुंबई के प्रशिक्षित विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर छोटानागपुर रीजनल हैंडलूम वीवर्स को-ऑपरेटिव सोसाइटी के अनवार अहमद अंसारी ने कहा कि अस्पताल में किफायती दरों पर आधुनिक उपकरणों से उपचार मिलेगा। उन्होंने सभी अतिथियों का स्वागत और धन्यवाद ज्ञापन किया।

झारखंड के कई जिलों में दो अक्टूबर को भारी बारिश की आशंका

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के कई जिलों में दो अक्टूबर को भारी बारिश होने की आशंका है। यह जानकारी मौसम विभाग ने रविवार को दी है। विभाग के अनुसार राज्य के जिन जिलों में दो अक्टूबर को भारी बारिश होने की आशंका है, उनमें राज्य के पूर्वी जिले देवघर, दुमका, गिरिडीह, कोडरमा, पाकुड़ और साहिबगंज शामिल है। इसके अलावा विभाग ने राज्य के अन्य इलाकों में भी हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना व्यक्त की है। वहीं तीन अक्टूबर को भी राज्य के कुछ इलाकों में भारी-बड़ी होने की आशंका व्यक्त की गई है। वहीं पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम के सोनुवा में 117.4 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। इस दौरान राजधानी रांची में 31.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। राज्य में सबसे अधिक तापमान गोड्डा में 35.4 और सबसे कम तापमान लातेहार में 20.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे और हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई। हालांकि बीच-बीच में धूप भी निकली। दिन भर कमोबेश यही स्थिति बनी रही। रविवार को रांची में अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री, जमशेदपुर में 32.6, डालटेनगंज में 33.4 डिग्री, बोकारो में 29.1 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 में झारखंड पवेलियन का उद्योग सचिव ने किया अवलोकन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : दिल्ली के भारत मंदपम में चल रहे वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 में रविवार को रवा राजकमल, उद्योग सचिव ने झारखंड पवेलियन का अवलोकन किया। इन्होंने कहा कि झारखंड प्रदेश अपने असीम खनिज उत्पादों, आदिवासी संस्कृति के साथ बड़े भाग में फैले वनों के लिए जाना जाता है। झारखंड में प्रदेश के कुल क्षेत्रफल का 78 हजार किलोमीटर क्षेत्र वन क्षेत्र है। यहां के वन विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधे एवं अपने अनेक वनोत्पाद के लिए प्रसिद्ध है। एक्सपो में आने वाली लोगों ने झारखंड पवेलियन में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा लगाए गए स्टाल पर इसकी विस्तृत जानकारी ली। विभाग के डी एफ ओ श्रीकांत वर्मा ने बताया कि झारखंड में 136 माइनर फूड प्रोड्यूस करने वाले वनों की श्रृंखला है। जिसमें शाल, महुआ, इमली, कुसुम, जामुन, पलाश, कटहल आदि के पेड़ बहुतायत में पाए जाते है। उन्होंने बताया कि वन विभाग ऐसे स्थानों पर वन समितियों का सृजन कर के उनको लोगो को आवश्यक प्रशिक्षण, मशीन, मार्केट लिंक दे कर लाह, सिल्क, शहद, चिरौंजी, काजू आदि वस्तुओं का उत्पादन भी करती है। साथ ही झारखंड का सिल्क, शहद, चिरौंजी आदि ना सिर्फ देश में अपितु विदेशों तक निर्यात होता है।

सरकार ऑर्गेनिक सब्जियों के उत्पादन को दे रही है बढ़ावा

पवेलियन में ही कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के स्टाल की जानकारी देते हुए मुकेश द्विवेदी ने बताया कि झारखंड प्रदेश अपने यहां सभी अनाजों की अपेक्षा चावल का उत्पादन ज्यादा करता है। वहीं वर्तमान में सरकार ऑर्गेनिक सब्जियों के उत्पादन को भी बढ़ावा दे रही है। जिसके तहत सरकार ट्रेनिंग, सर्टिफिकेशन, एक्सपोजर आदि पर काम कर रही है।

झारखंड प्रतिवर्ष 3.60 मीट्रिक टन मछली का कर रहा है उत्पादन

पवेलियन के प्रमुख आकर्षण में मछली का अचार और पापड़ है। जो लोगों को बहुत पसंद और अनोखा लग रहा है। फिशरीज विभाग के प्रशांत कुमार दीपक के अनुसार अभी झारखंड प्रतिवर्ष 3.60 मीट्रिक टन मछली का उत्पादन कर रहा है। जिसके उपादान में सरकार डैम या खत्म हो चुके खदानों में केज बना कर लोगों को ट्रेनिंग मुहैया करवाकर फार्मिंग करवा रही है। झारखंड में रोहू, कटला, तिलपिया, पंजेसिप्स आदि मछली पाई जाती है। जिनकी बिक्री स्थानीय बाजारों के साथ साथ आस पास के प्रदेशों में होता है।

संक्षिप्त खबरें

एचईसी प्रबंधन जुलाई 2023 का पूरा वेतन भुगतान करें नहीं तो करेंगे आंदोलन : भवन सिंह

रांची : हटिया मजदूर यूनियन (सीटू) के अध्यक्ष भवन सिंह ने एचईसी प्रबंधन से जुलाई 2023 का पूरा वेतन अविलंब भुगतान करने की मांग की है। नहीं तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि अल्प वेतन भोगी मजदूरों का वेतन रोकना न केवल अनुचित है, बल्कि औद्योगिक अशांति को बढ़ावा देने का काम भी है। प्रबंधन को भली-भांति जानकारी है कि चेयरमैन स्तर पर स्थायी और सप्लाई मजदूरों को एक साथ वेतन देने पर सहमति बनी थी, लेकिन उसका पालन नहीं किया गया। भवन सिंह ने कहा कि फार्म भराने के नाम पर मजदूरों का वेतन रोका जा रहा है, जबकि वे नियमित रूप से काम पर जा रहे हैं। यह स्थिति प्रबंधन की असंगत नीतियों को दर्शाती है। मजदूर उत्पादन को गति देना चाहते हैं, लेकिन प्रबंधन की कार्यप्रणाली असंतोष को बढ़ा रही है। उन्होंने इसे अनुशासन और विश्वास बहाली के विपरीत कदम बताया। यूनियन अध्यक्ष भवन सिंह ने एचईसी प्रबंधन पर यह भी आरोप लगाया कि 18 बैच का प्रमोशन लंबित रखा गया है। और बोनस भुगतान को टालने की कोशिश हो रही है। उन्होंने कहा कि बोनस का भुगतान छठ से पहले किया जाना चाहिए तथा 2023 अक्टूबर से अप्रैल 2025 तक का बढ़ा हुआ डीए भी सप्लाई मजदूरों को जोड़कर दिया जाए। साथ ही मजदूर कर्मियों के अर्जित अवकाश संचय का अधिकार भी मजदूरों को मिलना चाहिए। और उसका विवरण समय पर उपलब्ध कराना चाहिए।

'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने बार-बार झारखंड का मान बढ़ाया है : बाबूलाल

रांची : झारखंड में भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम के 126वें संस्करण में झारखंड के आशीष सत्यव्रत साहू की चर्चा कर पूरे झारखंड की प्रतिभा, कला, संस्कृति का सम्मान बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार जताया। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड की जनता के साथ-साथ यहां की कला और संस्कृति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिलों में बसती है। इसलिए वे खोज कर इसकी महानता और विशेषता को अपने कार्यक्रम मन की बात के माध्यम से दुनियां के सामने उजागर करते हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड सिर्फ खान व खनिज के बल पर नहीं, बल्कि अपनी कला, संस्कृति, रीति -रिवाज को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मरांडी ने कहा कि स्वदेशी का संकल्प हमारी सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करेगा, आत्मनिर्भरता को बढ़ाएगा और भारत को विश्व गुरु बनाएगा।उन्होंने राज्य की जनता से कहा कि उत्सवों और त्योहारों को 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' से जोड़ें। स्थानीय उत्पाद को बढ़ावा दें और 'वोकल फॉर लोकल' की आवाज बुलंद करें। मरांडी ने दो अक्टूबर को महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती के साथ ही विजयादशमी के अवसर पर खादी को अपने वस्त्रों में शामिल करने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने किया शताब्दी वर्ष पर पथ संचलन

रांची : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर रांची में बाल्मीकि नगर के इंद्रप्रस्थ बस्ती में रविवार को पथ संचलन आयोजित किया गया,जिसमें सैकड़ो स्वयंसेवक और समाज के लोगों ने हिस्सा लिया। पथ संचलन का शुभारंभ स्वामी प्रणवानंद बिरसा मुंडा छात्रावास से किया गया, जो स्वामी सहजानंद कॉलोनी, बिरला हनुमान मंदिर, रानी बागान होते हुए वापस छात्रावास पहुंचा। पथ संचलन में लोगों को पुष्प वर्षा कर जगह-जगह पर स्वागत किया गया। पथ संचलन के दौरान स्वयंसेवक आगे आगे भगवा ध्वज लेकर चल रहे थे। इस अवसर पर छात्रावास के सभागार में संघ के संस्थापक परम पूज्य डॉक्टर केशव राव बलिराम हेडगेवार, द्वितीय सरसंघचालक परम पूज्य माधव राव सदा शिव गोलवलकर, भारत माता और मां दुर्गा के प्रतिरूप को फूल माला से सजाया गया और शस्त्र पूजन किया गया। अंत में संघ के प्रार्थना के बाद कार्यक्रम संपन्न हुआ। संघ के पूर्व जिला प्रचारक सुशील झा ने कहा कि संघ की स्थापना 1925 में राष्ट्र निर्माण में योगदान, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक सद्भाव, पर्यावरण संरक्षण और स्वदेशी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया। पथ संचलन में अशोक कुमार, प्रकाश चंद्र सिन्हा, देवेंद्र शांडिल्य, राजकिशोर प्रसाद, वीरेंद्र ठाकुर, गणेश सिंह, उत्तम साहू, रितेश किशोर, कृष्णा पंडित, धनंजय पाठक, ब्रजकिशोर शर्मा सहित अन्य स्वयंसेवक शामिल थे।

श्री राम लला पूजा पंडाल में भुज के स्वामी नारायण मंदिर से पहुंचे सात स्वामी संत

रांची : श्री राम लला पूजा समिति के सानिध्य में रांची जिला स्कूल के मैदान में गुजरात के भुज स्थित श्री स्वामी नारायण मंदिर के प्रारूप को देखने के लिए रविवार को भुज स्थित स्वामी नारायण मंदिर के सात स्वामी संतों की टोली पहुंची। सात संतों की टीम में स्वामी संत जीवन दास, नयल करण दास, वजार्जीवन दास, धर्मा वत्सल दास, भक्ति वल्लभ दास, भगवान दास शामिल थे। समिति के अध्यक्ष अशोक चौधरी और प्रवक्ता प्रमोद सारस्वत ने पंडाल में बने स्वामी नारायण मंदिर का उन सभी को अवलोकन कराया। पंडाल के गर्भगृह में जाकर मां की पूजा अर्चना सहित आशीर्वाद प्राप्त किया। संत भुज से स्वामी नारायण भगवान के विग्रह के साथ पहुचे थे। पूरे पंडाल की कलाकृतियों का बारीकियां से अवलोकन किया और कहा कि भुज के सफेद संगमरमर की तरह यह पूजा पंडाल उसी का प्रारूप लग रहा है। उन्होंने बताया कि समिति की ओर से बनाए गए इस पंडाल के प्रारूप का जब भुज में सूचना मिली, तब हमारे महंत स्वामी धर्म नंदन दास ने आदेश दिया किया कि हम झारखंड के रांची राजधानी पहुंच कर इस प्रारूप का अवलोकन करें। हम सात स्वामी संतो के संग पंडाल का अवलोकन करने के लिए रांची पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि रांची में गुजराती समाज के लोगों से संपर्क कर हम सभी आनंदित हो गए। वहीं सभी स्वामी संतों का समिति की ओर से अंगवस्त्र देकर और माला पहना कर सम्मानित किया गया। संतो ने सभी सदस्यों बीच अंगवस्त्र देकर अभिवादन किया और भुज मंदिर से लाये प्रसाद का वितरण किया। इधर,जिला स्कुल पूजा पंडाल में सुबह से ही भक्तों की भीड़ पहुंची जो देर शाम तक उमड़ती रही। लोग पूजा पंडाल के साथ मां दुर्गा के भव्य रूप का दर्शन कर अभिभूत महसूस कर रहे हैं। साथ ही जिला स्कूल परिसर में लगे मेला का लोग भ्रमण कर रहे हैं। इस अवसर पर अशोक चौधरी, कुणाल अजमानी, निर्मल जालान, विकास सिंह, प्रमोद सारस्वत, दीपक चौधरी, आनंद माणिक, अनिल चौधरी, मनीष लोधा, अरुण गोयनका, अमित चौधरी, बादल सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बोकारो स्टील प्लांट में बड़ा हादसा, 3 मजदूर झुलसे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के बोकारो स्टील प्लांट में रविवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया। प्लांट के स्टील मेल्टिंग शॉप-2 (एसएमएस-2) में करीब 3 बजे क्रेन का रोप टूटने से लेडल अनियंत्रित हो गया और उसमें भरा हॉट मेटल छलककर जमीन पर फैल गया। अचानक उठी भयंकर आग की लपटों में तीन मजदूर झुलस गए। सभी घायलों को गंभीर हालत में बोकारो जनरल हॉस्पिटल (बीजीएच) में भर्ती कराया गया है। घायलों में ब्रजेश माथा की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है, जबकि प्रवीण और ओम प्रकाश की स्थिति फिलहाल स्थिर बनी हुई है। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया। आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। सूत्रों के अनुसार, हॉट मेटल जमीन पर जम जाने से पूरे क्षेत्र को सील कर दिया गया है और उत्पादन पूरी तरह ठप है। प्रबंधन ने कहा है कि जमे हुए हॉट मेटल को काटकर हटाने के बाद ही मरम्मत कार्य शुरू किया जाएगा। उत्पादन को जल्द से जल्द बहाल करने पर जोर दिया जा रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही उच्चाधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए और स्थिति का जायजा लिया। गौरतलब है कि इससे पहले 29 अगस्त को भी बीएसपी के ब्लास्ट फर्नेस में हादसा हुआ था, जिसमें हॉट मेटल की चपेट में आने से ठेका मजदूर विनय कुमार यादव की मौत हो गई थी। उस हादसे के बाद उच्च प्रबंधन ने दो जीएम को निलंबित किया था, जिन्हें जांच पूरी होने पर बहाल कर दिया गया था। अब महज एक माह बाद एसएमएस-2 में फिर ऐसा बड़ा हादसा हो गया है, जिससे श्रमिकों में गहरी चिंता व्याप्त है।

नयावन पंचायत के बाबुग्राम में पांच सौ साल पुराना है दुर्गा पुजा का इतिहास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चंदनकियारी प्रखंड की नयावन पंचायत के बाबुग्राम में दुर्गा पूजा का इतिहास पांच सौ साल पुराना है। यहां अभी भी काशीपुर पंचकोट स्टेट के राजा के वंशज ही पूजा करते आ रहे हैं। बताया जाता है कि कुंवर लक्ष्यण शेखर बाबू यहां शिकार खेलने के लिए आते थे। वह क्षेत्र घने जंगलों से घिरा हुआ था। शिकार करने के लिए कुंवर बाबू लक्ष्मण शेखर बाबु जंगलमें ही टेंड बना कर रहने लगे। चूंकि शिकार करना उनका शौक था। इस कारण वह काफी दिनों यहां रह गये और फिर यहीं बस गये। इसके बाद लोगों को बसाने लगे। इसी कारण इस गांव का नाम बाबूग्राम पड़ गया। उन्होंने ने ही वहां पर मूर्ति स्थापित कर दुर्गा पूजा की शुरूआत की थी। आज भी यहां राजशाही तरीके से पूजा होती है। कुंवर के वंशज ही अभी भी पूंजा करते हैं। मंदिर में परंपरा के अनुसार एक ही पटरा में मां दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी, गणेश, कार्तिक, जया, बिजया, सिंह महिषासुर की मुर्ति का बाटबिनोर के मुतीकार दलगोबिंददास वैष्णव द्वारा आकर्षक मुर्ति का निर्माण किया गया है। मंदिर को भव्य सजावट किया गया है। यहाँ बलि प्रथा है। 28 सितंबर से मंदिर में पुजा शुरू हो गया है। पुजा शुरू होते ही बाब ग्राम, नयावन, पर्वतपुर, चंदाहा, सियालजोरी, उपर बाधा सहित आसपास के दर्जनों गांव भक्ति मय हो गया। रहा पर मेला भी लगता है।बेलवृक्ष पर मां दुर्गा की पूजा अर्चना कर ढाक बजाकर मंदिर में प्रतिमा की स्थापना की जाती है इसके बाद षष्टी से दशमी तक नियमित पूजा अर्चना, संध्या आरती की जायेगी और प्रसाद वितरण किया जायेगा।

दुगार्पुर पंचायत में अर्धवार्षिक ज्ञान आधारित स्टेकहोल्डर मीटिंग का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कसमार : प्रखंड के दुगार्पुर पंचायत भवन में अर्धवार्षिक ज्ञान आधारित स्टेकहोल्डर मीटिंग का आयोजन सहयोगिनी संस्था के द्वारा किया गया। बैठक में पंचायत जनप्रतिनिधि, मुखिया, उपमुखिया, वार्ड सदस्य, सेविका-सहिया, महिला समूह की दीदियाँ एवं अभिभावक शामिल हुए। मीटिंग की अध्यक्षता दुगार्पुर पंचायत के मुखिया अमरेश कुमार महतो उर्फ अमरलाल जी ने की। उन्होंने कहा कि किशोरियों और महिलाओं को अपने हक और अधिकार के लिए आगे आना होगा। किशोरावस्था लड़कियों के जीवन का सबसे अहम समय है, जहाँ से वे अपने भविष्य और करियर को बेहतर दिशा दे सकती हैं। इस मीटिंग में किशोरियों और महिलाओं से जुड़े मुद्दों जैसे घरेलू हिंसा, मानव तस्करी, बाल विवाह की रोकथाम एवं उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने पर विस्तृत चर्चा की गई। हितधारकों ने आपसी समन्वय के साथ अधिक से अधिक परिवारों तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने का संकल्प लिया।उपमुखिया पंचानन महतो ने कहा कि सभी हितधारक मिलकर पंचायत की किशोरियों और महिलाओं के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। सहयोगिनी संस्था के समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि संस्था प्रखंड के 30 गाँवों में किशोरियों व युवा महिलाओं की नेतृत्व क्षमता विकसित करने पर काम कर रही है। उन्हें सावित्रीबाई फूले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना, कन्यादान योजना, स्कॉलरशिप, साइकिल योजना, स्वरोजगार योजना एवं कौशल विकास योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। जीवन कौशल प्रशिक्षण से किशोरियों में संचार कौशल, निर्णय लेने की क्षमता और समस्या समाधान की योग्यता विकसित की जा रही है। एनिमेटर बिनीता देवी ने कहा कि समूह बनाकर किशोरियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने और हिंसा की रोकथाम की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

पीवीएसएस डीएवी पब्लिक स्कूल के छात्रों का केटीपीएस शैक्षिक दौरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : पीवीएसएस डीएवी पब्लिक स्कूल झुमरी तिलैया कोडरमा के कक्षा 11वीं और 12वीं के छात्रों ने केटीपीएस में औद्योगिक प्रबंधन का एक अनूठा शैक्षणिक अनुभव प्राप्त करने के उद्देश्य से कोडरमा थर्मल पावर स्टेशन , डीवीसी, कोडरमा, झारखंड का शैक्षिक दौरा किया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य एक प्रमुख विद्युत संयंत्र के औद्योगिक प्रबंधन प्रथाओं और उसके संचालन को करीब से समझना था। छात्रों को पावर स्टेशन के विभिन्न विभागों का दौरा कराया गया, जहाँ उन्हें बिजली उत्पादन की जटिल प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने कोयले तथा शौर्य ऊर्जा से बिजली बनने तक की पूरी प्रक्रिया को देखा, जिसमें बॉयलर, टरबाइन तथा जनरेटर जैसे महत्वपूर्ण खंड शामिल थे। डीजीएम आलोक कुमार के संपूर्ण मार्गदर्शन में परियोजना प्रमुख और अन्य अधिकारियों के साथ बातचीत के माध्यम से, छात्रों ने परिचालन पहलुओं को समझा, जिसमें शामिल हैं -विद्युत उत्पादन प्रक्रिया , तापीय विद्युत कैसे उत्पन्न की जाती है, इसका अवलोकन। प्रशासनिक और पदानुक्रमिक संरचना, संगठनात्मक ढाँचे और निर्णय की प्रक्रिया, वित्तीय, उत्पादन, विपणन प्रबंधन, औद्यौगिक प्रबंधन तथा प्रबंधन अवधारणाओं का अनुप्रयोग। अधिकारियों ने छात्रों को पर्यावरण सुरक्षा के लिए अपनाई जाने वाली नवीनतम तकनीकों और ऊर्जा दक्षता के महत्त्व के बारे में भी बताया । इस दौरे ने छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ने का अवसर प्रदान किया । छात्रों ने औद्योगिक सुरक्षा मानदंडों, मानव संसाधन प्रबंधन और संयंत्र के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए अपनाई जाने वाली अन्य प्रथाओं के बारे में भी जानकारी ली। विद्यालय के प्राचार्य श्री कृष्ण कुमार सिंह मे इस शैक्षाणिक भ्रमण की सराहना करते हुए कहा कि यह शैक्षिक भ्रमण एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण अनुभव है। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान से परे, वास्तविक औद्योगिक वातावरण और कार्यप्रणाली से परिचित कराना था। छात्रों ने न केवल बिजली उत्पादन की जटिल प्रक्रिया को अपनी आँखों से देखा, बल्कि उन्होंने सुरक्षा उपायों, पर्यावरण प्रबंधन और मानव संसाधन प्रबंधन जैसी महत्त्वपूर्ण औद्योगिक प्रथाओं को भी गहराई से समझा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चंदवारा में विजयादशमी उत्सव पंथ संचलन का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चंदवारा : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चंदवारा इकाई द्वारा दिन रविवार को विजयादशमी उत्सव सह पंथ संचलन कार्यक्रम किया गया। पंथ संचालन चंदवारा चौक से प्रारंभ होकर हनुमान मंदिर मार्ग होते हुए दुर्गा मंदिर तक पहुंचा घोष वादन के साथ स्वयंसेवक पूर्व गणवेश में संचलन गीत गाते हुए कदम से कदम मिलाकर चल रहे थे। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर स्वयं सेवकों के ऊपर पुष्प वृष्टि की गई। विजयादशमी उत्सव पर विभाग कार्यवाहक तारा कांत शुक्ला विभाग सह कार्यवाहक मनोज राणा, प्रांत सेवा प्रमुख ने संयुक्त रूप से मां दुर्गा के समक्ष दीप जलाकर शस्त्र पूजन किया । स्वयं सेवकों को संबोधित करते हुए विभाग कार्यवाहक शुक्ला जी ने कहा कि भारत प्रारंभ से ही विश्व गुरु रहा है। संघ का नित्य शाखा से व्यक्ति निर्माण होता है व्यक्ति से समाज और समाज से स्वच्छ राष्ट्र का निर्माण होता है ' देश पर जब-जब संकट आया है स्वयं सेवकों ने बढ़-चढ़कर समाज सेवा की है । संघ वर्ष में 6 उत्सव मनाते आ रहा है जिसमें शारदीय नवरात्र में मां आदिशक्ति का आह्वान और शस्त्र पूजन किया जाता है। जो शक्ति की अधिष्ठात्री मानी जाती है। संघ का उद्देश्य भारत वर्ष को पुनः परम वैभव पर ले जाना है। 27 सितंबर 1925 विजय दशमी को संघ की स्थापना डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में की थी। संघ इस वर्ष विजयदशमी को अपना स्थापना का 100 वर्ष पूर्ण करने जा रहा है। संघ शताब्दी वर्ष पर पंच परिवर्तन की थीम पर पांच प्रमुख क्षेत्र पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, आत्मनिर्भरता परिवार, सशक्तिकरण, और नागरिक उत्तरदायित्व, पर विशेष ध्यान दिया जाएगा ।

प्रधानमंत्री की 'मन की बात' का 126वां एपिसोड केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी के आवास पर सुना गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मासिक संवाद श्रृंखला "मन की बात" का 126वां एपिसोड रविवार को केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी के चाराडीह स्थित आवास पर सैकड़ों कार्यकताओं के साथ सुना गया।
अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने नवरात्रि पर नारी शक्ति को बधाई दी और कहा कि देश की बेटियां हर क्षेत्र में परचम लहरा रही हैं। उन्होंने स्व. लता मंगेशकर और शहीद भगत सिंह की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि इनके जीवन से देश को प्रेरणा मिलती है। साथ ही प्रधानमंत्री ने भारतीय नौसेना की "नाविक सागर परिक्रमा" जैसी पहलों को प्रेरणादायक बताते हुए कमांडर रूपा और दिलाना की उपलब्धियों का विशेष उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि छठ महापर्व अब वैश्विक उत्सव का रूप ले चुका है। उन्होंने गांधी जयंती (2 अक्टूबर) पर खादी और स्वदेशी वस्तुओं की खरीद करने की अपील करते हुए कहा कि यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने पर उन्होंने विजयादशमी के पथ संचलन की परंपरा को राष्ट्रभक्ति और सेवा का प्रतीक बताया।
इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा–
"प्रधानमंत्री मोदी जी का ह्यमन की बात' कार्यक्रम हमें निरंतर समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य पथ पर प्रेरित करता है। नारी शक्ति का सम्मान और स्वदेशी को बढ़ावा हर भारतीय को आत्मनिर्भर भारत निर्माण का सहभागी बनाता है।" भाजपा जिला अध्यक्ष अनुप जोशी ने कहा कि "मन की बात केवल संवाद नहीं, बल्कि जन-जन से जुड़ने का अभियान है। यह कार्यक्रम प्रत्येक कार्यकर्ता को सकारात्मक सोच और राष्ट्रहित के कार्यों के लिए प्रेरित करता है। और पूरे राष्ट्र कि संस्कृति का एक बोध कराता है । कार्यक्रम में चन्द्रशेखर जोशी, मनोज साव, रामदेव मोदी, रामचन्द्र राम, केदार यादव, सुनील पंडित, नरेन्द्र पाल, अजीत चन्द्रवंशी, राम पुनीत, विरेन्द्र यादव, ब्रह्मदेव यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एक नजर

दुर्ग पूजा को शांतिपूर्ण बनाने को लेकर पुलिस प्रशासन ने किया फ्लैग मार्च

चंदवारा : दुर्गा पूजा महोत्सव को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। इसी कड़ी में रविवार को पुलिस अधिकारियों ने विभिन्न पूजा पंडालों का निरीक्षण किया और फ्लैग मार्च निकालकर शांति व सुरक्षा का संदेश दिया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व इंस्पेक्टर सुजीत कुमार, ने किया। इस दौरान उनके साथ सीओ अशोक कुमार भारती, थाना प्रभारी प्रेम कुमार, सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद थे। अधिकारियों ने डैम बाजार चरकी पहरी सहित कई प्रमुख इलाकों में स्थित पूजा पंडालों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पुलिस प्रशासन ने पंडाल समिति के पदाधिकारियों से मुलाकात की और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जानकारी ली। अधिकारियों ने समिति के सदस्यों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि दुर्गा पूजा सामूहिक आस्था और सामाजिक सौहार्द का पर्व है, इसे मिल-जुलकर मनाना हम सबकी जिम्मेदारी है। मौके पर ए स आई सुखदेव मुर्मू, रंजीत झा, पूर्व मुखिया धीरज कुमार, सहित कई जवान मौजूद थे।

जिला सदर अस्पताल में नवजात शिशुओं को उपहार वितरण

बोकारो : प्रश्रय सेवा संगठन, बोकारो की केन्द्रीय अध्यक्ष पुष्पा मिश्रा के सौजन्य से बोकारो जिला सदर अस्पताल में सभी नवजात शिशुओं को उपहार स्वरूप शिशु वस्त्र एवं जननी माता को फल वितरण कार्य सम्पूर्ण किया गया। इस पावन अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ अस्पताल के उपाधिक्षक डॉ एन पी सिंह के करकमलों से किया गया साथ ही डॉ सौरभ, प्रबंधन के श्री पवन श्रीवास्तव, श्री संतोष एवं तमाम उपस्थित नर्स, वार्ड कर्मी ने सफल सहयोग किया। इसके सफलता के लिए संगठन ने अस्पताल पदाधिकारी व प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया, वहीं उपाधिक्षक डॉ एन पी सिंह ने कहा कि, सदर अस्पताल में अधिकतर जरूरतमंद लोग आते हैं और प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सम्मानित होने पर उनके मुँह पर छाई खुशी दिल को शुकुन देती है, समाज के लोगों को भी इस प्रकार से समाज में योगदान करनी चाहिए। संगठन सदस्यों ने सभी शिशु वार्ड में भर्ती, नवजात व चिकित्सारत शिशु एवं जननी माताओं को उपहार भेंट कीये । इस कार्यक्रम में प्र०से० संगठन के केन्द्रीय अध्यक्ष, पुष्पा मिश्रा, कार्यकारी अध्यक्ष देव कुमार त्रिवेदी, जिला कार्यसमिति के मनिष श्रीवास्तव, सुशील सिन्हा, मंजु सिंह, प्रतिभा सिन्हा, आकाश सिंह, अवधेश सिंह, सरीता श्रीवास्तव, सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बकरी बाजार से बाइक चोरी

बोकारो: सिटी थाना क्षेत्र के भारत पेट्रोल पंप के बगल स्थित बकरी बाजार से रविवार को बाइक चोरी हो गई है। करमाटांड़ घाघरा, थाना जयपुर, पुरुलिया जिला के रहने वाले सपन गोप ने सिटी थाना में बाइक चोरी होने का आवेदन दिया है । अपने आवेदन में उन्होंने लिखा है कि वह बकरा खरीदने के लिए बोकारो आए हुए थे और अपनी बाइक को भारत पैट्रोलियम के पास पार्किंग किया था। जब वापस गए तो बाइक वहां नहीं मिली। उनकी हीरो स्प्लेंडर काले रंग की बाइक का नंबर जेएच 09 ए /पी 1214 है।

संक्षिप्त खबरें

भूतपूर्व मुखिया सह राजद नेता का 21वां पुण्यतिथि मनाया गया

मरकच्चो : प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मुर्कमनाय पंचायत के भूतपूर्व मुखिया सह राजद नेता स्व खूबलाल सिंह यादव का 21वां पुण्यति रविवार को पंचायत के नौका आहार स्थित स्थानीय मुक्तिधाम में उनके परिजन समेत राष्ट्रीय जनतादल के दर्जनों नेताओं और कार्यकताओं के द्वारा उनके चित्र पर फूल-माला अर्पित कर 21वां पुण्यतिथि मनाई गई। जहां कार्यक्रम मे बडे पैमाने पर मुख्य रुप से अतिथि हुए शामिल। मौके पर पंचायत समिति सदस्य सहदेव यादव, समाज सेवी मदन यादव, यमुना यादव, उदय यादव, शिक्षक रामेश्वर सिंह यादव,संजीव यादव, भागीरथ यादव, बालेश्वर यादव, इन्द्रदेव यादव, सुरेन्द्र यादव, सूरज यादव, राजकुमार यादव, नरेश यादव, नितीश कुमार समेत दर्जनों राजद नेता व कार्यकताओं ने उक्त स्थल पर उपस्थित होकर उनके चित्र पर फूल-माला अर्पित करने के पश्चात दो मिनट का मौन धारण कर उनके आत्मा के शांति और सदगति की कामनाएं किए। इस मौके पर अतिथियों ने संयुक्त रुप से बताया की स्व खूबलाल सिंह यादव जी अपने जीवनकाल में 35 वर्षों तक क्षेत्र के मुखिया पद का कार्यभार सम्भालते हुवे राष्ट्रीय जनतादल पार्टि के निभ को मजबूती के साथ मरकच्चो क्षेत्र समेत अपने पुश्तैनी ग्रामीण क्षेत्र मुर्कमनाय पंचायत क्षेत्र के एलावे अन्य पंचायतों को सवांरने मे बहुमूल्य समय देकर कार्य किए। जहां आज भी राष्ट्रीय जनतादल के लोग उनके बताए हुए मार्गदर्शनों पर चलरहे हैं। और हम सबों को उन्होंने सच्ची राह दिखा कर चले जाना यह गर्व की बात है।

समाज के अंदर सामाजिक समरसता बनाए रखने को लेकर चंद्रवंशी विकास मंच की हुई बैठक

कोडरमा : हिन्दू महापर्व दशहरा, दीपावली एवं छठ पूजा के शुभ अवसर पर समाज के अंदर सामाजिक समरसता बनाए रखने को लेकर चंद्रवंशी विकास मंच कोडरमा जिला कमिटी की विस्तारित बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से मुख्य संरक्षक रामेश्वर राम रवानी, जय प्रकाश राम, उमेश राम, प्रवीण चंद्रा, सीताराम चंद्रवंशी ओम प्रकाश राम, उपेंद्र वर्मा, महेंद्र राम, अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा के राज्य महासचिव चंद्रवंशी राहुल वर्मा , तिलैया से सुधीर चंद्रवंशी, विनोद रवानी पिपचो से सकलदेव राम, मंच अध्यक्ष चंद्रवंशी दीपक कुमार नवीन,सचिव महेश भारती ,कोषाध्यक्ष राजेंद्र वर्मा, उपाध्यक्ष रवि राम, मीडिया प्रभारी दीपक चंद्रवंशी, अरुण राम , रंजीत राम, अजय चंद्रवंशी, मनोज राम, मुकेश राम आदि चंद्रवंशी विकास मंच के तमाम सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में दशहरा पूजा की हार्दिक शुभकामना देते हुए शांति पूर्वक बहुत ही धूम धाम से मनाने, सामाजिक समरसता कायम रखते हुए। पूजा को लेकर जिला प्रशासन के द्वारा जो भी दिशा निर्देश जारी किया गया उसे पूर्ण रूप से लागू करने के साथ ही आम लोगों को भी शांति पूर्ण मनाने का अपील किया।

श्री 108 श्री ग्राम देव्यार्चन अनुष्ठान सह चंडी महायज्ञ को लेकर भव्य कलश यात्रा

जयनगर : प्रखंड के ग्राम सांथ में श्री श्री 108 श्री ग्राम देव्यार्चन अनुष्ठान सह चंडी महायज्ञ को लेकर भव्य कलश यात्रा निकाली गयी। कलश यात्रा का उद्घाटन विधायक अमित कुमार यादव ने फीता काटकर किया। कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने बराकर नदी उतरवाहिनी से कलश में जल भरा और भगवान के जयकारे के साथ वापस लौटकर कलशों को यज्ञ मंडप में स्थापित किया। इस दौरान विधायक श्री यादव ने कहा कि इस प्रकार धार्मिक अनुष्ठानों से आसूरी शक्तियों का नाश होता है और सामाजिक समरसता बढ़ती है। पूजा अर्चना आचार्य बसंत शास्त्री जी महाराज व उपाचार्य विष्णुकांत पांडेय करा रहे हैं। जबकि पुरोहित अशोक पांडेय हैं। कलश यात्रा में जिप उपाध्यक्ष निर्मला देवी, जिप सदस्य प्रतिनिधि देवनारायण यादव, मुखिया सह प्रमुख प्रतिनिधि राजकुमार यादव, उप प्रमुख राजनारायण सिंह, पूर्व जिप सदस्य पवन सिंह, समाजसेवी सरयु राम, परमेश्वर राम, सुरेंद्र भाई मोदी, रवि हार्ड वेयर नंदन लाल यादव आदि शामिल थे। यज्ञ को सफल बनाने में अध्यक्ष रामप्रसाद धोबी, सचिव बैजनाथ रजक, मंजु देवी, भातु प्रसाद रजक, उप मुखिया पिंकी कुमारी, कोषाध्यक्ष शिवशंकर राणा, सुधीर कुमार, सुखदेव राम, रंजीत कुशवाहा, सुनील कुमार, गौरव कुमार, शंकर रजक, चंदन राम आदि लगे हैं।

कमलडीह गांव में नकली विदेश शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़

बोकारो : जिले के पिण्ड्राजोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत कमलडीह गांव में नकली विदेशी शराब बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया है। गुप्त सूचना पर चास एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल ने कार्रवाई करते हुए डब्लू साव के घर से शराब बनाने की मशीन, विभिन्न कंपनियों के स्टीकर, केमिकल, खाली बोतलें और कार्टन जब्त किए। इस मामले में फैक्ट्री संचालक डब्लू साव समेत छह आरोपियों की पहचान की गई है। इनमें अंकित सिंह, श्याम कुमार सिंह, अविनाश उर्फ बिट्टू, राहुल मंडल और कुश कुमार शामिल हैं। कई आरोपियों का पहले से आपराधिक इतिहास रहा है और इन पर झारखंड व बिहार में कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने कहा है कि जिले में अवैध शराब कारोबार पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

एक नजर

मंदिरों में मां कात्यायनी पूजा के साथ बेलवरण पूजा संपन्न

सरिया : शक्ति की अधिष्ठात्री देवी मां दुर्गा की पूजा को लेकर हर जगह उत्साह का माहौल है। विभिन्न पूजा पंडालों में नवरात्र के छठे दिन मां दुर्गा के छठे रूप कात्यायनी की पूजा की गई। वहीं शाम को बेलवर्न पूजा कर मां दुर्गा का आह्वान किया गया। इस संबंध में भगला काली मंदिर के पुजारी बाबूलाल पांडे ने बताया कि रविवार को शारदीय नवरात्र का छठा दिन मां भगवती की छठे रूप कात्यानी की विधिवत पूजा की गई। जबकि देर शाम बेलवर्न पूजा भी संपन्न किया गया। उन्होंने बताया कि भक्तों द्वारा मां दुर्गा को बिल्वरन वृक्ष पर उनका आह्वान करके उनकी पूजा आरंभ करने के लिए आमंत्रित करते हैं। यह हमारा महत्वपूर्णअनुष्ठान बिल्वरन पूजा के नाम से ही जाना जाता है। दुर्गा उत्सव के आधिकारिक शुरूआत देवी की उपस्थिति का प्रतीक बिल्वरन वृक्ष की पूजा करके ही किया जाता है जो देवता का हवन करने का एक पवित्र परंपरा युक्त नियंत्रण है। बिल्वरन पूजा दुर्गा पूजा उत्सव के लिए माहौल तैयार भी करता है। यह बिल्वरन पूजा षष्ठी तिथि की शाम को की जाती है। इनकी पूजा करने से देवी का आशीर्वाद लोगों को मिलता है। तथा सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है। बिल्वरन पूजा के दौरान पूजा पंडालों में पारंपरिक वाद्य यंत्र ढोल तथा घंटे की आवाज से क्षेत्र गुंजायमान रहा। वहीं देवी के मंत्रों के साथ क्षेत्र गूंजता रहा।

स्वर्णरेखा नदी में डूबे वृद्ध का शव बरामद

पूर्वी सिंहभूम : मानगो थाना क्षेत्र के वर्कर्स कॉलेज स्थित स्वर्ण रेखा नदी घाट पर नहाने दौरान बहे वृद्ध का शव खोजबीन के बाद रविवार को गौड़ बस्ती के पास तैरता हुआ मिला। मृतक की पहचान कदमा रामजनम नगर निवासी 72 वर्षीय जी. नंदन सिंह के रूप में हुई है, जो टाटा मुख्य अस्पताल से सेवानिवृत्त थे। गौरतलब हो कि शनिवार को नंदन सिंह स्वर्णरेखा नदी में स्नान करने पहुंचे थे। इसी दौरान नदी के तेज बहाव में बह गए। स्थानीय लोगों ने घाट के किनारे उनका वॉकर और जूते पड़े देखे तो घटना की सूचना पुलिस को दी। इसके बाद गोताखोरों की मदद से देर शाम तक तलाशी अभियान चलाया गया, लेकिन वृद्ध का पता नहीं चल सका। रविवार सुबह गौड़ बस्ती के पास तैरता शव दिखा, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बताया जा रहा है कि मृतक का कुछ माह पहले ऑपरेशन हुआ था और वे इलाज के लिए नियमित रूप से टाटा मुख्य अस्पताल जाया करते थे। उनके निधन से इलाके में शोक की लहर है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच जारी है।

अवैध अंग्रेजी शराब बरामद, पांच गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू के हुसैनाबाद पुलिस ने शनिवार देर रात अवैध अंग्रेजी शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 314 बोतल शराब के साथ पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपित हरियाणा से शराब लाकर बिहार में ऊंचे दाम पर बेचने का कारोबार करते थे। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी हुसैनाबाद एस. मोहम्मद याकूब को गुप्त सूचना मिली थी कि दो चारपहिया वाहन में शराब लोड कर तस्कर पायल मैरेज हॉल में ठहरे हुए हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने छापेमारी कर मारुति स्विफ्ट और क्रेटा कार से शराब बरामद की। बरामद बोतलों पर फॉर सेल इन हरियाणा वोनली अंकित है। गिरफ्तार तस्करों में पटना, मोतिहारी, पाकुड़ और उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ के रहने वाले रघुवीर कुमार, शुभम चौबे, निर्मल कुमार भारती, शिवम कुमार उर्फ मेंटल और आशीष पाल शामिल हैं। इनमें से कई पहले भी हत्या, आर्म्स एक्ट और अवैध शराब बिक्री जैसे मामलों में जेल जा चुके हैं। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे पिछले छह माह से हरियाणा के फरीदाबाद से शराब मंगाकर पटना में बिड्छु सिंह उर्फ अजय कुमार को आपूर्ति करते थे। पुलिस ने वाहनों के अलावा 07 मोबाइल और अतिरिक्त नंबर प्लेट भी जब्त किया है। इस संबंध में रविवार को हुसैनाबाद थाना (कांड संख्या 219/25) दर्ज कर सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया। पुलिस अधीक्षक ने इसकी पुष्टि करते हुए इस कार्रवाई को बड़ी सफलता बताया है।

सरिया में नाबालिग आदिवासी छात्रा के साथ दुष्कर्म कर हत्या का आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : सरिया प्रखंड क्षेत्र के एक आदिवासी गांव की 15 वर्षीय नाबालिग छात्रा का दुष्कर्म कर हत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक छात्रा का शव रविवार की दोपहर को बराकर नदी में शव को तैरता हुआ देखा गया। जिसके बाद स्वजनों के द्वारा शव को बाहर निकाला गया। घटना के बाद ग्रामीणों में घटना के प्रति आक्रोश था। घटना की सूचना पाकर एसडीपीओ धनंजय राम,सरिया पुलिस बगोदर विधायक नागेन्द्र महतो, पूर्व विधायक विनोद सिंह भी घटना स्थल पर पहुंचे और घटना की जानकारी लेकर प्रशासन से पूरे मामले का उद्वेदन कर सभी दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग किया। वही पुलिस ने तत्काल इस घटना का आरोपी को बिरनी थाना क्षेत्र के कुसमय से गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं दूसरी ओर गांव की इस घटना को लेकर मृतक के स्वजनों के द्वारा बताया गया कि शनिवार की दोपहर लगभग 12:00 बजे नाबालिक 15 वर्षीय आदिवासी छात्रा अपने माता-पिता को घर के बगल ही बराकर नदी में स्नान करने की बात कह कर निकली थी। इसके बाद उनके माता-पिता साप्ताहिक हाट बाजार करने के लिए निकल गई। बाजार से लौट के बाद भी घर में अपनी बच्ची को न पाकर उसकी खोजबीन जारी हुआ लेकिन नदी किनारे गायब छात्रा का कपड़ा मिला। लेकिन बेटी कहीं नजर नहीं आई अगले दिन रविवार की सुबह बराकर नदी के ही कुछ दूरी पर गए छात्रा का शव तैरता हुआ देखा गया। इसके बाद नदी से शब को बाहर निकाला गया एवं घटनास्थल से प्राप्त कुछ साक्ष्य व प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार बिरनी थाना क्षेत्र के कुसुमय गांव के गुलाम मेरुद्दीन पर दुष्कर्म कर हत्या का आरोप लगाया गया। जिस पर एसडीपीओ के नेतृत्व में आरोपी को भरकट्टा ओपी प्रभारी के द्वारा उसके गांव से ही हिरासत में लेकर सरिया थाना ले आई थी।

आरवाई ए के युवा हुंकार मार्च:भगत सिंह जयंती पर लोकतंत्र बचाओ का संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : शहीद-ए-आजम भगत सिंह की 118वीं जयंती के अवसर पर रिवोल्यूशनरी युथ एसोसिएशन के देशव्यापी आह्वान पर सरिया में युवा हुंकार मार्च निकाला गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व गिरीडीह जिला अध्यक्ष कामेश्वर यादव ने किया, जिसमें युवाओं ने भगत सिंह के आदर्शों को याद करते हुए लोकतंत्र, संविधान और नागरिक अधिकारों की रक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष कॉमरेड संदीप जायसवाल और आर वाई ए राष्ट्रीय परिषद् सदस्य कॉमरेड सोनू पाण्डेय उपस्थित थे। युवा साथियों और पार्टी कार्यकताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिससे मार्च की गरिमा और बढ़ गई। उद्घाटन शहीद भगत सिंह की स्मृति में एक मिनट का मौन रखकर किया गया। इसके बाद उपस्थितजनो ने पुष्पांजलि अर्पित कर क्रांतिकारियों एवं सभी शहीदों को श्रद्धांजलि दी। विशेष रूप से बगोदर के अलगडीह निवासी वीर सपूत, सशस्त्र सीमा बल के जवान धर्मेंद्र कुमार को याद किया गया, जिनकी शहादत पर जनों ने जोरदार जयकारे लगाते हुए नारा लगाया- धर्मेंद्र कुमार अमर रहें। मुख्य अतिथि संदीप जायसवाल ने युवा हुंकार मार्च को संबोधित करते हुए कहा कि देश की वर्तमान स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने चेतावनी दी कि नागरिकों के मतदान के अधिकार और लोकतांत्रिक संस्थाएं असमर्थ खतरे में हैं। बिहार में हुई घटनाओं का उदाहरण देते हुए उन्होंने झारखंड के युवाओं को आगाह किया कि इन खतरों के खिलाफ जागरूक और संगठित होना होगा। जायसवाल ने उपस्थित युवाओं से अपील की कि भगत सिंह के आदर्शों पर खरा उतरते हुए नागरिक अधिकारों, संविधान और भाईचारे की रक्षा के लिए कटिबद्ध रहें। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने जोरदार नारे लगाए, जिनमें प्रमुख थे- नागरिकों के मतदान के अधिकार पर हमला बंद करो।, ₹देश की आजादी, लोकतंत्र, संविधान और भाईचारे पर हमले बंद करो। संयोजक कामेश्वर यादव ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में राजनीतिक जागरण और संगठन क्षमता को मजबूत करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि फअ स्थानीय, जिला और राज्य स्तर पर

हैदरनगर देवी धाम शक्ति पीठ मेला को लेकर स्पेशल ट्रेन शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू जिले के चर्चित हैदरनगर देवी धाम शक्ति पीठ में आयोजित शारदीय नवरात्रि मेला के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए रेल प्रशासन ने मेला स्पेशल ट्रेन का परिचालन रविवार से शुरू करा दिया है। दोपहर डेढ़ बजे निर्धारित समय पर ट्रेन हैदरनगर रेलवे स्टेशन पर पहुंची। उल्लेखनीय है कि झारखंड रेल यूजर्स एसोसिएशन ने 16 सितम्बर को मंडल रेल प्रबंधन, पंडित दीनदयाल उपाध्याय को पत्र लिख कर वस्तु स्थिति से अवगत कराया था। उल्लेख किया गया था कि ह्वहैदरनगर नवरात्रि मेले में प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालु विभिन्न राज्यों से दर्शन और पूजन के लिए आते हैं। इस दौरान हैदरनगर रेलवे स्टेशन पर अत्यधिक भीड़ एकत्रित होती है, जिससे यात्रियों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेला स्पेशल एवं अतिरिक्त ट्रेन की व्यवस्था की जानी आवश्यक है। रेल मंडल डीडीयू ने इस मांग पर संज्ञान लेते हुए गढ़वा रोड से डेहरी ऑन सोन के बीच नई स्पेशल ट्रेन परिचालन शुरू करा दिया। यह ट्रेन 2 अक्टूबर तक चलाई जाएगी। हैदरनगर देवी धाम शक्ति पीठ, जिसे राज्य सरकार ने राजकीय पर्यटन स्थल के रूप में मान्यता दी है। 1887 से लगातार चैत्र और शारदीय नवरात्रि में मेलों का आयोजन होता है। झारखंड के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पश्चिम बंगाल सहित देशभर से श्रद्धालु यहां दर्शन और पूजन के लिए पहुंचते हैं।

बुद्धा पब्लिक स्कूल में गरबा और डांडिया कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत शनिवार के दिन बुद्धा पब्लिक स्कूल के प्रांगण में विद्यार्थियों के द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गरबा और डांडिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 1 से कक्षा 10 तक के सभी छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक परिधान के साथ भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत से पहले विद्यालय के निदेशक रणधीर कौशिक ने मां दुर्गा की तस्वीर के सामने द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की।इस कार्यक्रम में सभी छात्र और छात्राओं ने अपने-अपने ढंग से गरबा डांडिया नृत्य की प्रस्तुति दी। स्कूल के बच्चों ने डांडिया नृत्य करके सब का मन मोह लिया।उपस्थित लोग बच्चों के डांडिया नृत्य कार्यक्रम देख कर भाव विभोर हो गए।विद्यालय के सभी कर्मचारियों ने भी गरबा डांडिया कार्यक्रम में भाग लिया और सभी ने सामूहिक रूप से अपनी प्रस्तुति दी। गरबा डांडिया कार्यक्रम में मुख्य रूप से विद्यालय के प्राचार्य वी सुधीर राव,शिक्षक नकुल बड़ाईक, जितेंद्र महतो, सुमंत कुमार, राहुल भद्रा, लंकेश्वर, विपुल रॉय एवं शिक्षिकाएं प्रिया दुबे, अंजली कुमारी, प्रतिमा देवी, सुषमा सिंह, समिता कुमारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मुगमा में हुआ भू-धसान, एक दुकान जमींदोज

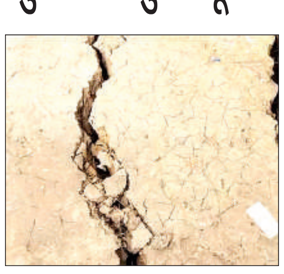

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : धनबाद जिला में जमकर हो रही कोयले के अवैध उत्खनन के कारण भू-धसान और चाल धसने की घटना आमबात होती जा रही है। वहीं, इन घटनाओं में न सिर्फ लोगों के घरबार छीन रहे हैं, बल्कि इंसान अपनी जान भी गवा रहें हैं। ताजा मामला निरसा का है। जहां रविवार को मुगमा स्टेशन रोड स्थित इंदिरा नगर में तेज आवाज के साथ जमीन फट गई। जिसकी चपेट में आकर एक दुकान क्षतिग्रस्त हो गया है। बताया जा रहा है कि मनीष नामक एक युवक अपना और अपने परिवार के जीवन यापन के लिए यहां चाट-पकौड़े की दुकान चलाया करता था। शनिवार रात वो दुकान बंद कर सोने अपने घर चला गया था, लेकिन जब सुबह पहुंचा तो उसकी पूरी दुकान जमीन में समा चुकी थी। गनीमत रही कि उस वक्त दुकान में कोई नही था। वरना बड़ी घटना घट सकती थी। बताया जा रहा है दुकान के ठीक पीछे ही कोयले का अवैध उत्खनन का कार्य चल रहा था। इससे आसपास की जमीन खोखली हो गई थी। यही कारण रही कि अचानक आज यहां जमीन फट गई। उल्लेखनीय है कि गत शनिवार मुगमा क्षेत्र के ही चापापुर में अवैध उत्खनन के दौरान चाल गिरने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। कोयले के अवैध उत्खनन के दौरान मारे गए युवक की पहचान पास के ही गोपालगंज गांव निवासी गोस्वामी के रूप में हुई, जबकि अवैध उत्खनन में घायल धीवर नामक युवक अस्पताल में इलाजरत है। वहीं, इस संबंध में निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने बताया कि इसमें कोई दो राय नही है कि धनबाद में अवैध उत्खनन चल रहा है।

संघ के शताब्दी वर्ष पर शस्त्र पूजन और पथ संचलन हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : खूंटी नगर क्षेत्र में रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने महादेव बस्ती में संघ के शताब्दी वर्ष सह शस्त्र पूजन का भव्य आयोजन किया । इस वर्ष दो अक्टूबर विजयदशमी के दिन संघ का शताब्दी वर्ष पूर्ण हो रहा है। इस उपलक्ष्य में संघ के स्वयंसेवकों के साथ-साथ समाज के विभिन्न लोगों ने भी पथ संचलन में भाग लिया। पथ संचलन खूंटी क्लब से होते हुए भगत सिंह, चौक, नेताजी चौक और कर्रा रोड होते हुए महादेव मंडा में संपन्न हुआ। इसके बाद इस स्थल पर शस्त्र पूजन और शताब्दी वर्ष का विजय दशमी उत्सव मनाया गया। उत्सव में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य अजय कुमार का उद्बोधन हुआ। पथ संचलन में पूर्ण गणवेश में 250 से अधिक स्वयंसेवको ने संचलन किया। अजय कुमार ने संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में संघ की अब तक की यात्रा एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा संघ के सौ वर्ष पूरे हो रहे हैं इन 100 वर्षों में संघ ने पूरे समाज में एक बदलाव लाने का बहुत बड़ा प्रयास किया है एवं अपना विश्वास स्थापित किया है। फिर भी संघ, समाज में समरसता का भाव कैसे जागृत हो, समाज सुखी संपन्न कैसे हो, वसुधा का कल्याण कैसे हो, इसके लिए संघ, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, नागरिक कर्तव्य, स्व का बोध, पर्यावरण इन्हीं पंच परिवर्तन पर छोटे-छोटे स्तर पर काम कर रहा है। जिससे कि भारत के सभ्यता संस्कृति का संरक्षण कर भारत को पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित किया जा सके। आने वाले समय में राष्ट्र के सामने बहुत सारी चुनौतियां हैं, जिसके लिए स्वयंसेवकों को अधिक कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने संघ के ऊपर समाज के विश्वास के बारे में भी बताया। इस अवसर पर झारखंड प्रांत के सहकार्यवाह मोहन कच्छप, जिला संघ चालक महादेव मुंडा, सह जिला संघचालक सुरेश मिश्रा, सह विभाग कार्यवाह शशि पांडेय, पूर्व मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा, पूर्व विधायक कोचे मुंडा, नारायण संगा, जितेंद्र कश्यप, पुष्पराज तिवारी, रोशन ठाकुर, सुलक कुमार, जिला संपर्क प्रमुख अश्विनी मिश्रा, गुड्डू मिश्र, राम अवतार सिंह, प्रचार प्रमुख तिलक सिंह, अनिल सिंह, सुनील साहू सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

नाइजर में अपहृत बगोदर के पांच श्रमिकों का अब तक कोई सुराग नहीं

सरिया : पश्चिम अफ्रीकी देश नाइजर से 25 अप्रैल 2025 को अपहृत बगोदर के पांच श्रमिकों का पांच माह बाद भी कोई सुराग नहीं लग सका है। इस घटना ने गिरीडीह जिले के बगोदर थाना क्षेत्र के दोंदलो और मुंडरो पंचायतों के परिवारों को गहरी निराशा में डुबो दिया है। दुर्गा पूजा के इस खुशी के मौके पर जहां पूरा इलाका उत्सव की तैयारी में लगा है, वहीं इन परिवारों के घरों में उदासी का माहौल है। अपहृत श्रमिकों के परिजन राज्य सरकार से लेकर केंद्र सरकार तक गुहार लगा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आ रही। घटना की जानकारी देते हुए स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता सिकंदर अली ने बताया कि कल्पतरु पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड कंपनी के कैंप पर 25 अप्रैल को सशस्त्र अपराधियों ने हमला कर दिया था। इस हमले में 12 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई, जबकि बगोदर के संजय महतो, चंद्रिका महतो, राजू महतो, फलजीत महतो और मुंडरो के उत्तम महतो को अगवा कर लिया गया। ये सभी मजदूर जनवरी 2024 से नाइजर में कंपनी के प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे। अली ने कहा, श्पांच माह बीत चुके हैं, लेकिन मजदूरों का कुछ पता नहीं चला। आखिर उनका क्या हुआ, यह तो सरकार को बताना चाहिए। इन परिवारों को उचित सहयोग भी नहीं मिल पा रहा। ऐसी स्थिति में सरकार से अपील है कि सभी मजदूरों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करें और परिवारों को आर्थिक मदद प्रदान करें। अपहृत मजदूरों के परिवारों ने पिछले पांच महीनों में जिला अधिकारी, विधायक, सांसद, मंत्री और यहां तक कि राज्यपाल से भी मुलाकात कर रिहाई की गुहार लगाई है। पूर्व बगोदर विधायक विनोद कुमार सिंह ने परिवारों से मिलकर आश्वासन दिया था कि उनकी सुरक्षित वापसी के लिए प्रयास जारी हैं।

रेलवे ने चलाया सघन टिकट चेकिंग अभियान, 634 यात्री पकड़े गए, 2.58 लाख जुर्माना वसूला

सरिया : धनबाद रेल मंडल में यात्रियों को नियमों के पालन के प्रति जागरूक करने और राजस्व सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बड़े पैमाने पर टिकट जांच अभियान चलाया गया। उक्त जानकारी वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक शनिवार, 27 सितम्बर को धनबाद, गोमो जंक्शन,पारसनाथ, हजारीबाग रोड,कोडरमा समेत पूरे मंडल के सभी स्टेशनों व विभिन्न ट्रेनों में दिन–रात चलाए गए इस विशेष अभियान में 634 यात्रियों को पकड़ा गया। पकड़े गए यात्रियों में बिना टिकट यात्रा करने वाले, बिना उचित प्राधिकार यात्रा करने वाले तथा बिना बुक किए गए सामान के साथ सफर कर रहे यात्री शामिल थे। इनसे कुल ?2,58,655 बतौर जुमार्ना वसूला गया। साथ ही उन्हें भविष्य में उचित टिकट लेकर ही यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई। चेकिंग टीमों ने न सिर्फ प्रमुख स्टेशनों पर बल्कि मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में भी जांच की गयी । टिकट चेकिंग के दौरान अनारक्षित टिकट काउंटरों पर यात्रियों की लंबी कतारें देखी गईं।धनबाद मंडल, पूर्व मध्य रेल ने यात्रियों से अपील की है कि वे हमेशा मान्य टिकट लेकर ही प्लेटफॉर्म पर प्रवेश करें और जिस श्रेणी का टिकट हो, उसी श्रेणी में यात्रा करें।

डीएवी पब्लिक स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

सिल्ली : मुरी डीएवी विद्यालय में विकसित भारत के रंग, कला के संग्ह्न विषय पर सांसद चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कक्षा 6 से 11 तक के छात्रों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और अपने चित्रों में चंद्रयान–3, डिजिटल इंडिया, स्वदेशी, शिक्षा, कृषि विकास, स्मार्ट सिटी जैसे विषयों को अभिव्यक्त किया। प्रतियोगिता के बाद विद्यार्थियों के लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन पर आधारित फिल्म की स्क्रीनिंग भी की गई। बच्चों ने फिल्म से नेतृत्व, कठिन परिश्रम और देश सेवा के प्रेरणादायी संदेश ग्रहण किए। विद्यालय के शिक्षकों ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं और फिल्म प्रदर्शन विद्यार्थियों को न केवल रचनात्मकता की ओर प्रेरित करते हैं, बल्कि उन्हें राष्ट्र निर्माण के प्रति भी जागरूक बनाते हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पुर्णिमा सिंहदेव,भेगंराज प्रसाद तथा राजेन्द्र साईं थे। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी की कल्पनाशक्ति और ऊर्जा ही भारत को विश्व गुरु बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।विद्यालय की प्राचार्या बी.शरण ने अपने संदेश में कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ छात्रों की प्रतिभा को निखारने के साथ–साथ उन्हें विकसित भारत के सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करती हैं।

तिलैया डैम में बिना रजिस्ट्रेशन के 200 से अधिक कोचिंग सेंटर एवं हॉस्टल संचालित

चंदवारा : प्रखंड के तिलैया डैम में बिना रजिस्ट्रेशन के 200 से अधिक कोंचिग सेंटर एवं हॉस्टल संचालित किए जा रहे हैं। ऐसे में सभी कोचिंग सेंटर संचालकों को बहुत ही जल्द झटका लग सकता है। इसके लिए उपयुक्त कार्यालय कोडरमा ने डाटा तैयार कर कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। तिलैया डैम में बहुत से कोचिंग सेंटरों एवं हॉस्टल और आवासीय विद्यालय का संचालन हो रहा है, जिनमें से ज्यादातर सेंटरों का रजिस्ट्रेशन ही नहीं हुआ है। इसके बावजूद जिले के सभी हिस्सों में धड़ल्ले से कोचिंग सेंटरों का संचालन देखा जा सकता है। चंदवारा प्रखंड के तिलैया डैम में संचालित होने वाले कोचिंग सेंटरों की जल्द ही जांच होने वाली है। इसके लिए उपयुक्त कार्यालय कोडरमा ने डाटा भी तैयार करवा रहा है। जिले में संचलित कोचिंग सेंटर के रजिस्ट्रेशन, सुविधाओं, कोचिंग सेंटर में पढ़ा रहे शिक्षकों की योग्यता और इसके साथ ही कोचिंग सेंटर द्वारा चार्ज किए जाने वाले फीस को लेकर जांच पड़ताल की जाएगी।

'आई लव मोहम्मद' विवाद के निहितार्थ

उत्तर प्रदेश और देश के कई हिस्सों में पिछले दिनों अचानक भड़के 'आई लव मोहम्मद' विवाद ने पूरे समाज को हिला दिया है।

कानपुर से शुरू होकर यह आग बरेली, मऊ, उन्नाव, बाराबंकी, कौशांबी, लखनऊ, महाराजगंज और कई जिलों में फैल गई। देखते ही देखते यह मामला उत्तराखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और बिहार तक पहुंच गया। एक पोस्टर और कुछ नारेबाजी से शुरू हुआ यह विवाद अब एक गहरे सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक विमर्श का विषय बन चुका है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि यह आंदोलन केवल मजहबी श्रद्धा और मोहब्बत का इजहार था तो फिर इसमें हिंसा क्यों हुई? सरकारी संपत्ति क्यों जलाई गई और खासतौर पर हिंदू व्यापारियों की दुकानों और प्रतिष्ठानों को ही क्यों निशाना बनाया गया? घटनाक्रम की शुरूआत कानपुर से हुई जब 4 सितंबर 2025 को बारावफात के जुलूस में मुस्लिम युवकों ने 'आई लव मोहम्मद' लिखे पोस्टर और बैनर लगाए। पुलिस ने इन्हें हटाया और नौ युवकों पर मुकदमा दर्ज कर दिया। प्रशासन का कहना था कि यह कदम संभावित विवाद को रोकने के लिए उठाया गया। लेकिन उसी शाम से विरोध के स्वर तेज होने लगे। अगले दिन 5 सितंबर को कानपुर की सड़कों पर प्रदर्शन शुरू हो गया, ट्रैफिक बाधित हुआ, बाजार बंद होने लगे और तनाव बढ़ता गया। बरेली में जुमे की नमाज के बाद मस्जिद के बाहर भारी संख्या में लोग जमा हुए और पुलिस से झड़प हुई। पथराव और लाठीचार्ज की घटनाएं हुईं। कई दुकानें क्षतिग्रस्त हुईं और बाजारों में अफरातफरी फैल गई। मऊ में तो हालात और बिगड़ गए। वहां जुमे की नमाज के बाद उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव किया, कई थानों पर हमला किया और आंसू गैस तथा लाठीचार्ज के बावजूद देर रात तक हालात काबू में नहीं आए। स्थानीय दुकानदारों को दुकानें बंद रखने से भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों उन्नाव, कौशांबी, बाराबंकी और महाराजगंज में भी इसी तरह की घटनाएँ देखने को मिलीं। हिंसक भीड़ ने सरकारी वाहनों और सार्वजनिक संपत्तियों को क्षति पहुँचाई। खासतौर पर पुलिस चौकियों और हिंदू व्यापारियों की दुकानों को निशाना बनाया गया। प्रशासनिक रिपोर्टों के अनुसार यह हिंसा आकस्मिक नहीं, बल्कि योजनाबद्ध थी। दंगाइयों ने जिन इलाकों को निशाना बनाया वहाँ पहले से पहचान कर रखी गई दुकानों और प्रतिष्ठानों पर हमला किया गया। यही कारण है कि इस विवाद को केवल धार्मिक आस्था की लड़ाई नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे राजनीतिक और कट्टरपंथी संगठनों की साजि?श की तरह देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि कानून-व्यवस्था पर सख्त नियंत्रण रखने वाली रही है और इस बार भी उन्होंने वही किया जो किसी जिम्मेदार मुख्यमंत्री को करना चाहिए। दंगाइयों पर पुलिस की लाठियां बरसीं। पर सवाल यह उठता है कि समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन जैसे नेता इस सख्ती पर ऐतराज क्यों कर रहे हैं और क्यों सरकार को तानाशाह कहकर जनता को भड़काने की कोशिश की जा रही है। इकरा हसन का यह आरोप है कि भाजपा सरकार को न तो संविधान का पता है और न ही नागरिक अधिकारों का। योगी सरकार को जनता मिट्टी में मिला देगी। उनका तर्क था कि अगर कोई अपने पैगंबर के प्रति मोहब्बत जाहिर करता है तो उसमें क्या आपत्ति है? दुनिया भर में मोहम्मद पैगंबर के चाहने वाले लोग हैं और वे ऐसे फरमानों से रुकने वाले नहीं। विपक्षी दलों ने कहा कि सरकार अल्पसंख्यकों को दबा रही है। किंतु जनता के मन में सवाल यही है कि अगर सरकार सख्ती न करती तो क्या दंगे और ज्यादा न फैलते। क्या प्रशासन का हाथ पर हाथ धरे बैठना सही होता? फिर सवाल यह भी है कि अगर यह केवल श्रद्धा का मामला था तो फिर हिंसा क्यों फैलाई गई? आज कानपुर और बरेली से शुरू हुआ यह विवाद देश के अन्य राज्यों तक पहुंच चुका है। उत्तराखंड के काशीपुर में 23 सितंबर को जुलूस के दौरान पुलिस से झड़प हुई और उपद्रवियों ने वाहनों को क्षतिग्रस्त किया। महाराष्ट्र के नागपुर में मस्जिदों पर पोस्टर लगाए गए और तनाव बढ़ा। कर्नाटक के दावणगेरे में दो समुदायों के बीच झड़प हुई। बिहार के अररिया जिले में भी जुलूस निकाले गए और तनावपूर्ण स्थिति बनी रही।

सूडोकु नवताल- 7567

★★★★☆ मध्यम

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7566 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

भय से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करतीं कालरात्रि माता की आराधना

विजय केसरी

मनुष्य के हर प्रकार के भय से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती हैं, कालरात्रि मंत्र की आराधना। देवी पुराण के अनुसार शारदीय नवरात्र के सातवें दिन माता कालरात्रि की उपासना का विधान है। मां कालरात्रि के नाम से इसलिए जानी जाती हैं कि मां बिल्कुल सघन रात्रि की कालिमा के समान अपनी किया का रंग रखी हैं। ब्रह्मांड के समान माता कालरात्रि की तीन नेत्र सदा खुली रहती हैं। माता कालरात्रि के तीनों नेत्र राक्षसों को देख रही होती हैं। उनके नेत्रों से निकलने वाली ज्वाला से दैत्य - राक्षस सभी भस्म होते चले जाते हैं जा माता का स्वरूप इतना भयंकर प्रतीत होता है कि राक्षस - दैत्य उनके इस रूप को देखकर ही भाग खड़े होते हैं। वही दूसरी ओर माता कालरात्रि अपने भक्तों के लिए उतने ही शुभकारी देवी हैं। इसलिए माता को शुभंकरी माता के नाम से भी जाना जाता है। माता कालरात्रि की उपासना से अग्नि भय, जल भय, जंतु भय, शत्रु भय, रात्रि भय आदि कभी नहीं होते हैं । माता की कृपा से इनके उपासक सभी प्रकार के भय से मुक्त हो जाते हैं।

कालरात्रि माता के इस स्वरूप के दर्शन से भक्तों के सभी प्रकार के कष्ट दूर हो जाते हैं। माता का यह स्वरूप भक्तों के लिए बहुत ही शुभकारी व मंगलकारी है। जो भी भक्त पवित्र व सच्चे मन से माता कालरात्रि का नाम लेकर किसी कार्य को प्रारंभ करते हैं, तो उनका कार्य निर्विघ्न संपन्न हो जाता है। आगे उसके कार्य में कोई बाधा उत्पन्न नहीं होता है। वह माता कालरात्रि की कृपा से अपने कार्य में आगे बढ़ता ही चला जाता है। अगर कोई शत्रु उसके कार्य में बाधा पहुंचाने की कोशिश करता है, तो उल्टे शत्रु का ही नाश हो जाता है। माता कालरात्रि के स्मरण मात्र से मनुष्य के अंदर विद्यमान सभी तरह के भय दूर हो जाते हैं। जो साधक नियम पूर्वक पवित्र मन से माता कालरात्रि की उपासना करते हैं। उसे कभी भी मृत्यु भय, अग्नि भय, जंतु भय, शत्रु भय, रात्रि भय आदि सता ही नहीं सकता है। ऐसे भक्तों के शरीर के चारों ओर अदृश्य रूप से माता कवच बन कर रक्षा करती रहती हैं।

कालरात्रि माता गधा पर सवार होकर दैत्य और राक्षसों का नाश बहुत ही तेजी के साथ करती चली जा रही होती हैं। माता जिस गदहा पर सवार होकर रणभूमि में महिषासुर के राक्षसों का नाश कर रही होती हैं, वह गदहा करोड़ों घोड़ों के बल से भी अधिक बलशाली है। वह गदहा हवा की गति से भी तेज दौड़ता हुआ रणभूमि पर अपने पैरों से दैत्यों और राक्षसों का नाश करता हुआ आगे बढ़ता चला जा रहा होता है। शारदीय नवरात्र के सातवें दिन युद्ध भूमि राक्षसों और दैत्यों के खून से भर चुका होता है। चहुंओर दैत्यों और राक्षसों के खून ही खून नजर आ रहे होते हैं । इसके बावजूद राक्षस हार मानने के लिए तैयार नहीं हो रहे होते हैं। कालरात्रि माता द्वारा शुंभ, निशुंभ और रक्तबीज जैसे बलशाली राक्षसों को कुचल दिए जाने के बावजूद महिषासुर पीछे हटने को तैयार नहीं हो रहा होता है। इसलिए युद्ध भूमि में माता ने इतना भयंकर रूप बनाया था।

कालरात्रि माता अपने चार भुजाओं के साथ युद्ध भूमि पर युद्ध रत हैं। मां की काया से विद्युत के समान चमकीली किरणें निःसृत होती रहती है। इनकी नासिका के श्वास -प्रश्वास से अग्नि की भयंकर ज्वालाएं निकलती रहती हैं। इनके तीनों नेत्र ब्रह्मांड के समान गोल चौबीसों घंटे खुली रहती हैं। उनके नेत्रों से जो ज्वाला धधक रही होती हैं,उस धधकती ज्वाला से राक्षसों और दैत्यों का नाश भी होता चला जा रहा होता है। माता चारभुजा धारी हैं । ऊपर उठे हुए दाहिने हाथ की वर मुद्रा से सभी को वरदान प्रदान करती हैं । दाहिनी तरफ का नीचे वाला हाथ अभय मुद्रा में है। बाएं तरफ के ऊपर वाले हाथ में लोहे का कांटा तथा नीचे वाले हाथ में कटार है सुशोभित हो रहा होता है। कालरात्रि माता के घने काले बाल माता को और भी भयंकर बना दे रहे हैं। कालरात्रि माता वज्र का आभूषण धरण की हुई होती हैं।

शारदीय नवरात्र के सातवें दिन देवी उपासकों को बहुत ही पवित्र मन से मां की उपासना करनी चाहिए। इस दिन साधक का मन सहस्त्रार चक्र में स्थित होता है। ऐसी स्थिति में साधकों के लिए ब्रह्मांड की समस्त सिद्धियों के द्वार खुलने लगते हैं। इस चक्र में स्थित साधक का मन पूर्णतः माता कालरात्रि के स्वरूप में अवस्थित होता चला जाता है। माता कालरात्रि के साक्षात्कार से मिलने वाले पुण्य का साधक भाग हो जाता है। मां के साक्षात्कार से मिलने वाले पुण्य का वह भागी हो जाता है। भक्त के समस्त पापों और विघ्नों का नाश हो जाता हैं। भक्तों को अक्षय पुण्य लोगों की प्राप्ति होती है। कालरात्रि माता के साधकों को शुभंकारी देवी के इस स्वरूप से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। थोड़ी सी शक्ति, धन और यश प्राप्त कर लेने के बाद व्यक्ति में अहंकार समाहित हो जाता है। यह मनुष्य की सबसे बड़ी भूल होती है। हर मनुष्य को इस भूल से बचना चाहिए। माता चाहती तो रणभूमि में किसी घोड़े पर सवार होकर युद्ध रत होती, लेकिन उन्होंने पशुओं में नीचा समझा जाने वाला गधा की सवारी को स्वीकार किया। यह इस बात को दर्शाता है कि कदापि किसी भी जीव को छोटा अथवा बड़ा नहीं समझना चाहिए। बल्कि सभी को समान दृष्टि से देखना चाहिए। हर एक मनुष्य को अहंकार और छुआछूत से बचना चाहिए। ये वृत्तियां ही उन्हें दैत्य व राक्षस के रूप में तब्दील कर देती हैं।

माता कालरात्रि के स्वरूप विग्रह को अपने हृदय में अवस्थित करके साधकों को एकनिष्ठ भाव से उनकी उपासना करनी चाहिए। माता कालरात्रि का स्वरूप देखने में जितना भयानक है, माता अपने भक्तों के लिए उतने ही दयालु, कृपालु और शुभकारी हैं। माता कालरात्रि रणभूमि में रहकर भी अपने दोनों हाथों से भक्तों को अभय और विभिन्न प्रकार के वरदान देने के लिए आतुर दिखाई पड़ती हैं। इसलिए व्यक्ति को जब धन, बल, पद और यश आदि प्राप्त होते हैं, तो इन प्राप्त शक्तियों को जनकल्याण में लगाना चाहिए। ये शक्तियां मां की कृपा से ही प्राप्त हुई होती हैं।

हर साधक को यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि मनुष्य जैसा कर्म करता है, उसी रूप में उनका जन्म होता है। शास्त्रों का कथन है कि चौरासी लाख योनियों में सबसे श्रेष्ठ योनी मनुष्य योनि है। इसलिए हर एक मनुष्य को यह विचार करना चाहिए कि अपने पूर्व जन्म के अच्छे कर्म के कारण ही उसका जन्म मनुष्य योनि में हुआ है। इसलिए यह जो जन्म मनुष्य के रूप में उसे प्राप्त हुआ है, अच्छे कर्म और माता की भक्ति कर सदा सदा के लिए मां के श्री चरणों में समाहित हो जाए। माता काल रात्रि सदैव शुभ फल देने वाली होती है। माता कालरात्रि के इस स्वरूप को देखकर भक्तों को तनिक भी भयभीत और आतंकित होने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि अपने खुले नेत्रों से कुछ मिनटों तक माता को ध्यान से देखें। कुछ ही पलों में ध्यान मां पर लग जाएगा। तब आपको एक प्रकार की अनुभूति होगी। खुद को पूर्व से ज्यादा तरोताजा और बलशाली महसूस करेगें। माता कालरात्रि के इस विग्रह स्वरूप को अपने हृदय में अवस्थित कर साधकों को एकनिष्ठ भाव से उनकी उपासना करनी चाहिए। यम, नियम, संयम का पूर्ण पालन करना चाहिए। साथ ही मन, वचन, काया की पवित्रता भी रखनी चाहिए। कालरात्रि माता शुभकारी देवी हैं। उनकी उपासना से होने वाले शुभ की गणना नहीं की जा सकती है। हमें निरंतर उनका ध्यान और पूजन करना चाहिए। नवरात्र के नौ दिन हम सबों के लिए एक वरदान के रूप में आते हैं। इस अवसर पर हर भक्तों को अपने अंदर छुपे बुराइयों को त्यागने का संकल्प लेना चाहिए। सच्चे अर्थों में यही नवरात्र है।

भारत को नहीं ढोना चाहिए जाति व्यवस्था का मलबा

हृदयनारायण दीक्षित

भारतीय समाज में जाति है। जाति आधारित मान, अपमान और विशेष अवसर भी हैं। हमारे पूर्वज जातिगत भेदभाव को समाप्त करना चाहते थे। गांधी, डॉ. अम्बेडकर, डॉ. हेडगेवार, डॉ. लोहिया, ज्योतिबा फुले और विवेकानंद दयानंद ने भी जाति भेद के विरोध में नवजागरण किया। एक सुंदर जातिविहीन समाज भारत का स्वप्न आदर्श था। डॉक्टर लोहिया ने जाति तोड़ो का नारा दिया था। अन्य दल संगठन भी जातियों के विरोध में मैदान में रहे। अनेक संगठन जाति के खात्मे पर संघर्षरत रहे हैं लेकिन कोई मुहिम सफल नहीं हुई। जाति कितनी खत्म हुई, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जातिवाद से लड़ते जाति तत्वों का स्वरूप जातिवादी बनता गया। जाति के विरोधी ईमानदार तत्व भी जानते हैं कि जाति की चर्चा से जातिवाद बढ़ता है। तो क्या जाति अजर और अमर है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने नाम के साथ जाति लिखने का नियम बदल दिया है। यह निर्णय इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक आदेश के अनुसार जारी किया गया है। कुछ दिन पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सरकार को आदेश दिए थे कि पुलिस रिकार्ड व सार्वजनिक स्थलों पर लोगों के नाम के साथ जाति के उल्लेख पर रोक लगाई जाए। देश के सभी राज्यों में जातिवाद चल रहा है। जाति जन्मना है। धर्म, मत, मजहब छोड़े जा सकते हैं लेकिन जाति नहीं। राजनीति में जाति ही मुख्य कारक है। दल संगठन अपने उम्मीदवार उतारते समय जाति के आंकड़ों का अध्ययन करते हैं। संगठन के पदाधिकारियों की सूची बनाते समय भी जाति का प्रभाव रहता है। गांव, कस्बों के बाजारों में, चाय आदि की दुकानों में भी जाति तत्व दिखता है। लोग अपनी जाति के दुकानदार से उपभोक्ता सामान लेने में सुविधा अनुभव करते हैं। समाज की नस-नस में जातिवाद है।

भारत में जातियां सामाजिक यथार्थ हैं। वे न होतीं तो अच्छा होता। जातियां सामाजिक एकता में बाधक हैं। जाति सामाजिक सच्चाई है। जातियां जन्मना हैं। कोई भी व्यक्ति स्वयं अपनी जाति नहीं चुन सकता। इनका ढांचा सोपान क्रम में है। इसके शीर्ष वाली जातियों का सम्मान रहा है। सीढ़ी में निचली जातियां काफी लम्बे समय से सामाजिक सम्मान से भी वंचित रही हैं। डॉ. अम्बेडकर ने कोलम्बिया विश्वविद्यालय (1916) में 'जातियों की उत्पत्ति और संरचना' पर शोध प्रस्तुत किया था। उन्होंने कहा था 'प्रत्येक समाज में भिन्न-भिन्न वर्ग होते हैं। बौद्धिक आर्थिक या अन्य कारणों से बने वर्ग अपना अस्तित्व भी रखते हैं। भारत में भी ऐसे ही वर्ग रहे होंगे। पुरानी भारतीय वर्ण व्यवस्था को कर्मश्रम आधारित वर्ग कहा जा सकता है। पहले वर्ण जन्मना नहीं थे। ऋग्वेद में वर्ण नहीं हैं। उत्तर वैदिक काल में वर्ण शब्द का प्रयोग वर्ग के अर्थ में हुआ है। एक वर्ग का दूसरे वर्ग में जाना संभव था। वर्ग भी जन्मना नहीं होते। डॉ. अम्बेडकर ने कहा कि, 'किसी समय किसी एक वर्ग वर्ण ने अपने ही वर्ण वर्ग में विवाह करने का बंधन लगाया होगा।' वे कहते हैं जाति के उद्भव के अध्ययन से हमें इस प्रश्न का उत्तर मिलना चाहिए कि वह वर्ग कौन-सा था जिसने अपने लिए बाड़ा खड़ा किया। मैं इसका प्रत्यक्ष नहीं अप्रत्यक्ष उत्तर ही दे सकता हूँ। हिन्दू समाज में कुछ प्रथाएं सर्वव्यापी थीं। अपने समस्त प्रतिबंधों के साथ वे ब्राह्मणों में थीं। ब्राह्मण वर्ग ने स्वयं की घेराबंदी जाति रूप में क्यों की? यह एक भिन्न प्रश्न है?' प्रश्न उचित है। ऋग्वेद के रचनाकाल में जाति वर्ण के विभाजन नहीं थे। उत्तर वैदिक काल में वर्ण हैं। वर्ण जन्मना नहीं थे इसलिए जाति नहीं थी। जाति की जन्मतिथि खोजना असंभव है। जाति बंधन मजबूत है। जाति का कोई व्यक्ति या संगठन जाति का जन्मदाता नहीं हो सकता।

ब्राह्मणों पर जाति प्रथा लागू करने के आरोप अक्सर लगाए जाते हैं। डॉ. अम्बेडकर ने इसी शोध में कहा था, 'जाति व्यवस्था का प्रसार और विकास एक विशाल कार्य था। ब्राह्मण अनेक गल्तियां करने के दोषी रहे हों, कह सकता हूं कि वे ऐसे थे लेकिन जाति व्यवस्था को गैर ब्राह्मणों पर लाद सकने की क्षमता उनमें नहीं थी।' सही बात है। कोई शक्तिशाली राजव्यवस्था या तानाशाह भी अपने शासित लोगों के बड़े वर्ग समूह को जन्मना किसी जाति में ही रहने के लिए विवश नहीं कर सकते। जाति का उद्भव पूर्वजों के अचेत कर्म का परिणाम है। सामाजिक परिवर्तन की निरंतरता में जन्मना जातियां बनी। लेकिन हमारे सचेत पूर्वजों ने जाति समाप्ति के लिए अथक श्रम तप भी किये। इस श्रम के बावजूद कतिपय लोगों ने दलित जातियों को जब कब भिन्न नस्ल भी बताया।

डरबन में अगस्त 2001 में 'नस्लवाद, नस्ली भेदभाव और असहिष्णुता' पर विश्व कांग्रेस का आयोजन था। भारत के कुछेक लोगों ने उस वक्त दलितों को अलग नस्ल बताया था लेकिन डॉ. अम्बेडकर ने दलितों को कभी भी अलग नस्ल नहीं माना था। उन्हें उम्मीद थी कि जातियां खत्म ही होंगी। लिखा था 'जाति का चलते रहना असंभव है। ऐसा कार्य दिक्कतों से भरा है।' सामाजिक समता अनिवार्य है। सामाजिक न्याय की दिशा में बेशक भारत का काम आगे बढ़ा है। जाति की अस्मिता ज्यादा दिन नहीं चल सकती है।

राजनीति को सामाजिक परिवर्तन का काम भी करना चाहिए। जाति की विभाजनकारी शक्ति के विरूद्ध जनअभियान चाहिए। संविधान निमार्ताओं ने जाति, लिंग या धर्म के आधार पर विभेद का निषेध किया है बावजूद इसके उत्पीड़न या प्रतिष्ठा जैसे सभी अवसरों पर जाति की पहचान आगे चलती है। अपने जिले या राज्य क्षेत्र में किसी के भी प्रतिष्ठित होते ही जाति के प्रश्न उठ जाते हैं। अनुसूचित या अन्य पिछड़े वर्गों के प्रतिष्ठित होने वाले लोग आशावाद भी जगाते हैं। वे वंचित निराश लोगों की प्रेरणा भी बनते हैं। दलित या अन्य पिछड़ा वर्ग होने के बावजूद कोई प्रतिष्ठा का आकाश छू रहा है तो उसी वर्ग के सामान्यजन भी ऐसा क्यों नहीं कर सकते? भारत को जाति व्यवस्था का मलबा नहीं ढोना चाहिए। मैं अनुसूचित जाति के एक परिवार में मेहमान था। बात 1984 की है। 41 वर्ष पुरानी। मेरा परिचय अनुसूचित जाति के एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी से कराया गया, 'ये दीक्षित जी हैं, लेकिन ब्राह्मण होने के बावजूद अच्छे आदमी हैं।' जातिवादी दिमाग में ऐसी ही खुराफाती बातें चलती हैं।

जाति का कोई औचित्य नहीं है। भारत को जातिभेदविहीन समाज बनाना होगा। 'सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय' भारतीय संविधान की उद्देशिका के मूल तत्व है। राजनैतिक न्याय ने मताधिकार दिया है। सरकारें विधायिका के प्रति जवाबदेह हैं। प्रशासन उत्तरदायी नहीं है। वंचित वर्गो के लिए बहुत सारा नीति निर्माण हुआ है तो भी प्रशासनिक संवेदनहीनता के चलते सामाजिक न्याय दूर है। दार्शनिक क्षेत्र में भारत विश्वप्रतिष्ठ है। यहां कण-कण में परमात्मा की बातें कही जाती हैं लेकिन जन-जन में जाति है और जाति भेद भी है। जाति की चर्चा से बचा नहीं जा सकता। सामाजिक यथार्थ को स्वीकार करना चाहिए। एकात्मवादी विचार आदर्श है। इस विचार के लिए विमर्श भी जरूरी है। परंपरा के साथ वैज्ञानिक दृष्टिकोण और जाति मुक्त चिन्ता के साथ आर्थिक आधार पर समूहों का व्यथा चिन्तन होना चाहिए। जाति अतिक्रमण का यही मार्ग है। यह काम सभी सामाजिक कार्यकताओं, बुद्धिजीवियों और धर्मगुरूओं को भी करना चाहिए।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

दैनिक पंचांग

29 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

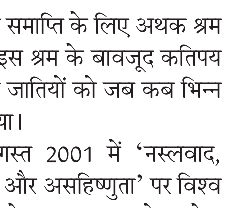

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.14 बजे से
चंद्र	धनु में	वृश्चिक	09.28 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	11.44 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	13.49 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.36 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	17.09 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.39 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.19 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.17 बजे से
राहुकाल	7.30 से 9.00 बजे तक	कर्क	00.31 बजे से
		सिंह	02.47 बजे से
		कन्या	04.59 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 272 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 16.32 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल अहोरात्र।
योग सौभाग्य 01.00 बजे रात्र को समाप्त। **करण** वणिज 16.32 बजे तदनन्तर विष्टि 05.24 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 07.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 02° 26'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872482
जूलियन दिन 2460947.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रबी उस्सानी **तारीख** 06
विशेष सरस्वती आह्वान, नवपत्रिका पूजा।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यायिक प्रशासन प्रतिभाशाली स्नातकों के लिए आकर्षक क्यों नहीं

डॉ. अजय खेमरिया

भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने हाल ही में इस बात पर चिंता जताई है कि एनएलयू (राष्ट्रीय विधि संस्थानों) से निकलने वाले स्नातक निचली अदालतों में जज या वकीलों के रूप में अपना कैरियर शुरू नहीं कर रहे हैं। इन युवाओं की एकमेव प्राथमिकता कारपोरेट क्षेत्र बना हुआ है। इससे न्यायपालिका में गुणवत्ता की कमी निर्मित हो रही है। बेशक यह चिंता जायज है क्योंकि निचली अदालत ही नागरिकों को न्याय सुनिश्चित करने की पहली इकाई हैं। सवाल जितना जायज है कमोबेश न्यायपालिका के लिए भी उतना ही विचारणीय भी। असल में राष्ट्रीय विधि संस्थान देश में एक अभिजन शैक्षणिक संरचना की निर्मिति भी करते हैं। इससे निकलने वाले स्नातक निचली अदालतों के लिए खुद को सहज नहीं पाते हैं यह एक स्वाभाविक मनोवृति है। ध्यान से देखा जाए तो इन संस्थानों का फ्रेमवर्क बना ही इस तरह से है कि कोई स्नातक खुद को चाह कर भी मुख्य न्यायाधीश की चिंताओं के साथ समायोजित नहीं कर पाता है।उसकी शैक्षणिक परवरिश कारपोरेट या उच्च न्यायालयों एवं सर्वोच्च न्यायालय पर ही केंद्रित होकर टिक जाती है। जाहिर है सबको समावेशी न्याय की संवैधानिक गारन्टी तो निचली अदालतों के व्यवहार और कार्यप्रणाली में प्रतिभा और कौशल युक्त व्यवस्था से ही सुनिश्चित होनी है इसलिए वहां इन तत्वों का अभाव आम आदमी को न्याय की गारंटी कैसे सुनिश्चित कर सकता है?

दूसरा कारपोरेट की तुलना में निचली अदालतों की सेवाओं के लिए न बेहतर अवसर उपलब्ध है और न ही कार्य संस्कृति और संसाधन। यह ठीक वैसा ही है जैसे कोई काबिल डॉक्टर मेट्रो शहरों को छोड़कर जिला अस्पतालों या सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रुकना नहीं चाहता है। तथ्य यह है कि निचली अदालतों में सर्वाधिक प्रतिभाशाली विधि स्नातकों के लिए कोई सम्मानजनक अवसर ही नहीं है। इसे समझने के लिए हमें वर्तमान में प्रचलित भर्ती प्रक्रिया की विसंगतियों को देखना चाहिए। सर्वाधिक प्रतिभाशाली विधि स्नातक औसतन 25 साल की आयु में व्यवहार न्यायाधीश के रूप में चयनित होता है और 60 साल तक रिटायर होने तक इस बात की गारंटी नहीं है कि वह जिला जज के रूप में पदोन्नति पा सकता है।

भर्ती प्रक्रिया में यहां भी हाइकोर्ट जैसी बैक डोर एंट्री हैं। 25 साल की आयु वाले प्रतिभाशाली स्नातक सिविल जज के रूप कॅरियर शुरू करते हैं लेकिन जो इस परीक्षा में असफल हो जाते हैं वे वकालत करने लगते हैं। 35 साल तक आते-आते सिविल जज एडीजे भी नहीं बन पाते हैं लेकिन 35 साल बाद उन स्नातकों के लिए सीधे एडीजे बनने के दरवाजे खुले रहते हैं जो सिविल जज नहीं बन पाए थे। सभी हाईकोर्ट सीधे एडीजे की भर्ती वकीलों के माध्यम से करते है नतीजतन जो स्नातक प्रतियोगी परीक्षाओं में बाहर हो गए थे उनमें से बहुत से लोग सीधे एडीजे बनकर उन्ही प्रतिभाशाली स्नातकों के ऊपर आकर न्यायिक अधिकारी बन जाते हैं जिन्हें सिविल जज के रूप में काबिल नहीं पाया गया था। बाद में सीधी भर्ती वाले वकील जिला जज और फिर हाइकोर्ट तक पदोन्नति पाने में सफल रहते हैं।

यही कारण है कि राष्ट्रीय विधि संस्थान से निकलने वाले स्नातकों के लिए निचली अदालतों में सेवाएं आकर्षक नहीं लगती हैं। वकील के रूप में भी एनएलयू स्नातकों के लिए निचली अदालतों के गलियारे आकर्षित नहीं कर पाते हैं क्योंकि यहां कारपोरेट जैसा कोई वातावरण नहीं होता है। नए वकीलों को बैठने के लिए भी जगह नही हैं। यहां का वातावरण किसी सब्जी मंडी के कोलाहल और अव्यवस्था का भान कराता है। इसे प्रत्यक्ष देखना हो तो इलाहाबाद उच्च न्यायालय का दौरा किया जा सकता है जहां सभी वकीलों के लिए कोई सम्मान जनक बैठक व्यवस्था आज तक सुनिश्चित नहीं हो पाई है। इसके अलावा न्यायिक सेवाओं या बड़े लॉ चैम्बर की तरफ से कोई कैम्पस सिलेक्शन जैसी व्यवस्था भी नहीं है।

उच्च न्यायालयों में जजों की नियुक्ति में जिस तरह से कोलेजियम व्यवस्था ने भेदभाव और भाई भतीजावाद कायम कर रखा है उसने भी युवाओं के मन में न्यायिक प्रशासन के प्रति अरुचि स्थापित करने काम किया है। दूसरी तरफ कारपोरेट घराने एक सुविधाजनक कार्य संस्कृति और वातावरण सुनिश्चित कराते हैं। ऊंचा वेतन और मेट्रो शहरों में पदस्थापना कारपोरेट के एकमेव आकर्षण का आधार है। देश में निजी क्षेत्र का बढ़ता कारोबारी दायरा नित नए कानूनी अवसर प्रतिभाशाली स्नातकों को सुनिश्चित कर रहा है लेकिन न्यायपालिका का ढर्रा आज भी उसी अंग्रेजीकाल की गति से चल रहा है इसलिए मुख्य न्यायाधीश की चिंता का समाधान असल में उन्ही के हाथों में छिपा हुआ है। सरकार और सुप्रीम कोर्ट दोनों को मिलकर इस गंभीर चुनौती का समाधान करने का प्रयास करना चाहिए। इसके लिए सबसे पहले निचली अदालतों को प्रतिभाशाली विधि स्नातकों के लिए अखिल भारतीय या राज्य प्रशासनिक सेवाओं की तरह आकर्षक बनाना होगा।

अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के प्रस्ताव को यथा शीघ्र आम सहमति के साथ अमल में लाने की आवश्यकता है। इसके जरिये सीधे एडिशनल जिला जजों की भर्ती सुनिश्चित होगी और साथ ही उच्च न्यायालयों में जजों की भर्ती के लिए इसी संवर्ग से 70 फीसदी पदों का कोटा निर्धारित किया जाना चाहिए। अभी यह बमुश्किल 30 फीसदी ही है इसके कारण भाई भतीजावाद आज भी चरम पर है। यह तथ्य है कि कोई भी बगैर पारिवारिक पृष्ठभूमि के उच्च न्यायालयों में जज के लिए योग्यता के पैमानों पर खरा नहीं उतर पाता है। इससे निबटने का रास्ता न्यायाधीश संवर्ग का कोटा बढ़ाया जाना ही है।

एक नजर

सड़क हादसे में बच्चे की मौत, सड़क जाम

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा-जगन्नाथपुर मुख्य सड़क पर सिंहपोखरिया रेलवे स्टेशन के पास रविवार सुबह सड़क हादसे में 10 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। बताया गया कि बच्चा सुबह टहलने निकला था, तभी एक मालवाहक वाहन ने उसे कुचल दिया। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगा दिया और जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। ग्रामीणों का कहना था कि लगातार हो रही दुर्घटनाओं के बावजूद प्रशासन सड़क सुरक्षा को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। उन्होंने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने की भी मांग की। घटनास्थल पर पहुंचे अंचल अधिकारी उपेंद्र कुमार और मुफस्सिल थाना प्रभारी चंद्रशेखर ने ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे मंत्री के मौके पर आने की मांग पर अड़े रहे। ग्रामीण मुंडा सोना सवैयां ने साफ कहा कि जब तक मंत्री दीपक बिरुवा मौके पर नहीं पहुंचेंगे, तब तक सड़क जाम जारी रहेगा। नारेबाजी के दौरान ग्रामीणों ने टाटा-रुंगटा की दलाली बंद करो, मंत्री दीपक बिरुवा शर्म करो जैसे नारे लगाए। समाचार लिखे जाने तक सड़क पर जाम जारी था और पुलिस ग्रामीणों को समझाने में जुटी थी।

डांडिया नाइट के दौरान गेट पर मारपीट

पलामू : जिला मेदिनीनगर के गांधी मैदान में शनिवार रात आयोजित डांडिया नाइट कार्यक्रम में प्रवेश द्वार पर बाउंसर और पब्लिक के बीच मारपीट हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इस दौरान बाउंसरों ने पब्लिक के साथ हाथापाई की। अचानक हुई घटना से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तुरंत हस्तक्षेप कर बीच-बचाव किया और स्थिति को शांत कराया। लोगों का कहना है कि अगर समय रहते पुलिस ने हस्तक्षेप नहीं किया होता, तो बड़ा हादसा हो सकता था। इस कार्यक्रम में झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, पलामू सांसद विष्णुदयाल राम तथा पांकी विधायक शशिभूषण मेहता, प्रथम महापौर अरुणा शंकर, पलामू चेंबर के अध्यक्ष आनंद शंकर सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे। स्थानीय लोगों का आरोप है कि गेट पर बिना पास प्रवेश दिलाया जा रहा था, जिससे विवाद खड़ा हुआ। वहीं पंडाल में पहले से ही मैदान की क्षमता से अधिक भीड़ मौजूद थी, जिससे हालात और भी खतरनाक हो सकते थे। पुलिस ने सूझबूझ दिखाते हुए स्थिति को नियंत्रित किया और कार्यक्रम को शांति पूर्वक आगे बढ़ाया। उल्लेखनीय है कि डांडिया नाइट में चर्चित सोशल मीडिया कलाकार अंजलि अरोड़ा ने कार्यक्रम प्रस्तुत किया था।

सड़क दुर्घटना में पिता की मौत, पुत्र घायल

दुमका : जिले के दुमका-साहिबगंज मार्ग पर रविवार की सुबह मसलिया थाना क्षेत्र के गोटीडीह मोड़ के पास हुए एक सड़क हादसे में पिता की मौत हो गई । जबकि पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया है। मृतक की पहचान नरेश मरांडी (55) वर्ष के रूप में की गई है। जबकि घायल बेटे का नाम शिवनारायण मरांडी (32) है। घायल को नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक दोनों पिता पुत्र अपने घर से 100 मीटर की दूरी पर सड़क किनारे खेती को लेकर आपस में चर्चा कर रहे थे कि इसी दौरान जामताड़ा की ओर से आ रही सीमेंट लदी एक ट्रक दोनों को रौंदते हुए भाग निकला। इस घटना में पिता नरेश मरांडी की मौके पर मौत हो गई है। इसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया है। पुलिस आक्रोशित लोगों को समझा बुझाकर जाम हटाने का प्रयास कर रही है।

एनआईटी जमशेदपुर में पहली बार भव्य दुर्गा पूजा का आयोजन, पूर्व मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जमशेदपुर के इतिहास में पहली बार कैंपस परिसर में दुर्गा पूजा का आयोजन किया जा रहा है । परंपरा और आधुनिकता के संगम से सजे इस भव्य आयोजन का उद्घाटन में संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी, छात्र-छात्राएँ और उनके परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूजन एवं अनुष्ठान की विधिवत शुरूआत मंत्रोच्चारण और शंखध्वनि के बीच की गई। भजन कार्यक्रम की शुरूआत संस्थान की प्रथम लेडी एवं निदेशक की धर्म पत्नी इंद्राणी सुत्रधर द्वारा मां भगवती के स्तुति अय गिरि नंदनी महिषासुर मरदनी... से प्रारंभ की गई। पूरे कैंपस में उत्सव का वातावरण देखने को

मिला रहा है। पंडाल की भव्य सजावट, माता दुर्गा की आकर्षक प्रतिमा और रंग-बिरंगी रोशनी ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। शुभ महाषष्ठी के अवसर पर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एंव भारत सरकार के केन्द्रीय मंत्रीमण्डल के पूर्व जनजातीय मामलों और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा एंव उनकी धर्म पत्नी सह भाजपा नेत्री मीरा मुंडा द्वारा पुजा पंडाल का उद्घाटन पूरे श्रद्धापूर्वक एंव भक्तिमय माहौल में किया गया।

इस अवसर पर अर्जुन मुंडा ने कहा कि एनआईटी जमशेदपुर में में दुर्गा पूजा का आयोजन देश के विविधता में एकता को दशार्ता है, यह राष्ट्रीय शक्ति के सबल होने और श्रेष्ठ भारत के सामर्थ को दशार्ता है। उन्होने कहा की संस्थान के इतिहास में यह आयोजन एक सांस्कृतिक परंपरा की नई शुरूआत है, उन्होने संस्थान में हो रहे सकारात्मक बदलाव पर भी प्रसन्ता व्यक्त की। भव्य पंडाल और आकर्षक प्रतिमा पूरे कैंपस परिसर में रंगीन विद्युत सज्जा और फूलों से सजे पंडाल ने सभी का मन मोह लिया। माता दुर्गा की प्रतिमा को पारंपरिक बंगाली शैली में स्थापित किया गया, जिसने भक्तों को आध्यात्मिकता और श्रद्धा का अद्भुत अनुभव कराया जा रहा है। पूजा-अर्चना की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार, ढाक की थाप और शंखनाद के साथ हुई है। पुजनोत्सव में संस्थान के सभी वरिष्ठ प्रोफेसर, अधिकारीगण, महिलाऐं और छात्र-छात्राएँ भी पूरी भक्ति भाव से कार्यक्रम में शामिल हैं। एनआईटी जमशेदपुर केवल तकनीकी शिक्षा का केंद्र ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपरा का भी संवाहक इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ) गौतम सूत्रधर ने अपने उद्बोधन में कहा कि एनआईटी जमशेदपुर केवल तकनीकी शिक्षा का केंद्र ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपरा का भी संवाहक है। इस प्रकार का आयोजन संस्थान परिवार में सामूहिकता, भाईचारे और सामाजिक एकता की भावना को और मजबूत करता है। उन्होने कहा की यह आयोजन संस्थान के इतिहास में एक सांस्कृतिक अध्याय जोड़ते हुए पूरे एनआईटी परिवार के लिए गौरव और हर्ष का अवसर बना है। संस्थान में पूरे सप्ताह चलने वाले इस पुजनोत्सव में सप्तमी, अष्टमी ,नवमी और दसमी के दिन विशेष अनुष्ठान, भजन-कीर्तन तथा महाप्रसाद वितरण का कार्यक्रम रखा गया है।

भुरकुंडा पुलिस ने जुआ खेलते सात जुआरियों को किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : भुरकुंडा पुलिस ने बीती रात सौंदा 'डी' पंचायत में छापेमारी कर सात जुआरियों को जुआ खेलते गिरफ्तार किया है। सभी पर प्राथमिकी दर्ज कर रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार सौंदा 'डी' मध्य विद्यालय के निकट शनिवार की रात जुआ का खेल हो रहा था। जिसके संबंध में पुलिस को गुप्त सूचना मिली। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी किया। जिसमें जुआ खेलते सात जुआरी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। जबकि कई अन्य भाग निकलने में सफल रहे। पुलिस ने छानबीन करते हुए तकरीबन 11 हजार रुपए, ताश, दो बाइक और पांच मोबाइल जब्त किया है। गिरफ्तार लोगों में आरपी सिंह, सूरज कुमार, रवि मिंज, मो. इमरान, उदल कुमार, जय चौधरी और नरेश गंझू शामिल हैं। सभी सौंदा 'डी' पंचायत के ही रहनेवाले हैं। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करते हुए सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

बिरसा मुंडा प्रतिमा को असमाजिक तत्वों ने किया क्षतिग्रस्त, आक्रोश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : टेल्को थाना क्षेत्र के सालगाझुड़ी स्थित फ्लाई ऐश पाउंड के पास स्थापित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा, बोर्ड और बैनर शनिवार देर रात असामाजिक तत्वों की ओर से क्षतिग्रस्त कर दिए गए। इस घटना के बाद आदिवासी समाज में भारी आक्रोश फैल गया है। यह प्रतिमा बिरसा मुंडा आदिवासी कल्याण ट्रस्ट, सालगाझुड़ी की ओर से वर्ष 2022 में स्थापित की गई थी और आदिवासी समाज के लिए आस्था का केंद्र बन चुकी थी। आदिवासी सुरक्षा परिषद महानगर के अध्यक्ष एवं ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी राम सिंह मुंडा ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से घटना की जानकारी दी। राम सिंह मुंडा ने बताया कि यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले 18 जनवरी 2025 को आदिवासी

पूजा स्थल पर झंडे और लगभग 100 फलदार पेड़-पौधे नष्ट किए गए थे, जिसका मामला अनुमंडल दंडाधिकारी के न्यायालय में विचाराधीन है। उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक तत्वों को आदिवासी समाज की आस्था के प्रतीकों से आपत्ति है, और इसलिए बार-बार इस तरह के कृत्य किए जा रहे हैं। राम सिंह मुंडा ने इसे आदिवासी भावनाओं को भड़काने की साजिश करार दिया और चेतावनी दी कि यदि जिला प्रशासन इस पर शीघ्र कार्रवाई नहीं करता, तो आदिवासी समाज आंदोलनात्मक कदम उठाने को बाध्य होगा। उन्होंने बताया कि बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण 10 मार्च 2024 को जमशेदपुर सांसद प्रतिनिधि संजीव कुमार, जिला परिषद अध्यक्ष बड़ी मुर्मू, उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा और अन्य जनप्रतिनिधियों की ओर से किया गया था। तब से यह स्थान आदिवासी समाज के लिए सांस्कृतिक आयोजनों और महापुरुषों की जयंती मनाने का केंद्र बन चुका है।

झारखंड के पांच अगवा प्रवासी श्रमिकों का पांच माह बाद भी सुराग नहीं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गिरिडीह : पश्चिम अफ्रीका के देश नाइजर से विगत 25 अप्रैल 2025 को झारखंड बगोदर के अपहृत श्रमिकों का सुराग पांच माह बाद भी नहीं मिल सका है। श्रमिकों का सुराग नहीं मिलने से दुर्गा पूजा के खुशी के मौके पर भी सभी परिवारों में मायूसी है एवं परिजन काफी परेशान हाल है। परिजनों का कहना है कि वे लोग राज्य सरकार से लेकर केंद्र सरकार तक गुहार लगा चुके हैं। इसके अलावा जिला अधिकारी, विधायक, सांसद, मंत्री और राज्यपाल से मिलकर रिहाई के लिए आग्रह चुके है। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने इस मामले को लेकर विदेश मंत्री डॉक्टर एस जयशंकर से मुलाकात कर विशेष ध्यान देने का अनुरोध किया है। लेकिन अबतक सुराग नही मिलने

से सभी काफी चिंतित है। गौरतलब है कि पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजर में 25 अप्रैल 2025 को कल्पतरु ट्रांसमिशन कंपनी के कैंप पर सशस्त्र अपराधियों ने हमला किया था। हमले में 12 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई थी। इसके बाद गिरिडीह जिले के बगोदर थाना क्षेत्र के दोंदलो पंचायत के संजय महतो, चंद्रिका महतो, राजू महतो, फलजीत महतो और मुंडरो के उत्तम महतो को अगवा कर लिया गया था इधर प्रवासी मजदूरों के लिए काम करने वाले सिकन्दर अली का कहना है कि पांच माह बीत जाने के बावजूद अगवा हुए मजदूरों का कुछ भी पता नहीं चल सका है। आखिर उनका क्या हुआ यह तो सरकार को बताना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन परिवार को उचित सहयोग भी नहीं मिल पा रहा है। ऐसी स्थिति में सरकार से अपील है कि सभी मजदूरों की रिहाई करवाई जाए और परिवार वालों को आर्थिक सहयोग कराई जाए।

आरएसएस ने शताब्दी वर्ष पर विजय दशमी उत्सव मनाया

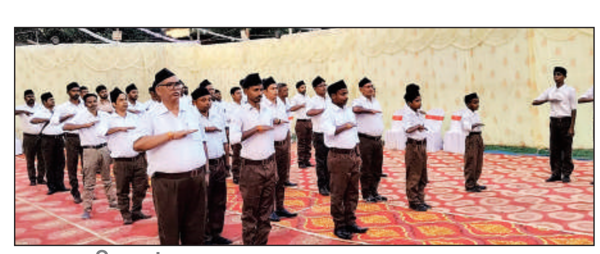

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरकाकाना : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के अवसर पर रविवार, को नय नगर बरकाकाना स्थित निराला संघ मैदान में बिजय दशमी उत्सव मनाया गया। खंड कार्यवाह घनश्याम राणा द्वारा बताया गया कि संघ की स्थापना वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन हुई थी। वर्ष 2025 में संघ अपने 100 वर्ष पूरे कर रहा है। बीते एक शताब्दी से आरएसएस सम्पूर्ण हिन्दू समाज को संगठित कर समाज एवं राष्ट्र निर्माण का कार्य कर रहा है। इस दौरान राष्ट्र प्रथम के मंत्र के साथ समाज के सहयोग से अनेक उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। इस विशेष अवसर पर आयोजित बिजय दशमी उत्सव में स्थानीय कार्यकताओं के साथ बड़ी संख्या में नगरवासी भी शामिल हुए। कार्यक्रम शाम 4 बजे से प्रारंभ हुआ। संघ ने सभी बंधुझभगिनियों से शताब्दी वर्ष का यह उत्सव केवल एक समारोह नहीं, बल्कि समाज में जागरण और परिवर्तन का संदेश लेकर आएगा। इसके साथी रस की पदाधिकारी द्वारा जनमानस में एकता का प्रचार प्रसार करने की भी बात कही गई।

टीएमएच में हृदय रोग विशेषज्ञ ने चेताया : युवा भी 30-40 वर्ष में हो सकते हैं हृदय रोगों के शिकार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : टाटा मुख्य अस्पताल (टीएमएच) के वरिष्ठ इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट और सीनियर कंसल्टेंट, डॉ. तपन कुमार ने रविवार को हृदय रोगों की रोकथाम, समय पर पहचान और अत्याधुनिक उपचार तकनीकों के महत्व को रेखांकित किया है। उन्होंने कहा कि हृदय रोग केवल वृद्धावस्था की समस्या नहीं रह गई है, बल्कि 30 से 40 वर्ष की उम्र के युवा भी अचानक हृदयाघात, हृदय विफलता और अतालता जैसी गंभीर स्थितियों से जूझ रहे हैं। डॉ. कुमार के अनुसार दक्षिण एशियाई जनसंख्या में अन्य क्षेत्रों की तुलना में दिल की बीमारियां लगभग दस साल पहले विकसित हो जाती हैं। इसके मुख्य कारणों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, अस्वास्थ्यकर आहार, शारीरिक निष्क्रियता, तनाव और आनुवंशिक प्रवृत्तियां शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में शुरूआती जांच और इंटरवेंशनल सुविधाओं की कमी इस समस्या को और बढ़ा रही है। उन्होंने सलाह दी कि दक्षिण एशियाई उच्च जोखिम समूह के लोगों को 30 वर्ष की आयु से पहले ही हृदय स्वास्थ्य की नियमित जांच शुरू कर देनी चाहिए। स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर विशेष ध्यान देते हुए उन्होंने कहा कि नियमित शारीरिक गतिविधियों का अभ्यास, पौष्टिक व संतुलित

आहार जिसमें फल, सब्जियां और साबुत अनाज शामिल हों, धूम्रपान और अत्यधिक शराब से बचना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही मानसिक तनाव पर नियंत्रण और पर्याप्त नींद भी अच्छे हृदय स्वास्थ्य के लिए उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। डॉ. कुमार ने चेतावनी दी कि छाती में दर्द, सांस लेने में कठिनाई, धड़कन का अनियमित होना और अचानक अत्यधिक पसीना जैसे संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सीय सलाह लेनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि आधुनिक डिजिटल स्वास्थ्य तकनीकें, जैसे रिमोट मॉनिटरिंग, पहनने योग्य उपकरण और एआई आधारित ईसीजी विश्लेषण, रोग की समय रहते पहचान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने जानकारी दी कि टीएमएच की कार्डियक कैथ लैब ने पिछले दस वर्षों में 20,000 से अधिक हृदय संबंधी प्रक्रियाएं की हैं। पहले जटिल मामलों में मरीजों को अन्य शहरों में इलाज के लिए जाना पड़ता था, लेकिन अब जमशेदपुर में ही इंट्रावेस्कुलर इमेजिंग, रोटेशनल एथेरेक्टोमी, इंट्रावेस्कुलर लिथोट्रिप्सी और बिफर्केशन स्टेंटिंग जैसी अत्याधुनिक उपचार तकनीकें उपलब्ध हैं। डॉ. कुमार के अनुसार सही जीवनशैली, समय पर जांच और आधुनिक चिकित्सा विकल्पों के उपयोग से हृदय रोग की बढ़ती महामारी को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अब मरीजों को अपने ही शहर में विश्वस्तरीय और न्यूनतम आक्रामक हृदय उपचार की सुविधाएं मिल रही हैं, जिससे बेहतर स्वास्थ्य परिणाम और जीवन की गुणवत्ता सुनिश्चित हो रही है।

संक्षिप्त खबरें

ठेला व्यवसायियों के समर्थन में उतरे युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष

सिमडेगा : युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष चन्दन कुमार सिंह शनिवार को शहर के मुख्य मार्ग पर ठेले-खोमचे लगाने वाले छोटे व्यवसायियों से मिले। व्यवसायियों ने बताया कि प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद वे लोग अब मुख्य सड़क और भीड़-भाड़ से दूर एलबर्ट एक्का स्टेडियम के पास बाजारटांड़ मोड़ पर ठेला लगाकर किसी तरह अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। व्यवसायियों का कहना है कि अब नगर प्रशासक ने मौखिक रूप से ठेला हटाने का आदेश दिया है। एक दुकानदार ने कहा, हम रोज जितना कमाते हैं, उसी से घर चलता है। ठेला हटाने के बाद त्योहार मनाना तो दूर, परिवार को खाना खिलाना भी मुश्किल हो जाएगा। स्थिति को समझते हुए जिलाध्यक्ष चन्दन कुमार सिंह ने नगर प्रशासक को पत्र लिखकर गरीब व्यवसायियों को राहत देने की मांग की। उन्होंने कहा कि, अगर कोई गरीब मुख्य सड़क से हटकर फुटपाथ पर मेहनत कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा है, तो प्रशासन को उसे रियायत देनी चाहिए। यह सिर्फ आर्थिक मदद नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय भी है।

सिमडेगा से रुकी 27 बाल विवाह, भारत बना रोल मॉडल

सिमडेगा : भारत में बाल विवाह की दर में भारी गिरावट दर्ज की गई है। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन की रिपोर्ट टिपिंग प्वाइंट टू जीरो के अनुसार लड़कियों के बाल विवाह में 69 प्रतिशत और लड़कों में 72 प्रतिशत कमी आई है। रिपोर्ट बताती है कि एफआईआर व गिरफ्तारियों जैसे कानूनी कदम सबसे प्रभावी साबित हुए हैं। सिमडेगा के छोटानागपुर कल्याण निकेतन ने जिला प्रशासन, पंचायतों और समुदायों के साथ मिलकर पिछले तीन सालों में 27 बाल विवाह रोके हैं। संस्था की निदेशक प्रियंका सिन्हा ने कहा, बाल विवाह के खात्मे के लिए अपने जिले में हम अग्रिम मोर्चे पर हैं और सरकार, प्रशासन व समुदायों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हमारा हर कदम उस भविष्य की ओर ले जाता है जहां हर बच्चे को पढ़ने की सुविधा मिले और वह बड़ा होकर वो बने जो वो बनना चाहता है। यह रिपोर्ट इस बात पर मुहर लगाती है कि शिक्षा, जागरूकता व कानूनी हस्तक्षेप 2030 तक बाल विवाह के खात्मे के लिए सबसे कारगर औजार हैं। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि भारत सरकार के बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को गाँव-गाँव तक पहुँचाने में गैरसरकारी संगठनों की सबसे अहम भूमिका रही है। गरीबी, सुरक्षा और शिक्षा की कमी को बाल विवाह के मुख्य कारण बताया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कानूनी सख्ती, अनिवार्य विवाह पंजीकरण और जागरूकता अभियान जारी रहे तो भारत 2030 तक बाल विवाह मुक्त देश बन सकता है।

बिजली का कार्य नहीं होने से गांव के ग्रामीणों ने बिजली विभाग के प्रति जताई नाराजगी

सिमडेगा : सदर प्रखंड के कुलुकेरा पंचायत अंतर्गत गांव दिया पत्थल बिरहोर टोली, में अभी फिलहाल धरातल में बिजली का कार्य चल रहा है। लेकिन बिजली कर्मी खास दिया पत्थल, पंडरीपानी, अंबाटोली, कादो कोना, इन गांवों में बिजली का कार्य नहीं कर रहे हैं। कुछ दिन पहले इस गांव के ग्रामीण बिजली विभाग को आवेदन दिए थे। उस समय बिजली विभाग के तरफ से कहा गया कि तीन दिन के अंदर आपके यहां बिजली खंभा गिराने और काम शुरू की जाएगी। जब बिजली खंभा गिर गया गांवों में तब बिजली विभाग कर्मी के द्वारा कहा जा रहा है कि इस गांव में बिजली नहीं लगेगा। कितना बार कहा गया बिजली कर्मी को लेकिन नहीं लगा रहे हैं बिजली खंभा तो गांव के अनेक लोग एकजुट होकर सभी कोई काम को बंद किए हैं।

पुंदाग में विजयादशमी पर देवी शक्ति पूजन और 151 तलवारों का होगा वितरण

पुंदाग : श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा 2 अक्टूबर, गुरुवार को विजयादशमी के पावन अवसर पर श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर, पुंदाग में भव्य देवी शक्ति अस्त्र-शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस पावन कार्यक्रम की जानकारी देते हुए ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि 2 अक्टूबर विजयादशमी के दिन अपराह्न-2 बजे मंदिर परिसर में विधिवत वैदिक मंत्रोच्चारण एवं पूजन-अर्चना के साथ शक्ति स्वरूपा देवी मां के विविध अस्त्र-शस्त्रों की आराधना की जाएगी। पूजन उपरांत श्रद्धालुओं को प्रतीकात्मक रूप से 151 तलवारों का वितरण किया जाएगा, जो धर्म, साहस और सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश देगा। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर खिचड़ी भोग महाप्रसाद का भी आयोजन किया गया है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का अनुरोध किया है।

बागबेड़ा में शुरू हुआ विशेष सफाई अभियान दुर्गा पूजा से पहले होगा क्षेत्र स्वच्छ

पूर्वी सिंहभूम : जिले के बागबेड़ा क्षेत्र में सड़क पर जमा कचरा और जलजमाव को देखते हुए जिला प्रशासन ने रविवार को विशेष सफाई अभियान शुरू किया। यह पहल दुर्गा पूजा के शुभारंभ से पहले इलाके को स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से की गई है। भाजपा नेता सुबोधकांत झा ने शनिवार को प्रेस के माध्यम से बताया था कि स्टेशन से बड़ौदा घाट तक जाने वाली मुख्य सड़क, रामनगर हनुमान मंदिर होते हुए बागबेड़ा कॉलोनी और दुर्गा पूजा पंडाल क्षेत्रों में बड़े गड्ढे और कचरे के अंबार जनता के लिए परेशानी का कारण बने हुए थे। सुबोधकांत झा ने कहा कि समाचारों में इन समस्याओं को प्रकाशित करने के तुरंत बाद जिला प्रशासन ने सफाई अभियान शुरू किया, जो एक सराहनीय प्रयास है। उन्होंने सभी का धन्यवाद करते हुए कहा कि हिंदुओं के इस महान पर्व के समय सफाई कर प्रशासन ने महत्वपूर्ण कार्य किया है। सफाई अभियान में मुख्य सड़कें, पंडाल क्षेत्र और जलजमाव वाली जगहों को प्राथमिकता दी जा रही है। प्रशासन का उद्देश्य है कि दुर्गा पूजा के अवसर पर बागबेड़ा पूरी तरह से स्वच्छ और व्यवस्थित दिखाई दे।

जिले में 500 लाभुकों के अबुआ आवास योजना का हुआ गृह प्रवेश

▸ लाभुकों को प्रेशर कुकर एवं शॉल भेंट कर किया गया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में रविवार को अबुआ दिवस के अवसर पर 500 लाभुकों का अबुआ आवास योजना के अंतर्गत गृह प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर उपायुक्त मनीष कुमार, उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, शहरकोल पंचायत के मुखिया विकास गोंड, पाकुड़ प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर अल्फ्रेड मुर्मू तथा हिरणपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी दिलीप टुडू एवं अंचलाधिकारी मनोज कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर व नारियल फोड़कर गृह प्रवेश कराया। लाभुकों ने राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पहले कच्चे मकान में किसी तरह जीवन गुजर-बसर करते थे, लेकिन अब सरकार की मदद से पक्के मकान का सपना पूरा हुआ है।

योजनाओं का उठायें लाभ : उपायुक्त

उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि लगातार छठे महीने जिले में अबुआ आवास योजना के अंतर्गत गृह प्रवेश का आयोजन किया जा रहा है, जो अपने आप में ऐतिहासिक है। माननीय मुख्यमंत्री जी का सपना है कि झारखंड के प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को पक्का मकान मिले। जिन लाभुकों को राशि प्राप्त हुई है, वे जल्द से जल्द अपना आवास निर्माण पूर्ण करें। यदि सभी लाभुक तेजी से कार्य करेंगे तो अगले वर्ष तक जिले में सभी आवासों का लक्ष्य पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि अबुआ आवास योजना राज्य सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके माध्यम से लाभुकों को तीन कमरों वाले पक्के मकान के साथ शौचालय और नल से जल योजना का लाभ भी मिल रहा है। आज के कार्यक्रम में गोकुलपुर पंचायत के लाभुक मकलू टुडू एवं सुंदरपुर पंचायत की लाभुक रेया रानी मंडल के नवनिर्मित आवास का गृह प्रवेश भी कराया गया। उपायुक्त ने कहा कि ये आवास मॉडल के रूप में अन्य लाभुकों के लिए प्रेरणा का कार्य करेंगे।

जिले के सभी प्रखंडों में हुआ आयोजन

अबुआ दिवस के अवसर पर जिले के सभी प्रखंडों में एक साथ लाभुकों का गृह प्रवेश कराया गया। कुल 500 लाभुकों को इस योजना के अंतर्गत पक्का मकान उपलब्ध कराया गया। जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में इस अवसर पर उपस्थित थे।

एक नजर

अलग-अलग सड़क दुर्घटना में दो लोग हुए घायल, रेफर

साहिबगंज : जिला के बोरियो थाना क्षेत्र अंतर्गत बोरियो-बोआरीजोर के बालीडीह के पास सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार ठाकुर गंगटी निवासी संजीत पंडित 25 वर्ष बुरी तरह घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार बोरियो पुलिस ने संजीत पंडित को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां ड्यूटी में तैनात चिकित्सक सुदामा साह ने प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सक सुदामा साह ने बताया कि रणजीत पंडित का बाया पैर टूट गया है जिसे बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। वही एक दूसरे सड़क दुर्घटना में बोरियो-बरहेट के जिरूर पेट्रोल पंप के पास घटना घटी। मोटरसाइकिल सवार ने जिरूर निवासी नागेंद्र दास को जोरदार टक्कर मार दिया। टक्कर इतना जोरदार था कि नागेंद्र दास के नाक से खून बह रहा था। जिसे परिजनों व राहगीरों की मदद से इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने प्राथमिक इलाज करने के उपरांत बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

वृद्ध महिला को तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने मारी टक्कर, इलाज के दौरान मौत

साहिबगंज : बोरियो-बोआरीजोर मुख्य पथ के राझन मोड़ के पास तेज रफ्तार से जा रही मोटरसाइकिल ने सड़क किनारे बैठी एक वृद्ध महिला को टक्कर मार दी। मिली जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल दुर्घटना में सोना मुनि मडैया 60 वर्ष के सर में गंभीर चोट आई। परिजनों की मदद से अचेत अवस्था में वृद्ध महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। घायल महिला के पुत्र बोहा मडैया ने बताया कि उसकी मां राझन मोड़ के पास सड़क किनारे बैठी थी। अचानक तेज रफ्तार से आ रहे एक मोटरसाइकिल ने टक्कर मार दी। जिससे उसकी मां को सर में गंभीर चोट लगी है। जहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक सुदामा साहा के द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया था। जहां इलाज के दौरान वृद्ध महिला की मौत हो गई। घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

स्वदेशी सप्ताह के अवसर वृहत्त कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बोकारो : परम पुज्य जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर,33 में स्वदेशी जागरण मंच की द्वारा बच्चों के बीच स्वदेशी सप्ताह के अवसर वृहत्त कार्यक्रम किया गया ककार्यक्रम की शुरूआत में विद्यालय के छात्रा ने सभी लोगों को तिलक लगाया फिर बच्चों द्वारा स्वागत गान प्रस्तुत किया गया क स्वदेशी जागरण मंच के क्षेत्रीय संयोजक अमरेन्द्र सिंह एंव जिला संयोजक प्रमोद कुमार सिन्हा ने दीप प्रज्वलन किया कस्वदेशी जागरण मंच के जिला संयोजक प्रमोद कुमार सिन्हा द्वारा छात्र, छात्राओं एवं शिक्षकों को स्वदेशी संकल्प कराया गया कि अब हम अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तुओं का ही इस्तेमाल करेंगे और साथ ही अपने परिवार जनों, नाते-रिश्तेदार, गांव-समाज सभी को प्रेरित करेंगे, कि वह स्वदेशी वस्तु का प्रयोग करें स्वदेशी वस्तुओं का इस्तेमाल करके ही हम अपने देश को आर्थिक रूप से समृद्ध बना सकते हैं। भविष्य में अब जो भी लड़ाइयां लड़ी जाएंगी वह किसी हथियार से नहीं लड़ी जाएगी बल्कि अब जो भी युद्ध लड़े जाएंगे वह आर्थिक युद्ध होंगे और आर्थिक युद्ध का सबसे बड़ा हथियार है हमारा स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग करना क्योंकि जब हम अपने स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग करते हैं, तो हमारे देश का पैसा हमारे देश में रह जाता है।

फरार चल रहे हत्या व सीएसपी लूट कांड के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत हत्याकांड के तीन व सीएसपी लूट के एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार हत्याकांड के तीन आरोपी, मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 13/24, दिनांक 27 फरवरी 2024, धारा 365/34 भा.द.वि, परिवर्तित धारा 365/302/201/120 बी/34 भा.द.वि, के प्राथमिकी अभियुक्त सरवन कुमार पिता स्वर्ग राजू दास, उपेंद्र दास पिता स्वर्ग राजू दास, दोनों का साकिन परघड़ी, थाना सबौर, व बबलू दास पिता माधव दास, साकिन काली प्रसाद, थाना पीरपैंती, सभी का जिला भागलपुर , एवं सीएसपी लूट कांड के मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 73/22, दिनांक 7 जून 2022, धारा 394 भा.द.वि के अप्राथमिकी अभियुक्त विक्रांत कुमार, साकिन सिमारिया टोला, थाना रांगरा चौक, जिला भागलपुर निवासी को बिहपुर, बांका, तीनटंगा से विधिवत पुलिस ने चोरी आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आगे की कागजी कार्रवाई पूरा करने के उपरांत सदर अस्पताल साहिबगंज में शारीरिक जांच करवाने के बाद चारों आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

कैरोगोडा गांव में विशेष रात्रि स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला के हिरणपुर पंचायत के कैरोगोडा गांव में शनिवार की देर शाम स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान स्वयं उपस्थित होकर शिविर की कार्यवाही का निरीक्षण किया और समग्र व्यवस्था का नेतृत्व किया। उन्होंने मौके पर ही चिकित्सा कर्मियों को दिशा-निर्देश दिए तथा ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व से अवगत कराया। शिविर में डॉक्टर मुकेश कुमार (बोरियो), बीपीएम विष्णु कुमार (बोरियो), बीपीएम चंदन कुमार (बरहेट), सहिया एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी बोरियो और बरहेट से शामिल हुए। टीम ने मिलकर देर रात तक कार्य किया और बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों की जांच एवं उपचार किया। शिविर स्थल पर अलग-अलग काउंटर बनाए गए, जहां पर लोगों की जांच के साथ-साथ आवश्यक दवाइयां भी निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं।शिविर में मुख्यतः हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, मलेरिया और टाइफाइड की जांच की गई। मलेरिया जांच के अंतर्गत 30 ग्रामीणों की जांच की गई, जिसमें कोई भी केस पॉजिटिव नहीं पाया गया। अन्य जांचों की रिपोर्ट के आधार पर कई लोगों को तत्काल दवा दी गई तथा आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया गया। सिविल सर्जन साहिबगंज डॉ. रामदेव पासवान ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग ग्रामीणों के बीच लगातार सक्रिय रहेगा। उन्होंने चिकित्सा दल को निर्देश दिया कि गांव की स्वास्थ्य स्थिति की नियमित निगरानी की जाए और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त चिकित्सक और संसाधन भी भेजे जाएं। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे समय-समय पर जांच अवश्य कराएं और किसी भी लक्षण की अनदेखी न करें। इस शिविर के आयोजन से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली और मौके पर ही जांच व उपचार की सुविधा प्राप्त हुई।

सातवें दिन मां के छठे स्वरूप मां कात्यायनी की पूजा अर्चना की गई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : दस दिवसीय नवरात्री के सातवें दिन रविवार को दुर्गा मां के छठे स्वरूप मां कात्यायनी की पूजा अर्चना वैदिक मंत्रोचारण के साथ विधिवत रूप से की गई। पुरोहित सुशील कुमार पांडे ने कहा कि मां कात्यायनी का स्वरूप शक्ति और साहस का प्रतीक है। युद्धरत देवी की तरह उनका रूप विपरीत परिस्थितियों में साहस, आत्मविश्वास और कष्टों से मुक्ति प्रदान करता है। वही दोपहर बाद शहर सहित जिला के सभी दुर्गा पूजा समिति के पुरोहित जजमान ने बेल वृक्ष के नीचे जाकर बेलभरनी निमंत्रण पूजन करके आमंत्रित किया। वही देर रात्री शहर सहित जिला भर के सभी दुर्गा पूजा पंडालों में मां दुर्गा सवाहन सपरिवार पूजा पंडाल मे स्थापित की गई और भक्तों के दर्शन पूजन के लिए मां दुर्गा का पट खोल दिया गया। वही आज जिला के सभी दुर्गा मंदिरों में महासप्तमी पूजन किया जाएगा। जिसको लेकर अहले सुबह ही शहर के पूजा कल्याण समिति रॉबर्टशन क्लब बंगाली टोला दुर्गा पूजा समिति, दहला दुर्गा पूजा समिति, चौक बाजार दुर्गा पूजा समिति, नॉर्थ कॉलोनी दुर्गा पूजा समिति, कृष्ण नगर बड़ी दुर्गा पूजा समिति, पुरानी साहिबगंज दुर्गा पूजा समिति, तालबन्ना दुर्गा पूजा समिति, सकरूगढ़ एसडीओ कोठी के पीछे दुर्गा मंदिर, नया टोला कमल टोला दुर्गा पूजा समिति, गोराबाड़ी हटिया दुर्गा पूजा समिति, साउथ कॉलोनी दुर्गा पूजा समिति, झरना कॉलोनी दुर्गा पूजा समिति, नेताजी सुभाष कॉलोनी दुर्गा पूजा समिति, पुलिस लाइन दुर्गा पूजा समिति, पूर्वांचल दुर्गा पूजा समिति साक्षरता चौक सहित जिला भर के दुर्गा पूजा समिति का कलश व नवपत्रिका यात्रा दुर्गा मंदिर से ढोल नगाड़ा गाजे बाजे के साथ अहले सुबह निकलकर स्थानीय गंगा तट जाएगी।

सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के झारखंड प्रदेश समिति की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया की झारखण्ड प्रदेश समिति की बैठक रविवार को क्षेत्रीय कार्यालय पाकुड़ में सम्पन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सह जिला परिषद सदस्य मो० हंजेला शेख ने किए। बैठक में संगठनात्मक मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा राज्य में राजनीतिक एवं सामाजिक हालात पर विस्तार से चर्चा की गई।

झारखण्ड राज्य के वर्तमान महागठबंधन सरकार शिक्षित युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रही है। राज्य की जनता जिन समस्याओं से जूझ रही है, विशेषकर बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, उस पर सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। ऐसे में SDPI एक मजबूत जनआंदोलन खड़ा कर जनता की आवाज बनेगी। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने, सदस्यता अभियान चलाने तथा महिलाओं को जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने हेतु सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। बैठक में प्रदेश प्रभारी सलाम, प्रदेश महासचिव ताहमीदुर रहमान, प्रदेश उपाध्यक्ष हबीबुर रहमान, प्रदेश सचिव वजीदा खातून, प्रदेश कोषाध्यक्ष ओबैदुर रहमान एवं सभी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य तथा पाकुड़, गोड्डा, साहिबगंज, रांची, जामताड़ा जिला अध्यक्ष शामिल हुए।

स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत मालदा मंडल में सार्वजनिक शौचालयों की हुई सफाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के तहत, जो पूरे भारतीय रेलवे में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक "स्वच्छोत्सव" के विषय के अंतर्गत मनाया जा रहा है। मनीष कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक , मालदा के मार्गदर्शन में आज मालदा मंडल के मालदा टाउन, न्यू फरक्का, बरहरवा, साहिबगंज, भागलपुर और जमालपुर रेलवे स्टेशनों पर सार्वजनिक शौचालयों की विशेष सफाई अभियान आयोजित किया गया। यह अभियान प्रदीप दास, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता/पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधन (डीएमई/ईएनएचएम), मालदा के पर्यवेक्षण में संपन्न हुआ। मंडल के हाउसकीपिंग स्टाफ ने इस पहल में सक्रिय भागीदारी निभाई, शौचालयों की संपूर्ण सफाई, मरम्मत और रखरखाव के साथ-साथ विशेष रूप से बरहरवा स्टेशन पर स्टेशन परिसर की सफाई सुनिश्चित की, ताकि यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। इसके अतिरिक्त, साहिबगंज स्टेशन पर आज यात्रियों की उपस्थिति में स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता अभियान भी आयोजित किया गया, जिसमें स्वच्छ शौचालयों के उपयोग और रखरखाव के महत्व पर जोर दिया गया। इस प्रकार की निरंतर पहल के माध्यम से, मालदा मंडल स्टेशन परिसर को स्वच्छ बनाए रखने और सभी रेल उपयोगकर्ताओं के लिए स्वच्छ और सुविधाजनक शौचालय सुनिश्चित करने के माध्यम से स्वच्छ भारत अभियान के उद्देश्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है।

संक्षिप्त खबरें

ऑपरेशन सेवा के तहत त्वरित कार्रवाई, साहिबगंज के पास घायल यात्री का सफलतापूर्वक बचाव

साहिबगंज : ऑपरेशन सेवा के तहत मंडल रेल प्रबंधक मालदा मनीष कुमार गुप्ता, के मार्गदर्शन तथा अशिम कुमार कुल्लू, मंडल सुरक्षा आयुक्त, मालदा के पर्यवेक्षण में, साहिबगंज पोस्ट के रेलवे सुरक्षा बल ने 27 सितंबर 2025 को साहिबगंज के पास चलती ट्रेन से दुर्घटनावश गिरने वाले 21 वर्षीय यात्री, कलिया को ससमय रहते हुए बचाया गया। घटना की सूचना सबसे पहले रेल मदाद पोर्टल पर लगभग 05 :57 बजे एक सतर्क स्थानीय निवासी द्वारा दी गई थी। शिकायत मिलने के तुरंत बाद, ड्यूटी पर मौजूद आरपीएफ की टीम घटनास्थल पर साहिबगंज व करमटोला स्टेशनों के बीच पहुंची और घायल यात्री को पाया। बचाव दल ने उसे तत्परता से उठा कर सदर अस्पताल, साहिबगंज पहुंचा कर चिकित्सीय उपचार सुनिश्चित किया। रेलवे अधिकारियों ने यात्री के परिवार वालों से भी संपर्क किया, जो थोड़ी ही देर में अस्पताल पहुँचे। आरपीएफ और स्थानीय निवासियों की समय पर कार्रवाई ने यह सुनिश्चित किया कि घायल यात्री को तुरंत चिकित्सीय सहायता मिले, और यह ऑपरेशन सेवा में सेवा और सहानुभूति की भावना को दशार्ता है। पूर्व रेलवे, मालदा मंडल, यात्रियों की सुरक्षा और कल्याण के लिए सक्रिय उपायों, त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र और आपातकालीन परिस्थितियों में सहानुभूतिपूर्ण सहायता के प्रति प्रतिबद्ध है।

वन विभाग की टीम के द्वारा की गई कार्रवाई, 8 बोटा सखुआ लकड़ी जब्त

साहिबगंज : वन विभाग की टीम ने तालझारी क्षेत्र के खैरवा जंगल से गुप्त सूचना के आधार पर विशेष अभियान चलाते हुए 8 बोटा सखुआ लकड़ी जब्त की है। वन क्षेत्र पदाधिकारी के निर्देशानुसार संचालित इस कार्रवाई में वन रक्षी पप्पू यादव एवं उनकी टीम सक्रिय रूप से शामिल रही। जब्त की गई लकड़ी को विभागीय अभिरक्षा में सुरक्षित रखा गया है। वन विभाग ने मामले की जांच प्रारंभ कर दी है और संबंधित तस्करों की पहचान एवं गिरफ्तारी के लिए सतत प्रयास जारी है। विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि वन क्षेत्र में अवैध कटाई एवं तस्करी की गतिविधियों को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे प्रकरणों पर रोकथाम हेतु निरंतर सघन गश्ती एवं छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

साहिबगंज में पेंटिंग प्रतियोगिता का सफल हुआ आयोजन

साहिबगंज : शहर में 28 सितम्बर 25 को स्टोरीज व ए.आई. कंप्यूटर सेंटर के संयुक्त सहयोग से आज मछुआ सोसाइटी परिसर में पेंटिंग प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 75 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मकता एवं कला-कौशल का सुंदर प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्याम विश्वकर्मा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में साहिबगंज नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता, चंपक दत्ता, श्वेता दत्ता एवं समाजसेवी तथा मछुआ समिति के अध्यक्ष अशोक चौधरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन भगवती रंजन पांडे ने किया। इस अवसर पर साहिबगंज स्टोरीज के एडमिन विवेक कुमार और सौरव गुप्ता तथा ए.आई. कंप्यूटर सेंटर के संचालक सोनू चौधरी ने संयुक्त रूप से बच्चों का उत्साहवर्धन किया। विजेताओं को सर्टिफिकेट,मेडल ट्रॉफी, तथा गिफ्ट से सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करना और समाज में रचनात्मकता का संदेश फैलाना था। मौके पर उपस्थित साहिबगंज स्टोरी टीम के बलराम, कृति, अनुज, मनीषा, अवनीश, दीक्षा, आदित्य, अमन, निमाई, पंकज, शुभम, सुफियान, बादल आदि उपस्थित थे।

सेक्टर 9 महुआर मोड़ में भगत सिंह की श्रद्धांजलि सभा का हुआ आयोजन

बोकारो : सेक्टर 9 महुआर मोड़ में आज शहीद-ए-आजम भगत सिंह की श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जहां कॉमरेड साथियों ने पुष्प माला अर्पित कर उन्हें नमन किया।श्रद्धांजलि सभा का आयोजनइस मौके पर भाकपा (माले) जिला सचिव कॉमरेड दीप सिंह दिवाकर ने कहा कि भगत सिंह का जीवन युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कॉमरेड साथियों से आह्वान किया कि वे शहीदों के आदर्शों को जीवन में उतारते हुए संघर्ष के रास्ते पर आगे बढ़ें।नेताओं के विचारकॉमरेड मोहन चौधरी ने कहा कि देश को राजनीतिक आजादी जरूर मिली है, लेकिन आम जनता को आज भी पूर्ण आजादी हासिल नहीं हुई है।कॉमरेड आर.पी. वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि मजदूरों और किसानों को हक और अधिकार दिलाने के लिए मार्क्सवाद और लेनिनवाद ही सही रास्ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान भाजपा सरकार पूंजीवाद को बढ़ावा दे रही है और मजदूर-किसानों का शोषण जारी है।कॉमरेड मोहम्मद कमालुद्दीन अंसारी ने कहा कि सत्ताधीश शोषक बन बैठे हैं, ऐसे में अन्याय और अत्याचार के खिलाफ हर कॉमरेड को संघर्षरत रहना होगा।शामिल होने वाले कॉमरेडश्रद्धांजलि सभा में कॉमरेड भीम रजक, सीताराम महतो, समीउल्लाह अंसारी, विनोद राय, संतोष मुर्मू, वकील सिंह, अवधेश कुमार, दिलीप कुमार, जी.एम. एकरामुल हक, हसनैन अंसारी, अजमल अंसारी समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

परेशान ग्रामीण बोले: घंटी बजती है फिर भी नहीं आती एंबुलेंस...

निजी गाड़ी से अस्पताल जाने को मजबूर ग्रामीण इलाके के मरीज

भागलपुर। ग्रामीण इलाके में रहने वाली गर्भवती एवं गंभीर मरीजों को तत्काल एंबुलेंस सेवा मिलना लगभग बंद हो गया है। यहां के मरीज निजी वाहनों से सरकारी अस्पताल आकर अपना इलाज कराने को विवश हैं। हाल यह हो रहा है कि डॉक्टर मरीज को हायर सेंटर रेफर करते हैं। मरीज अस्पताल में जीवन व मौत से संघर्ष कर रहे होते हैं। स्वजन 102 एंबुलेंस सेवा पाने के लिए घंटों फोन पर फोन करते रहते हैं। थक-हारकर उन्हें मरीज को निजी एंबुलेंस से इलाज कराने शहर ले जाने के लिए विवश होते हैं। इस परेशानी को देखते हुए अस्पताल प्रभारी ने सीएस से शिकायत की है। गोपालपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी ने सीएस को पत्र लिखकर बताया है कि एंबुलेंस के ईएमटी का कहना है कि एसीओ से उन्हें निर्देश मिला है कि जब तक 102 से आईडी मरीजों द्वारा बुक नहीं की जाती है तब तक एंबुलेंस सेवा प्रदान नहीं की जा सकती। अब 102 नंबर पर कॉल करने पर यह लगता ही नहीं है। इस वजह से मरीजों को एंबुलेंस सेवा नहीं मिल पा रही है। मरीजों को दूसरी जगह ले जाने के लिए स्वजनों को भाड़े पर निजी एंबुलेंस लेनी पड़ रही है। इसी तरह सबौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने भी सीएस को पत्र लिखकर 102 एंबुलेंस सेवा प्राप्त करने में परेशानी का सामना करने की बात कही है। अपने पोषण क्षेत्र से गर्भवती महिलाओं को अस्पताल पहुंचाने के लिए आशा एंबुलेंस सेवा पाने का प्रयास करती हैं, लेकिन 102 नंबर पर कॉल लगता ही नहीं है। इस वजह से गर्भवती महिलाओं को अस्पताल लाने में परेशानी होती है। ऐसे में किसी भी दिन अगर एंबुलेंस सेवा के अभाव में कोई अप्रिय घटना होती है, तो इसकी जिम्मेदारी एजेंसी की होगी। ऐसी स्थिति को देखते सीएस ने एजेंसी को तत्काल एंबुलेंस उपलब्ध कराने के सख्त निर्देश दिए हैं।

नल है लेकिन जल नहीं! बूंद-बूंद को मोहताज सबौर नगर पंचायत की जनता

भागलपुर। सरकार ने गांव-गांव और कस्बों तक पेयजल पहुंचाने के लिए हर घर नल से जल योजना चला रखी है। कागजों पर भले ही यह योजना पूर्ण सफल मानी जा रही हो। लेकिन सरजमीं पर नजर दौड़ाने पर ऐसा देखने को नहीं मिलता है। सबौर नगर पंचायत पर नजर डालें, वहां यह योजना बदहाली के दौर से गुजरती दिखती है। वहां की हालत यह है कि कई मोहल्लों में नल तो लगे हैं पर उनमें जल का नामोनिशान तक नहीं है। कहीं पाइप लाइन जगह-जगह से लीकेज है, तो कहीं जल प्रवाह का दबाव इतना कम है कि नलों में एक बूंद भी पानी नहीं गिरता है।पीएचइडी विभाग द्वारा उनकी मरम्मत व समस्या समाधान के लिए सबौर नगर पंचायत को और सबौर नगर पंचायत के अधिकारियों द्वारा उसकी जिम्मेदारी पीएचइडी पर डाले जाने से यहां के नागरिकों की स्थिति दो पाटों के बीच में फंसे होने जैसी हो गई। इधर, नवरात्र जैसे समय में जल के अभाव में लोगों को काफी

परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नल जल योजना शुरू होने के दौरान लोगों को मुफ्त आपूर्ति का सपना दिखाया गया था। लेकिन यहां हकीकत उलट है। कुछ उपभोक्ताओं को निजी खर्च से मोटर और पाइप लगाकर घरेलू जल आपूर्ति की व्यवस्था करनी पड़ी है। वहीं कई लोग आज भी आसपास के घरों या चापाकल के भरोसे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शिकायत करने पर या तो संबंधित अधिकारी सुनते ही नहीं या एक-दूसरे विभाग पर जिम्मेदारी डालकर पल्ला झाड़ लेते हैं। पीएचइडी विभाग के जेई रोशन कुमार का कहना है कि नगर पंचायत सबौर में स्थाई जेई की नियुक्ति कर दी गई है। इससे संबंधित मामले की देखरेख करना उनकी जिम्मेदारी है। दूसरी ओर नगर पंचायत के जेई गौतम कुमार का कहना है कि पीएचइडी और नल जल योजना से संबंधित समस्याओं को देखने का उन्हें किसी प्रकार का आदेश प्राप्त नहीं हुआ है। लोग पूछ रहे आखिर जिम्मेदार कौन? इस स्थिति में सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो गया है कि सबौर के लोगों को पानी कौन देगा? विभागीय समन्वय के अभाव में योजना ठप है और उपभोक्ताओं की पीड़ा बढ़ती जा रही है। अगर यही हाल रहा तो हर घर नल से जल योजना का उद्देश्य अधूरा ही रह जाएगा।

हार्ट अटैक से वीरगति को प्राप्त हुए सेना के जवान दीपक कुमार

आठ वर्षीय मासूम बेटे ने दी मुखाग्नि

मधेपुरा। एक सेना के जवान का राजस्थान में हार्ट अटैक असामयिक निधन हो गया। 25 सितंबर की रात ड्यूटी के दौरान उन्हें दिल का दौरा पड़ा। साथी सैनिकों ने आनन-फानन में उन्हें गंगानगर मिलिट्री हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक जवान की पहचान चौसा प्रखंड के घोषई वार्ड तीन निवासी अर्जुन दास के बेटे दीपक कुमार (33) के रूप में हुई। मौत की खबर मिलते ही परिवार सहित पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। दीपक 2 सितंबर को अपने गांव से ड्यूटी ज्वॉइन करने के लिए राजस्थान गया था। 25 सितंबर की रात करीब 10 बजे उन्होंने फोन पर परिजनों को सीने में दर्द की जानकारी दी थी। आधे घंटे बाद ही हार्ट अटैक आ गया। वर्ष 2013 में सेना में भर्ती हुए दीपक वर्तमान में नायक पद पर कार्यरत थे। वे अपने पीछे पत्नी नीलू कुमारी और दो पुत्र शिवम व सत्यम को छोड़ गए। शनिवार को गांव पहुंचने पर दिवंगत जवान को सेना के जवानों व अधिकारियों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस मौके पर बिहार राज्य पूर्व सैनिक संघ के अध्यक्ष सूबेदार ब्रह्मानंद यादव, हवलदार एसके सिंह सहित गोरखा रेजीमेंट कटिहार से पहुंचे जवानों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। चौसा थानाध्यक्ष सुड्डु कुमार, चेयरमैन सुनील यादव, मुखिया पप्पू शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे। दाह संस्कार स्थल पर सेना के जवानों ने मृतक की पत्नी नीलू कुमारी को तिरंगा सौंपा। अंतिम संस्कार गांव स्थित खेत में किया गया, जहां बड़े पुत्र शिवम ने अपने पिता को मुखाग्नि दी।

चोरी के आरोप में युवक की पिटाई

भागलपुर। चोरी का आरोप लगाकर एक युवक की जमकर पिटाई कर दी गई। बीच-बचाव करने पहुंची मां को भी पीटा। आरोपियों ने तलवार से महिला के हाथ पर वार किया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। इलाज के लिए सदर अस्पताल में एडमिट कराया गया है। घटना ललमठिया थाना क्षेत्र के गोलदारपट्टी की है। मारपीट का आरोप मदन शाह, संजय शाह, सुबोध शाह, प्रदीप शाह, रोशन कुमार और राधा देवी पर है। पीड़िता बिंदिया देवी ने बताया कि मदन शाह ने मेरे बेटे आकाश कुमार पर चोरी का आरोप लगाया। उसका कहना था कि बच्चे के गले से चांदी का लॉकेट छीन लिया है।

संक्षिप्त डायरी

गोपालगंज में सीएम नीतीश कुमार ने किया 1599 करोड़ की योजनाओं का शुभारंभ

गोपालगंज। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और सांसद संजय झा रविवार को गोपालगंज पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने सबेया फील्ड में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया और योजनाओं के लाभुकों से सीधा संवाद स्थापित किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कुल 1599 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने राज्य के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि सरकार जनहित में लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने लाभुकों से बातचीत के दौरान उनकी समस्याएं और सुझाव सुने और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए।उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और कहा कि यह कार्यक्रम राज्य के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वहीं, सांसद संजय झा ने क्षेत्र के विकास के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए अपने विचार रखे। इस कार्यक्रम का मंच संचालन भाजपा जिला अध्यक्ष संदीप गिरी ने किया। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, जनक राम, भाजपा के पूर्व विधायक मिथिलेश तिवारी, रामसेवक सिंह और जदयू जिलाध्यक्ष आदित्य शंकर शाही ने भी सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और अधिकारी मौजूद रहे।

बिहार के बेटे ने रचा इतिहास, हाई जंप में जीता स्वर्ण पदक

पटना। दिल्ली में चल रही 12वीं वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025 में बिहार के जमुई जिले के खिलाड़ी शैलेश कुमार ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने T42 श्रेणी की हाई जंप स्पर्धा में 1.91 मीटर ऊंची छलांग लगाकर भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीत लिया। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण

शंकरण ने जानकारी दी कि इस प्रतियोगिता में शैलेश ने क्रमशः 1.85, 1.88 और 1.91 मीटर की छलांग लगाकर तीन बार चैम्पियनशिप रिकॉर्ड तोड़ा। शंकरण ने बताया कि शैलेश कुमार जमुई जिले के अलीगंज प्रखंड स्थित इस्लामनगर गांव के निवासी हैं। वह पेरिस में हुई पिछली वर्ल्ड पैरा चैंपियनशिप में रजत पदक विजेता रह चुके हैं, जबकि चीन में आयोजित एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। सरकार की "मेडल लाओ, नौकरी पाओ" योजना के तहत शैलेश को क्लास वन की सरकारी नौकरी दी गई थी। वर्तमान में वह समाज कल्याण विभाग में बाल विकास प्रोजेक्ट ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं। किसान परिवार से आने वाले शैलेश ने कठिन और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करते हुए अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर यह मुकाम हासिल किया है। उनका यह प्रदर्शन न केवल बिहार बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है और वह आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत बन गए हैं।

नाविकों की मनमानी से बेलदौर के उर्दू स्कूल छात्र परेशान

खगड़िया। बेलदौर प्रखंड के कैंजरी पंचायत में स्कूली छात्रों को स्कूल जाने के लिए नाव पर निर्भर रहना पड़ता है। नाविकों की मनमानी और कथित भ्रष्टाचार के कारण छात्रों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। इस मामले में गोगरी एसडीओ ने जांच के आदेश दिए हैं। पंचायत के पश्चिम पार में प्राथमिक विद्यालय तो है, लेकिन +2 स्तर की पढ़ाई के लिए विद्यार्थियों को काली कोसी नदी पार कर पूर्वी पार स्थित उर्दू उच्च विद्यालय कैजरी जाना पड़ता है। नदी पर पुल न होने के कारण बच्चों की शिक्षा पर संकट गहराता जा रहा है। हाल ही में, रविवार सुबह 9 बजे से सैकड़ों छात्र-छात्राएं नाव का इंतजार करते रहे, लेकिन 10:30 बजे तक नाव उपलब्ध नहीं हुई, जिसके बाद उन्हें वापस लौटना पड़ा। नाविक केवल उन्हीं लोगों को समय पर नदी पार कराते हैं जो उन्हें 10 से 100 रुपये तक देते हैं। मुफ्त यात्रा करने वाले छात्रों को घंटों इंतजार करवाया जाता है और कई बार उनके साथ दुर्व्यवहार भी किया जाता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नाव संचालन के नाम पर होने वाले भ्रष्टाचार में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की मिलीभगत है। उनका कहना है कि शिकायत के बावजूद बेलदौर के सीओ कोई कार्रवाई नहीं करते। इस मामले में गोगरी एसडीओ प्रद्युमन सिंह यादव ने संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि यदि सरकारी नाव उपलब्ध है, तो उसके समय पर संचालन न होने और अवैध वसूली की जांच कराई जाएगी। दोषी अधिकारियों और नाविकों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

'मैंने बॉयफ्रेंड की हत्या की है': गर्लफ्रेंड ने पुलिस को कॉल कर कहा-लाश कमरे में है

पटना। शादीशुदा गर्लफ्रेंड ने सिलबट्टे से कूचकर अपने प्रेमी की हत्या कर दी। इसके बाद पानी भरा मटका लाई और उसपर पटक दिया। मर्डर के बाद वो लाश के पास घंटों बैठी रही। फिर उसने पटना पुलिस को फोन किया और कहा, 'मैंने अपने बॉयफ्रेंड का कत्ल कर दिया है। लाश कमरे में पड़ी है।' मृतक की पहचान मुरारी कुमार के रूप में हुई है। वो बंगलुरू में कार चलाता था। 16 सितंबर को वह पटना आया था। आरोपी प्रेमिका का नाम पूजा है। वारदात कंकड़बाग थाना इलाके के चिरैयाटांड़ में टीपीएस कॉलेज के पास की है। पूजा अपने पति से अलग अपनी बेटी के साथ इसी इलाके में किराए पर रहती थी। पिछले 5 साल से मुरारी कुमार से उसका अफेयर चल रहा था। मुरारी मोकामा की मोर पश्चिमी पंचायत के वार्ड नंबर चार का रहने वाला था। पूजा गौरीचक की रहने वाली है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पूजा को अरेस्ट कर लिया है। पूजा का कहना है, 'मुरारी चार साल से शादी का झांसा दे रहा था। इस दशहरा में ही शादी करने की बात कही थी। शुक्रवार की रात पूछा तो वह बात टालने लगा। इसके बाद झगड़ा हुआ।' 'जब वह सो गया तो गुस्से में उसके सिर पर सिलबट्टा पटक दिया। इसके बाद लोढ़ा से भी उसके सिर पर कई बार मारा। इसके बाद पानी भरा घड़ा लाई और उसके सिर पर पटक दिया।' मुरारी के भाई मनोज यादव पूर्व वार्ड पार्षद हैं। मनोज ने कहा, 'मुरारी मसौढ़ी में जमीन खरीदने वाला था। उसने कुछ दिन पहले बहन से एक लाख रुपए मांगे थे। इसे लेकर पूजा और मुरारी में कई दिनों से विवाद चल रहा था।'

मनोज ने कहा, 'पूजा ने उसे नींद की गोली देकर सुला दिया और हत्या कर दी। मकान मालिक और अन्य किराएदारों ने कहा कि हमलोग दोनों को समझते थे।' मुरारी कभी-कभी आते थे। पूजा बताती थी कि वह बाहर नौकरी करते हैं। पूजा इस मकान में मई 2024 से रह रही थी। पति छोड़ चुका है। कंकड़बाग थानेदार अभय कुमार ने बताया, 'टीपीएस कॉलेज के सामने मुरारी कुमार और पूजा कुमारी रह रहे थे। पूजा कुमारी मुरारी पर शादी का दबाव बना रही थी, लेकिन मुरारी तैयार नहीं था।' 'गुस्से में आकर पूजा ने मुरारी कुमार की हत्या कर दी। पूजा को अरेस्ट कर लिया गया है। कमरे में मुरारी और पूजा ही थे। दो बच्चियां दूसरे कमरे में थीं।'

तेजस्वी जल्द करेंगे सबूतों के साथ भ्रष्टाचार का खुलासा, नीतीश से पूछा- वादों का पैसा कहां से?

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को प्रेस-वार्ता कर कहा कि वे यथाशीघ्र भ्रष्ट मंत्रियों व अधिकारियों की सूची सार्वजनिक करेंगे। साक्ष्य के रूप में काफी तथ्य और ब्यौरा जुटा लिए गए हैं। हमारी लड़ाई भ्रष्ट अधिकारियों से है। एनडीए की सत्ता जाने की आशंका में वैसे अधिकारी जदयू-भाजपा के नेताओं से अधिक डरे हुए हैं, क्योंकि उन्हें बाद में संरक्षण नहीं मिलने वाला। इसी के साथ उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पूछा कि जिन भ्रष्ट इंजीनियरों और अधिकारियों के यहां हाल-फिलहाल छापेमारी हुई है, उनके विरुद्ध सीबीआई जांच की अनुशंसा क्यों नहीं हो रही। व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि सीबीआई-ईडी को तो राजद नेताओं के पीछे लगाया जाएगा। हालांकि, हमें कोई फर्क नहीं पड़ता तेजस्वी ने आउटसोर्सिंग से सरकारी भवनों की साफ-सफाई पर प्रतिवर्ष 700 करोड़ के खर्च का हवाला देते हुए बिहार में भ्रष्टाचार को संस्थागत बताया। 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सार्वजनिक रूप से गिनाए गए 32 घोटालों का वीडियो दिखाते हुए कहा कि एनडीए सरकार में भ्रष्टाचार के नए रिकॉर्ड बन रहे। सरकार को नकलची बताते हुए उन्होंने कहा कि राजद के पास वादों का बड़ा बैक-अप प्लान है। अब चुनावी अधिसूचना जारी होने के बाद ही वे अपने वादे सार्वजनिक करेंगे। डबल इंजन की सरकार द्वारा की जा रही घोषणाओं को तेजस्वी ने बिहार के खजाने पर बोझ बताया और मुख्यमंत्री से पूछा कि वादों को पूरा करने के लिए राजस्व का स्रोत क्या होगा। बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा अब तक 708729 करोड़ की घोषणाएं की जा चुकी हैं। इसके विपरीत चालू वित्तीय वर्ष के लिए बिहार का बजट 3.17 लाख करोड़ रुपये का ही है। अगर अनुपूरक अनुदान की राशि जोड़ दें तो भी सरकार के पास मात्र 3.95 लाख करोड़ रुपये ही हैं। इसमें दो लाख करोड़ से अधिक स्थापना व प्रतिबद्ध मद में खर्च हो जाने हैं। प्रश्न यह कि वादे पूरे कैसे होंगे। विरोधी दल के नेता ही हैसियत से मुझे इसका उत्तर मुख्यमंत्री से ही चाहिए।

प्रदेश को मिले दो नए रामसर स्थल, कुल संख्या हुई 5

गोकुल जलाशय-उदयपुर झील को मिली नई पहचान, पीएम ने सराहा

पटना। बिहार ने जैव विविधता और आर्द्रभूमि संरक्षण के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। राज्य के बक्सर जिले में स्थित गोकुल जलाशय (448 हेक्टेयर) और पश्चिम चंपारण जिले की उदयपुर झील (319 हेक्टेयर) को अंतरराष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि यानी रामसर साइट का दर्जा मिल गया है। इसके साथ ही बिहार में रामसर स्थलों की संख्या बढ़कर पाँच हो गई है, जबकि भारत में कुल संख्या 93 तक पहुँच गई है। ये सभी स्थल लगभग 13,60,719 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले हैं। यह उपलब्धि जैव विविधता संरक्षण, जलवायु संतुलन और सतत आजीविका के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। बक्सर का गोकुल जलाशय गंगा नदी की बाढ़ से निर्मित एक महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि है। गर्मियों में

यह दलदली क्षेत्र व कृषि भूमि में बदल जाता है, जबकि मानसून में जलभराव से लबालब हो जाता है। बाढ़ के समय यह ग्रामीणों के लिए प्राकृतिक बफर का काम करता है। यहां 50 से अधिक पक्षी प्रजातियां पाई जाती हैं। स्थानीय लोग मछली पालन, सिंचाई और खेती के लिए इस पर निर्भर हैं। हर वर्ष ग्रामीण सामूहिक रूप से इसकी सफाई कर संरक्षण में सहयोग करते हैं। पश्चिम चंपारण की उदयपुर झील, जो रामसर सूची में स्थल संख्या 2577 है, एक प्राकृतिक ऑक्सबो झील है। यह झील उदयपुर वन्यजीव अभयारण्य से घिरी हुई है। यहां 280 से अधिक वनस्पति प्रजातियां और 35 प्रवासी पक्षियों की प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें असुरक्षित श्रेणी की कॉमन पोचार्ड जैसी प्रजातियाँ भी शामिल हैं, जो इसकी पारिस्थितिक महत्ता को दर्शाती हैं।

नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार: संरक्षण और विकास का मॉडल

राज्य की आर्द्रभूमियों को अंतरराष्ट्रीय पहचान। जैव विविधता संरक्षण, जलवायु संतुलन और सतत आजीविका में अग्रणी भूमिका। सामुदायिक सहभागिता और सही नीतियों से पर्यावरण और विकास का संतुलन संभव

गोकुल जलाशय और उदयपुर झील का रामसर स्थल बनना न केवल बिहार, बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व की बात है। यह कदम आर्द्रभूमि संरक्षण को मजबूती देगा और स्थानीय समुदायों की आजीविका के साथ जैव विविधता और जलवायु संतुलन बनाए रखने में सहायक होगा। यही नहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोकुल जलाशय और उदयपुर झील के शामिल होने की सराहना करते हुए इसे भारत की पर्यावरणीय संरक्षण की उपलब्धि बताया। केंद्रीय मंत्री श्री भूपेंद्र यादव द्वारा (पूर्व में ट्विटर) पर साझा किए गए पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बहुत ही अच्छी खबर! आर्द्रभूमियां सतत विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। बिहार के लोगों को विशेष प्रशंसा, जो विचार और कर्म दोनों में यह दिखा रहे हैं कि पर्यावरण संरक्षण में अग्रणी कैसे बने।

...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अतः उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

धार्मिक गंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनसुरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरुम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।

पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडकर उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नमः भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नमः दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नमः बेर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नमः सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नमः तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नमः अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नमः कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नमः केला पत्र।
ओम विनायकायनमः आक पत्र।
ओम कपिलाय नमः अर्जन पत्र।
ओम वटवे नमः देवरारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नमः महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नमः गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नमः केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह कलेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

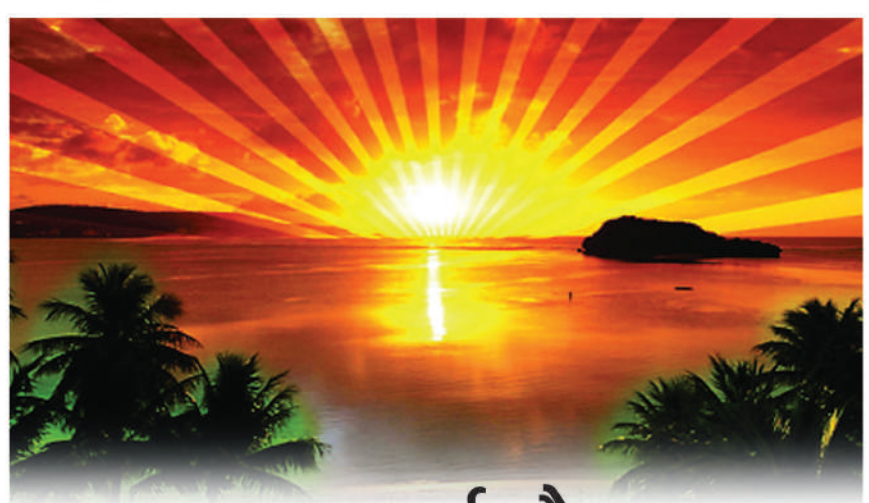

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

गोमेद एक खूबसूरत रत्न जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अतः ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यों पूर्ण करने का कार्य करता हैं, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफ्रीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नमः मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं।

कौन ना पहने ये रत्न- जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।

वैभव सूर्यवंशी ने तोड़ा बाबर का रिकॉर्ड, अब हसन रजा को चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंडर-19 टीम के स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने यूथ क्रिकेट में फिर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेले गए तीन मैचों की वनडे सीरीज में सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम इंडिया को 3-0 की क्लीन स्वीप दिलाई। हालांकि तीसरे मैच में वह केवल 16 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन इससे पहले के मैचों में उनके प्रदर्शन ने उन्हें रिकॉर्ड की किताबों में दर्ज करा दिया। वैभव ने कुल 556 रन बनाए हैं और इस दौरान पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम का रिकॉर्ड तोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अब उनकी नजरें पाकिस्तान के हसन रजा के 727 रन के रिकॉर्ड को तोड़ने पर टिकी हैं। यूथ वनडे में 16 या उससे कम उम्र में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में सूर्यवंशी का नाम अब शीर्ष खिलाड़ियों की सूची में शुमार हो गया है।

सूर्यवंशी ने हाल ही में यूथ वनडे में सबसे अधिक छक्के लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड भारत के उनमुक्त चंद के नाम था, जिन्होंने 38 छक्के लगाए थे। वैभव ने अब 43 छक्कों के साथ इस सूची में पहले पायदान पर कब्जा जमा लिया है। उनकी यह उपलब्धि भारतीय अंडर-19 टीम के लिए गर्व का क्षण है और युवा क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बन रही है। वैभव सूर्यवंशी ने अब तक 11 पारियों में 556 रन बनाए हैं, उनकी औसत 50.54 और स्ट्राइक रेट 151.91 रहा है। उनकी इस बेहतरीन फार्म को देखते हुए विशेषज्ञ मानते हैं कि उनका करियर यूथ क्रिकेट में कई रिकॉर्ड तोड़ने वाला साबित हो सकता है। उनके तकनीकी कौशल, आक्रामक खेल और दबाव में शांत रहना उन्हें अन्य खिलाड़ियों से अलग बनाता है।

अंडर-19 टीम के कोच और विशेषज्ञों का कहना है कि वैभव सूर्यवंशी का प्रदर्शन केवल रन बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह खेल के सभी पहलुओं में टीम के लिए अहम योगदान दे रहे हैं। उनका यह लगातार उत्कृष्ट खेल भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए भी संकेत है। अब सभी की निगाहें 16 या उससे कम उम्र में सर्वाधिक रन के रिकॉर्ड पर टिकी हैं, जिसे हसन रजा ने 727 रन बनाकर अपने नाम किया था। अगर वैभव अपनी फॉर्म को ऐसे ही जारी रखते हैं, तो बहुत जल्द यह रिकॉर्ड भी उनके नाम हो सकता है। यूथ क्रिकेट में सूर्यवंशी की चमक से भारतीय क्रिकेट प्रेमियों में नई उम्मीदें जाग रही हैं।

विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप : आईईडी धमाके में पैर गंवाया, अब पैरा तीरंदाजी चैंपियन बने तोमन

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया में आयोजित विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता तोमन कुमार ने छत्तीसगढ़ में 2022 में एक नक्सल विरोधी अभियान के दौरान एक घातक द्धश्चष्ठ विस्फोट में अपना पैर गंवा दिया था लेकिन उन्होंने इसके बाद की चुनौतियों से पार पाते हुए सफलता की ओर कदम बढ़ाए।

CRPF (केंद्रीय आरक्षी पुलिस बल) के 30 वर्षीय कांस्टेबल ने अब तक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पैरा तीरंदाजी टूर्नामेंट में सात पदक जीते हैं। उन्होंने दक्षिण कोरिया के ग्वांगजू में आयोजित विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप में शनिवार को पुरुषों की कंपाउंड स्पर्धा का खिताब जीता।

तोमन CRPF की एक इकाई का हिस्सा थे जिसे देश के सबसे अधिक नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में से एक दक्षिण बस्तर क्षेत्र में नियुक्त किया गया था। फरवरी 2022 में CRPF और नक्सलियों के बीच भारी गोलीबारी के दौरान तोमन IED (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) विस्फोट में घायल हो गए।

CRPF के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वह इसमें गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिससे 12 फरवरी 2022 को उसका बायां पैर काटना पड़ा। उन्होंने कहा, 'तोमन कुमार 2017 में CRPF में शामिल हुए थे और जब वह मात्र 26 वर्ष के थे। लेकिन बस्तर में फरवरी में हुई इस मुठभेड़ में शरीर का एक अंग गंवाना पड़ा। लेकिन इसके बावजूद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।'

अधिकारी ने आगे बताया कि वह CRPF के एक विशेष सेंटर NCDE (राष्ट्रीय दिव्यांग सशक्तिकरण केंद्र) में शामिल हो गए जिसे 2020 में शारीरिक रूप से अक्षमता का सामना करने वाले जवानों के लिए खोला गया था। उन्होंने बताया कि तोमन ने नवंबर 2023 में पैरा तीरंदाजी का अभ्यास शुरू किया और एक साल बाद सितंबर 2024 में उन्हें सीआरपीएफ की केंद्रीय (मुख्य) टीम में शामिल किया गया। तोमन ने तीन राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के अलावा, ग्वांगजू सहित चार अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भाग लिया है।

हर्षवर्धन ने रच दिया इतिहास, बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के सबसे युवा अध्यक्ष चुने गए

पटना (एजेंसी)। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (BCA) ने रविवार को अपने 2025 के पदाधिकारियों के चुनाव के नतीजों की घोषणा की, जिससे हर्षवर्धन का निर्विरोध अध्यक्ष चुना जाना तय हो गया। केवल 24 साल की उम्र में उन्होंने सबसे युवा BCA अध्यक्ष बनकर इतिहास रच दिया, जिससे BCA के नेतृत्व में एक पीढ़ीगत बदलाव आया और बिहार के शीर्ष क्रिकेट संगठन में नई ऊर्जा का संचार हुआ।

प्रिया कुमारी उपाध्यक्ष की भूमिका निभाएंगी, जबकि जियाउल आरेफिन सचिव होंगे। अभिषेक नंदन को कोषाध्यक्ष और रोहित कुमार संयुक्त सचिव के रूप में कार्य करेंगे। रविवार को घोषित परिणामों के साथ अन्य सभी पदाधिकारी भी निर्विरोध चुने गए। इसके अतिरिक्त राजेश कुमार को प्रबंध समिति (जिला प्रतिनिधि) का सदस्य और ज्ञानेश्वर गौतम को शासी परिषद का सदस्य नियुक्त किया गया।

चुनाव एम. मोदस्सिर (सेवानिवृत्त आईएएस) की देखरेख में हुए और उनकी घोषणा की गई जिन्होंने चुनाव अधिकारी के रूप में कार्य किया। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (BCA) ने एक बयान में कहा, 'बिहार क्रिकेट के सभी हितधारकों द्वारा दिखाए गए विश्वास और समर्थन से हम अभिभूत हैं। हमारी सामूहिक प्राथमिकता जमीनी स्तर पर क्रिकेट को मज़बूत करना, मजबूत बुनियादी ढांचा बनाना और राज्य भर में युवा व महत्वाकांक्षी क्रिकेटरों के लिए अधिक अवसर पैदा करना होगा। हम सब मिलकर बिहार क्रिकेट को नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

इस बीच, बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने घोषणा की है कि पुरुष सीनियर और अंडर-23 टीमों के लिए चयन ट्रायल और तैयारी शिविर मंगलवार 30 सितंबर से पटना के मोइन-उल-हक स्टेडियम में शुरू होगा। खिलाड़ियों को 29 सितंबर को शाम 4ः00 बजे तक स्टेडियम में रिपोर्ट करना होगा। BCA ने हाल ही में खिलाड़ियों की फिटनेस और चोट प्रबंधन पर एक फिजियोथेरेपी प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि बिहार के खिलाड़ी न केवल शारीरिक रूप से मज़बूत रहें, बल्कि चोट लगने की स्थिति में जल्दी मैदान पर वापसी भी कर सकें।

बीसीसीआई की जूनियर क्रिकेटरों पर सख्ती, आईपीएल में डेब्यू से पहले पास करनी होगी ये 'परीक्षा'

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने युवा क्रिकेटरों के लिए नया नियम लागू कर सबको चौंका दिया है। अब कोई भी खिलाड़ी सीधे आईपीएल की चकाचौंध में छलांग नहीं लगा पाएगा। IPL में जगह बनाने से पहले उन्हें घरेलू क्रिकेट की 'परीक्षा' पास करनी होगी। यानी रणजी जैसे प्रथम श्रेणी मैच खेलना अब अनिवार्य कर दिया गया है। यह बदलाव न सिर्फ खिलाड़ियों को मजबूत बनाएगा बल्कि भारतीय क्रिकेट की जड़ों को भी और मज़बूत करेगा।

नियम में बदलावःघरेलू अनुभव अनिवार्य

बीसीसीआई ने साफ़ कर दिया है कि अंडर-16 और अंडर-19 क्रिकेटर आईपीएल का हिस्सा तभी बन सकेंगे, जब वे कम से कम एक प्रथम श्रेणी मैच खेल चुके हों। पहले ऐसा कोई नियम नहीं था, और कई खिलाड़ी सीधे नीलामी या ट्रायल से आईपीएल में एंट्री ले लेते थे।

वैभव सूर्यवंशी का उदाहरण

इस बदलाव के महत्व को समझाने के लिए बीसीसीआई ने राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज़ वैभव सूर्यवंशी का उदाहरण दिया। मात्र 13 साल 243 दिन की उम्र में 1.10 करोड़ रुपये में खरीदे गए वैभव ने डेब्यू से पहले ही बिहार के लिए रणजी ट्रॉफी में पारी खेली थी। यही वजह है कि वह आईपीएल में सबसे कम उम्र में शामिल होने के बावजूद तैयार नज़र आए। अब तक उन्होंने पाँच प्रथम श्रेणी मैचों में 100 रन बनाए हैं।

घरेलू क्रिकेट की अहमियत बढ़ी

बीसीसीआई का मानना है कि आईपीएल की ग्लैमर और प्रतिस्पर्धा का सामना करने से पहले घरेलू स्तर का अनुभव ज़रूरी है। इससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे सीधे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की चुनौतियों के लिए भी बेहतर ढंग से तैयार होंगे।

ज्यादा घरेलू मैच, ज्यादा इनाम

नए नियम के साथ बीसीसीआई ने एक और बड़ा ऐलान किया है–जो खिलाड़ी सीज़न में ज्यादा घरेलू मैच खेलेंगे, उन्हें ज्यादा भुगतान मिलेगा। इसका मकसद है खिलाड़ियों को लगातार खेलते रहने के लिए प्रोत्साहित करना और घरेलू टूर्नामेंटों को गंभीरता से लेने की प्रेरणा देना।

नतीजा : भारतीय क्रिकेट को नई दिशा

यह कदम भारतीय क्रिकेट के भविष्य को सुरक्षित करने वाला माना जा रहा है। अब हर जूनियर खिलाड़ी के लिए आईपीएल तक का रास्ता घरेलू क्रिकेट से होकर गुज़रेगा। इसका सीधा असर रणजी और दूसरे टूर्नामेंटों की प्रतिस्पर्धा पर भी पड़ेगा, जिससे न केवल खिलाड़ियों बल्कि भारतीय क्रिकेट की जड़ों को भी मजबूती मिलेगी।

अब रणजी खेलने के बाद ही आईपीएल खेल सकेंगे युवा क्रिकेटर

मुम्बई। अब कोई भी क्रिकेटर सीधे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नहीं खेल पायेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक नया नियम बनाय है जिसके तहत वही खिलाड़ी आईपीएल खेल सकता है जो रणजी ट्रॉफी खेला हुआ हो। बीसीसीआई का मानना है कि इस नये नियम से घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा कोई क्रिकेटर नहीं कर पायेगा। बीसीसीआई ने ये भी स्पष्ट कर दिया है कि अंडर-16 और अंडर-19 क्रिकेटरों को भी आईपीएल खेलने से पहले जब वे कम से कम एक प्रथम श्रेणी मैच खेल खेलना होगा। वहीं अब तक ऐसे क्रिकेटर सीधे ही आईपीएल खेल लेते थे। बोर्ड के इस फैससे से घरेलू क्रिकेट का महत्व बढ़ेगा क्योंकि पिछले कुछ समय से देखने में आ रहा था कि क्रिकेटर घरेलू क्रिकेट में रुचि न लेते हुए मोटी रकम के लालच में सीधे आईपीएल खेलने का प्रयास कर रहे थे। वहीं बोर्ड का मानना है कि आईपीएल की ग्लैमर और प्रतिस्पर्धा का सामना करने से पहले घरेलू स्तर का अनुभव होना भीज़रूरी है। इससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की चुनौतियों के लिए भी अच्छी तरह से होंगे।नए नियम के साथ बीसीसीआई ने घोषणा की है जो खिलाड़ी घरेल सत्र मे अधिक मैच खेलेंगे। उन्हें ज्यादा ईनाम मिलेगा।

रोहन जेटली बीसीसीआई इन्फास्ट्रक्चर कमेटी के अध्यक्ष नियुक्त

मुंबई : दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (DDCA) के अध्यक्ष रोहन जेटली को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की इन्फ्रास्ट्रक्चर कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बोर्ड की रविवार को हुई 94वीं वार्षिक आम बैठक में यह फैसला किया गया। इस फैसले से डीडीसीए में हर्ष का माहौल व्याप्त हो गया है। उन्हें बधाई देते हुए कहा गया है कि यह प्रतिष्ठित नियुक्ति पूरे डीडीसीए परिवार के लिए गौरव का क्षण है। हम श्री जेटली को निरंतर सफलता के लिए शुभकामनाएँ देते हैं और उनके नेतृत्व में डीडीसीए को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने की आशा करते हैं।

नेपाल ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में वेस्टइंडीज को हराकर सबको हैरान किया

शारजाह। नेपाल क्रिकेट यहां खेले गये पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में विजेता को 19 रनों से हराकर सबको हैरान कर दिया। इस जीत से पता चलता है कि नेपाल क्रिकेट कितनी तेजी से आगे बढ़ रहा है। ये पहली बार है जब नेपाल की टीम ने किसी पूर्णकालिक सदस्य देश को हराया है। नेपाल की टीम ने इस जीत से दिखा दिया है कि उसके खिलाड़ी खेल को लेकर कितने गंभीर है और उनमे जुनून की कमी नहीं है। इस मैच मे पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रहे और उसने शुरुआत में ही दो विकेट खो दिये पर इसके बाद कप्तान रोहित पौडेल ने 38 रन और कुशल मल्ला ने 30 रन बनाकर पारी को संभाला। वहीं इसके बाद गुलशन झा ने 22 और दीपेंद्र सिंह ऐरी ने 17 रन बनाये। इस प्रकार निर्धारित 20 ओवर्स में नेपाल ने 8 विकेट पर 148 रन बनाये। वेस्टइंडीज की ओर से जेसन होल्डर ने 4 विकेट लिए जबकि पहला मैच खेल रहे नवीन बिदाईसी ने भी 3 विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत भी खराब रही। काइल मेयर्स केव 5 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद एकीम ऑगस्टे ने 15 जबकि आमिर जंगू ने 19 रन बनाये। कीसी कार्टी 16 और अंत में फैबियन एलन 19 व कप्तान अकील हुसैन 18 रन ही बना पाये। कैरिबियाई टीम 20 ओवर में 9 पर केवल 129 रन ही बना पायी। नेपाल की ओर से कुशल भुरतेल ने सबसे अधिक 2 विकेट जबकि रोहित पौडेल, ललित राजबंशी, करण केसी, दीपेंद्र ऐरी और नंदन यादव ने एक-एक विकेट लिया। इस जीत से जहां नेपाल टीम का मनोबल बढ़ा है, वहीं दो बार की विश्व विजेता रही वेस्टइंडीज के गिरते स्तर का अंदाजा होता है।

वेस्टइंडीज सीरीज में करुण नायर को जगह न मिलने पर कोच ने जताई नाराजगी

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर करुण नायर को आगामी वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिलने पर उनके बचपन के कोच विजय मद्यालकर ने अपनी नाराजगी व्यक्त की है। नायर ने इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 8 पारियों में 205 रन बनाए थे, जिसमें सिर्फ एक अर्धशतक शामिल था, जिसके बावजूद उन्हें वेस्टइंडीज सीरीज से बाहर रखा गया। मद्यालकर ने कहा कि नायर आगामी सीरीज में अच्छा प्रदर्शन कर सकते थे और वह भारतीय परिस्थितियों के लिए पूरी तरह अनुकूल हैं। उन्होंने बताया, मुझे उसके लिए बहुत बुरा लगा। मुझे लगता है कि वह एक और मौके का हकदार था। इंग्लैंड जैसी कठिन परिस्थितियों में, जहाँ बल्लेबाजी आसान नहीं होती, उसने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

कोच ने आगे कहा कि चयनकर्ताओं का नजरिया अलग होता है और उनकी सोच का सम्मान करना पड़ता है। उन्होंने कहा, यह उनका फैसला है। वे अलग तरह से सोचते हैं। लेकिन मैं व्यक्तिगत रूप से मानता हूं कि नायर ने इंग्लैंड में जो किया, वह पर्याप्त था। उन्होंने भारत में भी अच्छे रन बनाए थे और अब उन्हें घरेलू परिस्थितियों में मौका देना चाहिए था।

मद्यालकर का यह भी मानना है कि नायर की तकनीक और मानसिक मजबूती उन्हें भारतीय परिस्थितियों में विशेष रूप से प्रभावशाली बल्लेबाज बनाती है। भारत में विकेट और मौसम की परिस्थितियों के अनुसार नायर का खेल अधिक कारगर हो सकता है। इंग्लैंड में हालात हमेशा बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं होते। ऐसे खिलाड़ी को मौका देने से टीम को फायदा ही होगा, उन्होंने कहा। 34 वर्षीय करुण नायर का नाम लंबे समय से भारतीय टेस्ट टीम में भरोसेमंद बल्लेबाज के रूप में लिया जाता रहा है। हालांकि इंग्लैंड में उनके स्कोर अपेक्षाकृत मध्यम रहे, फिर भी कोच मद्यालकर का मानना है कि उनकी तकनीक और अनुभव उन्हें घरेलू परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम बनाते हैं।

इस निर्णय के बाद क्रिकेट प्रेमियों और विश्लेषकों के बीच भी चर्चा शुरू हो गई है कि क्या भारतीय परिस्थितियों में अनुभव और तकनीक रखने वाले खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय सीरीज में मौका दिया जाना चाहिए। करुण नायर की अगली चुनौती अब यह साबित करना होगी कि वह भारतीय परिस्थितियों में टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

वेस्टइंडीज टेस्ट के लिए भारत की टीमः शुबमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जड़ेजा (उपकप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रित बुमरा, अक्षर पटेल, नितीश कुमार रेड्डी, नारायण जगदीसन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव।

बंगलादेश ने अफगानिस्तान के खिलाफ टीम की घोषणा की, टी20 सीरीज से बाहर हुए कप्तान लिटन दास

ढाका। बंगलादेश के कप्तान लिटन दास एशिया कप के दौरान पेट की बाईं मांसपेशी में ग्रेड 1 खिंचाव के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। दास की अनुपस्थिति में जैकर अली टीम की कप्तानी जारी रखेंगे। टीम के फिजियो बैजेदुल इस्लाम खान ने कहा, 'वह (दास) साइड स्ट्रेन के कारण एशिया कप के पिछले दो मैच नहीं खेल पाए थे। एमआरआई स्कैन से पेट की बाईं मांसपेशी में ग्रेड 1 खिंचाव का पता चला है। वह रिकवरी कर रहे हैं और टी20 सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। मेडिकल टीम उनके पुनर्वास का प्रबंधन और उनकी प्रगति पर नजर रखेगी।' यह 32 वर्षीय बल्लेबाज एशिया कप खेलने वाली बंगलादेशी टीम में शामिल एकमात्र खिलाड़ी हैं। शारजाह में खेली जाने वाली तीन मैचों की यह श्रृंखला 2 अक्टूबर से शुरू होगी।

बंगलादेशी टीम – जैकर अली (कप्तान), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, सैफ हसन, तौहीद हृदॉय, शमीम हुसैन, नूरुल हसन, रिशाद हुसैन, महेदी हसन, नसुम अहमद, तस्कीन अहमद, तनजीम हसन साकिब, मुस्तफिजुर रहमान, शरीफुल इस्लाम, मोहम्मद सैफुद्दीन, सौम्या सरकार

कोको गॉफ चीन ओपन के तीसरे दौर में पहुंची, लेला फर्नांडीज को हराया

बीजिंग। फ्रेंच ओपन चैंपियन कोको गॉफ ने रविवार को यहां कड़े मुकाबले में लेला फर्नांडीज को तीन सेट में हराकर चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश किया। गत चैंपियन गॉफ ने दूसरा सेट गंवाने के बावजूद फर्नांडीज को 6-4, 4-6, 7-5 से शिकस्त दी। दूसरा सेट गंवाने के बाद गॉफ ने तीसरे और निर्णायक सेट के 12वें गेम में विरोधी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर जीत दर्ज की। गॉफ इस डब्ल्यूटीए 1000 सीरीज टूर्नामेंट के अगले दौर में 16वें नंबर की खिलाड़ी बेलिंडा बेनसिच और ऑस्ट्रेलिया की प्रिसकिला होन के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगी। इससे पहले इवा लिस ने 10वें नंबर की खिलाड़ी एलेना रिबाकिना को 6-3, 1-6, 6-4 से हराया जबकि अमेरिका की मैकार्टनी केसलर ने बारबरा क्रेसिकोवा के 1-6, 7-5, 3-0 के स्कोर पर मुकाबले के बीच से हटने पर अगले दौर में जगह बनाई। महिला टूर्नामेंट के साथ चल रहे एटीपी 500 पुरुष टूर्नामेंट में लोरेंजो मुसेटी ने अनुभवी एड्रियन मनारिनो को दूसरे दौर के मुकाबले में 6-3, 6-3 से हराया। मुसेटी अगले दौर में लर्नर टिएन से भिड़ेंगे जिन्होंने फ्लावियो कोबोली को 6-3, 6-2 से हराया।

फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल कप 2025 के अंतिम चरण की मेजबानी करेगा कतर

दोहा। कतर फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल कप 2025 के अंतिम तीन मैचों की मेजबानी करेगा। यह टूर्नामेंट सभी छह महाद्वीपों के क्लब चैंपियनों को वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धा करने का मौका देता है। फाइनल 17 दिसंबर को होगा, जिसमें पेरिस सेंट-जर्मेन अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ उतरेंगे। तीसरा मैच, जिसे 'फीफा डर्बी ऑफ द अमेरिकास' कहा गया है, 10 दिसंबर को खेला जाएगा। इसमें मैक्सिकन क्लब क्रूज अजुल, जो कॉनकाकाफ चैंपियंस कप 2025 के विजेता हैं, और कॉनमेबोल लिबर्टाडोरेस 2025 के विजेता का मुकाबला होगा। डर्बी विजेता टीम 13 दिसंबर को मिस्र की पिरामिड्स के खिलाफ फीफा चैलेंजर कप में उतरेगी। पिरामिड्स ने 23 सितंबर को जेद्दा में फीफा अफ्रीकी-एशियाई-प्रशांत कप जीतकर अपनी जगह पक्की की थी। प्रतियोगिता का समापन 17 दिसंबर को पांचवें मैच के साथ होगा, जिसमें चैलेंजर कप विजेता टीम पेरिस सेंट-जर्मेन से भिड़ेगी। कतर इस साल फीफा अंडर-17 विश्व कप और फीफा अरब कप का भी आयोजन कर रहा है, जिसमें फीफा विश्व कप 2022 के लिए बनाए गए स्टेडियम और सुविधाओं का उपयोग किया जाएगा। तीसरा और चौथा मैच अहमद बिन अली स्टेडियम में होंगे, जबकि फाइनल स्थल की घोषणा बाद में की जाएगी। पिछले साल, रियल मैड्रिड ने नए टूर्नामेंट प्रारूप में लुसैल स्टेडियम में पचुका को हराकर शानदार जीत दर्ज की थी, जिसमें लगभग 70,000 दर्शक मौजूद थे। कतर की लगातार मेजबानी, विश्वस्तरीय फुटबॉल आयोजनों के लिए इसकी स्थायित्व और तैयारियों को उजागर करती है। इस साल का इंटरकॉन्टिनेंटल कप क्लब फुटबॉल प्रेमियों के लिए रोमांच और प्रतिस्पर्धा से भरपूर अनुभव साबित होगा।

बुल्गारियाई पैरा खिलाड़ी ने रचा इतिहास, विश्व रिकॉर्ड तोड़कर जीता लगातार छठा स्वर्ण

स्पोर्ट्स डेस्क। खेलों की दुनिया में कुछ नाम सिर्फ जीतने के लिए नहीं, बल्कि इतिहास बदलने के लिए जाने जाते हैं। बुल्गारिया के पैरा शॉटपुट स्टार रुज़्दी ने ऐसा ही कमाल कर दिखाया। दुबई में हो रही विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने न केवल लगातार छठा स्वर्ण पदक जीता, बल्कि अपने ही बनाए विश्व रिकॉर्ड को ध्वस्त कर नई ऊँचाई छू ली। उनका यह कारनामा खेल प्रेमियों के लिए प्रेरणा से कम नहीं।

छठा स्वर्ण और नया विश्व रिकॉर्ड

34 वर्षीय रुज़्दी रविवार को पुरुषों की शॉटपुट स्न55 स्पर्धा में उतरे तो सबकी निगाहें उन पर थीं। आखिरी और छठे प्रयास में उन्होंने 12.94 मीटर की शानदार थ्रो लगाई। यह दूरी उनके ही 2023 पेरिस विश्व चैंपियनशिप में बनाए 12.68 मीटर के रिकॉर्ड से कहीं आगे थी। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने पैरा शॉटपुट में अपना दबदबा और मज़बूत कर दिया।

पदक तालिका

स्वर्णः रुज़्दी (बुल्गारिया) - 12.94 मीटर

रजतः नेबोजसा ड्यूरिक (सर्बिया) - 12.52 मीटर

कांस्यः लेक स्टोल्टमैन (पोलैंड) - 12.02 मीटर

ड्यूरिक और स्टोल्टमैन ने भले ही व्यक्तिगत श्रेष्ठ प्रदर्शन किया हो, लेकिन रुज़्दी का जलवा उनके ऊपर भारी पड़ा।

एक ही दिन टूटे तीन रिकॉर्ड

दूसरे दिन सुबह के सत्र में रुज़्दी के अलावा भी तीन नए विश्व रिकॉर्ड बने।

मलेशिया के अब्दुल लतीफ रोमली ने पुरुषों की लंबी कूद ञ्20 में 7.67 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता और अपनी हैट्रिक पूरी की।

यूक्रेन के वोलोडिमिर पोनोमारेंको ने शॉटपुट ञ्12 में 17.39 मीटर फेंककर नया रिकॉर्ड बनाया।

अल्जीरिया की नसीमा सैफी ने महिलाओं की डिस्कस थ्रो स्न57 स्पर्धा में 34.54 मीटर का थ्रो लगाकर लगातार छठा स्वर्ण अपने नाम किया।

रुज़्दी की संघर्ष गाथा

रुज़्दी की सफलता सिर्फ खेल की उपलब्धि नहीं, बल्कि इंसानी जज़्बे की कहानी है। एक कार दुर्घटना में उनके कमर से नीचे का हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया था। लेकिन उन्होंने हार मानने के बजाय खेल को अपनी नई पहचान बना लिया। 2015 दोहा से शुरू हुई उनकी स्वर्ण यात्रा अब तक हर संस्करण में जारी है। यह तीसरी बार है जब उन्होंने विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

भारतीय सेना ड्रोन, रोबोट और मिसाइलों से चौंकाएगी सारे विश्व को

-2027 तक तैयार होगा डीआरडीओ का ह्यूमनॉइड रोबोट

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय सेना आने वाले वर्षों में विश्व को अपनी अत्याधुनिक तकनीकी ताकत से चौंकाने वाली है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ऐसे ह्यूमनॉइड रोबोट तैयार कर रहा है, जो युद्धक्षेत्र में सैनिकों की तरह काम कर सकेंगे और खतरनाक मिशनों में उनकी जान को जोखिम से बचाएंगे। आधिकारिक जानकारी अनुसार इस परियोजना पर पुणे स्थित रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (इंजीनियर्स) प्रयोगशाला काम कर रही है। इसका लक्ष्य 2027 तक भारतीय सेना को इन उन्नत रोबोटिक सैनिकों से लैस करना है।

बताया जा रहा है कि ये रोबोट मानव जैसी बनावट और गतिविधियों से लैस होंगे। ये जंगल, पहाड़ और रेगिस्तान जैसे कठिन इलाकों में तैनात किए जा सकेंगे। इनकी खासियत यह होगी कि ये विस्फोटक और खतरनाक सामग्रियों को संभालने के साथ ही निष्क्रिय करने, बाधाएं पार करने, दरवाजे व वाल्व खोलने जैसे जटिल कार्य आसानी से कर सकेंगे। इसके अलावा, ये इंसानों की तरह चलने, संतुलन बनाने और वस्तुओं को पकड़ने व लाने-लेजाने में सक्षम होंगे। रोबोट में अत्याधुनिक सेंसर और डेटा फ्यूजन तकनीक होगी, जिससे यह अपने आसपास के माहौल को समझ सकेगा। इसमें 24 डिग्री ऑफफ्रीडम वाले हल्के हाथ लगाए जाएंगे, जिनसे यह खतरनाक सामग्रियों को सुरक्षित तरीके से नियंत्रित कर सकेगा। रोबोट में फॉल और पुश रिकवरी की क्षमता भी होगी, यानी गिरने या धक्का लगने पर यह खुद को संभाल सकेगा।

तकनीकी विशेषताएं

यह ह्यूमनॉइड रोबोट दिन और रात, घर के अंदर व बाहर दोनों परिस्थितियों में काम करेगा। इसमें ऑडियो-विजुअल धारणा प्रणाली होगी, जिससे यह देखने और सुनने की क्षमता रखेगा। इसके अलावा, सिमुल्टेनियस लोकलाइजेशन एंड मैपिंग (स्लम) तकनीक के जरिए यह स्वायत्त रूप से रास्ता तय कर सकेगा और वास्तविक समय में नक्शा तैयार कर सकेगा।

भविष्य की संभावनाएं

डीआरडीओ का यह महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट केवल रक्षा क्षेत्र तक सीमित नहीं है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ऐसे ह्यूमनॉइड रोबोट स्वास्थ्य सेवा, अंतरिक्ष अन्वेषण और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस तकनीक के सफल होने पर भारत न केवल अपनी सैन्य क्षमता को नए स्तर पर ले जाएगा बल्कि वैश्विक रक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी अग्रणी स्थान हासिल करेगा। इस तरह भारतीय सेना के ड्रोन, मिसाइलों और ह्यूनॉइड रोबोट से विश्व चौंकेगा। स्पष्ट है कि 2027 तक भारतीय सेना का चेहरा बदलने जा रहा है और रोबोटिक सैनिकों की तैनाती के बाद देश की सीमाएं और अधिक सुरक्षित हो सकेंगी।

तेजस्वी का नीतीश और मोदी सरकार पर हमला, बिहार की समझदार जनता आपके झांस में नहीं आएगी

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने डबल इंजन सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार और केंद्र की भाजपा सरकार विधानसभा चुनाव से पहले योजनाओं की घोषणाएं कर जनता को भ्रमित करने में जुटी है, लेकिन बिहार की समझदार जनता इनके झांसे में नहीं आने वाली है।

उन्होंने सवाल उठाया कि अगर सरकार के पास राजस्व की कमी है, फिर वादे कैसे पूरे हो सकते है। तेजस्वी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश और केंद्र सरकार से बिहार की जनता पूछ रही है कि आपके पास 1 लाख करोड़ रुपए नहीं हैं, फिर 7 लाख 8 हजार 729 करोड़ रुपए की घोषणाएं कैसे पूरी होगी, बिहार का राजस्व सृजन कितना है? यह पैसा कहां से आएगा? तेजस्वी ने भ्रष्टाचार पर नीतिश सरकार की घेराबंदी की। उन्होंने कहा कि भाजपा और जदयू से ज्यादा, भ्रष्ट अधिकारी डरे हुए हैं। उन्हें लगता है कि अगर तेजस्वी सत्ता में आए, तब उनका रैकेट खत्म हो जाएगा और भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करने वाले है। उन्होंने दावा किया कि राजद के पास ठोस योजनाएं हैं, जबकि डबल इंजन सरकार केवल खोखले वादे कर रही है। तेजस्वी ने कहा कि यह डबल इंजन सरकार इस बार दोगुनी गति से हारने वाली है। ये घोषणाएं डर के मारे की जा रही हैं। बता दें कि हाल ही में पीएम मोदी ने बिहार में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का शुभारंभ किया। इस योजना के तहत 75 लाख महिलाओं के बैंक खाते में 10 हजार रुपए की सहायता राशि ट्रांसफर की गई है।

हिंदू जागरण वेदिके नेता के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के हिंदू जागरण वेदिके नेता समित राज के खिलाफ यौन उत्पीड़न और आपराधिक धमकी का मामला दर्ज हुआ है। एक महिला ने शिकायत में बताया कि समित राज ने उसकी निजी तस्वीरें हासिल कर तस्वीरें वायरल करने की धमकी देकर कई बार उसका यौन उत्पीड़न और मारपीट की। इस मामले में दक्षिण कन्नड़ जिले के पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, महिला ने आरोप लगाया कि राज पिछले 15 दिनों से परेशान कर रहा था। महिला को डराने के लिए तस्वीरों का इस्तेमाल कर रहा था और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दे रहा था। मामले की जांच जारी है। आरोपी को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है।

जम्मू एयरपोर्ट को मिली बम की धमकी, जांच में कुछ नहीं मिला

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू एयरपोर्ट प्रशासन को रविवार सुबह एक निजी एयरलाइन को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल प्राप्त हुआ। धमकी के बाद तुरंत एयरपोर्ट पर सुरक्षा अलर्ट जारी कर दिया गया और सीआईएसएफ तथा पुलिस ने मिलकर गहन तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, तलाशी के दौरान किसी भी प्रकार का संदिग्ध या विस्फोटक पदार्थ नहीं पाया गया। ईमेल में 'बम ब्लास्ट' और 'आई हैव रीच्ड' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था, जिसके बाद एयरपोर्ट प्रशासन सतर्क हो गया। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के एक अधिकारी ने बताया कि सुबह यह ईमेल मिला और सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करते हुए एयरपोर्ट की पूरी जांच कराई गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी विस्फोटक की मौजूदगी की पुष्टि नहीं हुई। हालांकि, इस धमकी ने यात्रियों और एयरपोर्ट स्टाफ में अस्थायी चिंता पैदा कर दी, लेकिन सुरक्षाबलों की तत्परता और गहन तलाशी के कारण स्थिति पूरी तरह नियंत्रित रही। अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से बचने की अपील की है। यह मामला देश में बढ़ती साइबर और ईमेल के जरिए की जाने वाली धमकियों पर एक बार फिर ध्यान खींचा है। सुरक्षा एजेंसियां इस तरह की धमकियों की गंभीरता से जांच कर रही हैं और भविष्य में किसी भी तरह की संभावित घटनाओं को रोकने के लिए सतर्क रहने की हिदायत दी गई है।

समूची दुनिया की पनडुब्बी बचाव के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिणी चीन सागर में बढ़ती चीन की आक्रामकता के बीच भारतीय नौसेना ने एक्सपीआर-25 युद्धाभ्यास के समुद्री चरण के तहत विदेशी पनडुब्बी जहाजों के साथ अपनी पहली मुलाकात की अहम उपलब्धि हासिल की है। एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए नौसेना ने इसकी जानकारी दी। जिसमें तीन पनडुब्बियां, तीन साथी और तीन दिन टाइटल देते हुए बताया कि भारतीय नौसेना ने हस्तक्षेप और बचाव कार्यों के पूर्ण स्पेक्ट्रम का संचालन करते हुए युद्धाभ्यास के दौरान दक्षिण चीन सागर में विदेशी पनडुब्बियों के साथ पहली मुलाकात सफल रही। इन तीन दिनों तक हम सभी आरओवी अभियान में शामिल थे। जो कि हमारी बढ़ती वैश्विक बचाव क्षमताओं को प्रदर्शित करती है। एक्स पोस्ट में नौसेना ने यह भी कहा कि यह उपलब्धि अंतरराष्ट्रीय पनडुब्बी बचाव के लिए हमारी तत्परता, अंतर-संचालन और प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह भारत को एक भरोसेमंद समुद्री साझेदार और समुद्र में क्षेत्रीय सुरक्षा व मानवीय प्रतिक्रिया में सक्रिय योगदानकर्ता के रूप में भी साबित करती है।

नूंह में भारी बवाल, चोर को पकड़ने गई पुलिस पर पथराव...गोली चलने की खबर

नूंह (एजेंसी)। हरियाणा के नूंह में रविवार को भारी बवाल देखने को मिला है। यहां चोर को पकड़ने गई पुलिस पर पथराव हुआ है। इस दौरान गोलियां चलने की खबर है। स्थिति को काबू करने के लिए भारी पुलिसबल तैनात कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक पथराव करने वाले आरोपी के समर्थक बताए जा रहे हैं, जिन्होंने पुलिस पर अवैध राइफल से गोलियां भी चलाईं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस घटना में कई पुलिसवालों के घायल होने की खबर है। इस दौरान पुलिस की ओर से जवाबी कार्रवाई की जाने की भी खबर है। पुलिस ने करीब 7-8 राउंड फायरिंग की और 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में 90 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, जिसमें से 30 नामजद हैं। घटना नूंह के बिछौरा गांव की है, जहां पुलिस एक चोर को पकड़ने के लिए पहुंची थी। बताया जा रहा है कि इस दौरान स्थानीय लोग घरों से बाहर निकले और पुलिस पर पथराव और गालीबारी शुरू कर दी। इस दौरान कई लोगों ने नकाब पहना हुआ था और ये अवैध हथियार से पुलिस पर गोली चलाते भी नजर आए। बताया जा रहा है कि जवाबी कार्रवाई में पुलिस को भी 7-8 राउंड फायरिंग करनी पड़ी। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

जब अमृतसर एक्सप्रेस के दो डिब्बे हो गए अलग

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई से 100 किलोमीटर दूर पश्चिम रेलवे के डहाणू रेलवे स्टेशन के पास मुंबई से अमृतसर जा रही अमृतसर एक्सप्रेस के दो डिब्बे अलग हो गए। मगर गनीमत ये रही कि कोई हादसा नहीं हुआ लेकिन इस घटना से यात्रियों के बीच भय का माहौल रहा और वे तुरंत एक्सप्रेस से नीचे उतर कर पटरियों के पास खड़े हो गए। उधर दोनों डिब्बे काफी दूरी पर थे। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें दिखाई दे रहा है कि डिब्बे इंडिन से अलग हो गए हैं। इसके अलावा, यात्री पटरियों पर उतरते हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं इस घटना से डाउन रूट पर लंबी दूरी की ट्रेनों पर असर पड़ा। करीब 40 मिनट के लिए डाउन रूट पर यातायात रोक दिया गया था। कुछ अपने गंतव्य के लिए रवाना किया गया। तेज गति से चलती ट्रेन के डिब्बों के अलग होने से यात्रियों में कुछ देर के लिए भय और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, रेल प्रशासन की त्वरित कार्रवाई और ट्रेन कर्मचारियों की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद डाउन रूट पर रेल यातायात करीब चालीस मिनट तक बाधित रहा। नतीजतन, लंबी दूरी की कई ट्रेनें देरी से चलीं। इससे यात्रियों को काफी परेशानी हुई। अचानक हुई इस घटना के बाद स्थानीय रेल प्रशासन ने तुरंत कर्मचारियों को मौके पर भेजकर स्थिति को नियंत्रण में किया। अलग हुए डिब्बों को ट्रेन से जोड़कर ट्रेन को गुजरात की ओर रवाना किया गया।

हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता: भजनलाल शर्मा

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को कहा कि हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के लोगों को संबोधित कर रहे थे।

शर्मा ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान से ही देश-प्रदेश का विकास होगा। हमारी प्राथमिकता है कि कोई भी पात्र व्यक्ति केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहे।''

आधिकारिक बयान के अनुसार शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''हम सभी आस-पास के लोगों को चिन्हित करते हुए उन्हें योजनाओं से जोड़ें तथा सेवा पखवाड़ा में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।''

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सबका साथ-सबका विकास की भावना के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्रतिबद्धता से सांगानेर के विकास कार्यों को धरातल पर मूर्तरूप मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में नवरात्र के अवसर पर 29 सितंबर को सांगानेर क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया जाएगा।

आपने वादा किया था सरकार में आने पर कोई कमीशन नहीं मांगेगा ये तो दोगुना हो गया

बेंगलुरु (एजेंसी)। सर, जब आप विपक्ष के नेता थे, तब आपने हमें आश्वासन दिया था कि आपकी सरकार बनने पर कोई कमीशन नहीं मांगा जाएगा, लेकिन हमें खेद है कि अब कमीशन की मांग दोगुनी हो गई है। सर, आपके इसी वादे पर भरोसा करके हमने कांग्रेस की सत्ता में आने में मदद की थी। लेकिन भ्रष्टाचार दोगुना हो गया है इससे अच्छी तो पहले की भाजपा सरकार थी। ये पीड़ा कर्नाटक उन ठेकेदारों की है जो अधिकारियों और नेताओं को कमीशन बांट बांटकर परेशान हो गए है। कर्नाटक में ठेकेदारों के संगठन कर्नाटक स्टेट कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन (केएससीए) ने राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को चिट्ठी लिखकर अपने वादे को पूरा करने की मांग की है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष आर मंजीनाथ और महासचिव जीएम रविंद्र के हस्ताक्षर वाले इस पत्र में कहा गया है - जब आप विपक्ष के नेता थे, तब आपने हमें आश्वासन दिया था कि आपकी सरकार बनने पर कोई कमीशन नहीं मांगा जाएगा, लेकिन हमें खेद है कि अब कमीशन की मांग दोगुनी हो गई है। पत्र में यह भी लिखा गया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ संगठन की लड़ाई ने कांग्रेस को सत्ता में आने में मदद की थी, लेकिन अब वही ठेकेदार भारी दबाव में हैं।कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि पिछली भाजपा सरकार की तुलना में मौजूदा शासन में भ्रष्टाचार दोगुना हो गया है। संगठन का दावा है कि सरकारी विभागों में परियोजनाओं के आवंटन से लेकर ठेकेदारों के बकाया भुगतान तक में व्यापक अनियमितताएं हो रही हैं। एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को 25 सितंबर 2025 को भेजे एक पत्र में यह आरोप लगाया। इस पत्र में कहा गया है कि सरकार द्वारा ठेकेदारों के करीब 32,000 करोड़ रुपये के बकाये का भुगतान लंबित है और उसे निपटाने के नाम पर कमीशन मांगा जा रहा है। बता दें कि यह पहला मौका है जब केएससीए ने मौजूदा कांग्रेस सरकार पर लिखित रूप से बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। हालांकि, संगठन पहले भी कुछ मंत्रियों और अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत कर चुका है। गौरतलब है कि भाजपा शासनकाल में भी यही संगठन सरकार पर आरोप लगाता रहा था। तब संगठन ने दावा किया था कि परियोजनाओं के लिए 40प्रतिशत तक कमीशन की मांग की जाती थी। अब उसने कांग्रेस सरकार के खिलाफ और गंभीर आरोप लगाए हैं। एसोसिएशन ने यह भी आरोप लगाया कि विभाग बकाया भुगतान में वरिष्ठता का सम्मान नहीं कर रहे हैं। चुनिंदा ठेकेदारों को ही प्राथमिकता दी जा रही है और विशेष क्रेडिट लाइन उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अलावा हर तीन महीने में लंबित बिलों का केवल 15-20प्रतिशत ही चुकाया जा रहा है।

सब-कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम ने बढ़ाई परेशानी

रिपोर्ट के अनुसार, केएससीए ने पत्र में निर्मिति केंद्र और कर्नाटक रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (केआरआईडीएल) जैसी सरकारी संस्थाओं का नाम लेकर आरोप लगाया कि यहां परियोजनाएं कांग्रेस नेताओं के अनुयायियों को दी जा रही हैं। ये लोग बाद में बड़े ठेकेदारों को काम सौंप देते हैं और बीच में कमीशन लेते हैं। संगठन के अनुसार, इस तरह काम की गुणवत्ता पर असर पड़ रहा है, क्योंकि मूल ठेकेदार के बजाय सब-कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम लागू हो रहा है।

मौसम विभाग का अलर्ट: दुर्गा पूजा और दशहरा उत्सव में आंधी बारिश बढ़ा सकते हैं मुश्किलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि इस बार तेज हवाएं और बारिश से दुर्गा पूजा और दशहरा जैसे पर्व पर मुश्किलें बढ़ सकतीं हैं।बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है, जिससे अगले सात दिनों तक प्रदेश के कई इलाकों में बारिश होगी। दक्षिण बंगाल के कुछ जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के बाद राज्य में दुर्गा पूजा का उत्सव कुछ हद फीका पड़ सकता है। दुर्गा पूजा उत्सव 28 सितंबर से शुरू होकर 2 अक्तूबर को विजया दशमी पर समाप्त होगा। हालांकि, कई जगहों पर मूर्तियों का विसर्जन बाद में किया जाता है।

आईएमडी ने कहा कि कोलकाता में 1 अक्टूबर को भारी बारिश होने की संभावना है। राज्य के दक्षिणी हिस्से के कई जिलों में अगले दो दिनों में ऐसी ही बारिश होगी। 30 सितंबर को उत्तरी अंडमान सागर में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बनने की संभावना है, जिसके प्रभाव से 1 अक्टूबर के आसपास बंगाल की खाड़ी में नया निम्न दबाव क्षेत्र बन सकता है। इस कारण पूर्वी और मध्य भारत में 28 सितंबर से 3 अक्टूबर तक कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होगी। पश्चिम और पूर्वोत्तर भारत में भी मौसम का असर देखने को मिलेगा। गोवा, महाराष्ट्र, सौराष्ट्र और कच्छ में 3 अक्टूबर तक भारी बारिश की संभावना है। सौराष्ट्र और कच्छ में 29 सितंबर को बहुत भारी बारिश हो सकती है। पूर्वोत्तर भारत में असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 28 सितंबर से 3 अक्टूबर तक भारी बारिश की चेतावनी है, जिसमें 2 और 3 अक्टूबर को बहुत भारी बारिश हो सकती है। इसके साथ ही अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और बिहार में 28 सितंबर से 1 अक्टूबर तक तूफानी हवाएं चलेंगी। ऐसे में लोगों से सतर्क रहने और मौसम विभाग की चेतावनियों का पालन करने की सलाह दी गई है।राजस्थान में कुछ जगहों पर अगले कुछ दिनों के दौरान हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान राजस्थान में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा और दक्षिण-पश्चिम मॉनसून शुक्रवार को राज्य से पूरी तरह से विदा हो गया। हालांकि, मॉनसून की वापसी रेखा शनिवार को वेरावल, भरूच, उज्जैन, झांसी, शाहजहांपुर से होकर गुजरी। इसके असर से आगामी दिनों में राजस्थान के उदयपुर और कोटा संभागों में कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की बारिश होने की प्रबल संभावना है।

भड़के थरूर ने दिया जवाब-सचिन तेंदुलकर की सेंचुरी और मकबूल हुसैन की पेंटिंग है इडली

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण भारत का मशहूर डोसा और इडली को बेकार बताने पर कांग्रेस नेता शशि थरूर भड़क गए। उन्होंने इसे मानव सभ्यता का शानदार उपहार बताते हुए कहा कि इडली मकबूल हुसैन की पेंटिंग और सचिन तेंदुलकर की सेंचुरी से कम नहीं है। ये अहसास सिर्फ इसे खाने और इसके स्वाद चखने वाले ही जान सकते हैं।

दरअसल एक्स पर एक यूजर ने इडली को 'भाप से बनी पछतावा' और डोसा को बेहतर बताया था। इसी बात से थरूर नाराज हो गए। यह सारा मामला 26 सितंबर को एक पोस्ट से शुरू हुआ, जब अनघा ने एक पोस्ट में शिकायत की, 'क्यों हमेशा इडली और डोसा ही क्यों, क्या इस देश में कोई और नाश्ता नहीं है? इस पर जवाब देते हुए मोलुट्टी ने मजाकिया लहजे में कहा, डोसा? कोई शब्द नहीं बस सम्मान! इडली तो भाप से बनी पछतावा है।यह टिप्पणी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और यूजर्स ने इस पर अपनी-अपनी राय देनी शुरू कर दी। कुछ ने डोसा की तारीफ की, तो कुछ ने इडली को अपना पसंदीदा बताया। फिर शशि थरूर ने भी इडली-डोसा की इस बहस में कूदते हुए एक लंबी पोस्ट लिख डाली, जिसमें उन्होंने इडली के समर्थन में ढेर सारे तर्क दिए।

थरूर ने लिखा, साफ है कि इन्होंने कभी अच्छी इडली नहीं चखी। एक सच्ची शानदार इडली एक बादल की तरह, एक फुसफुसाहट की तरह, मानव सभ्यता की पूर्णता का एकदम सटीक सपना है। यह चावल और दाल का एक नाजुक, वजनहीन टुकड़ा है, जो भाप से इतना हल्का और फूलदार बनता है कि जीभ पर पिघल जाए। सही चटनी और सांभर के साथ, यह बीथोवेन की सिम्फनी, टैगोर के संगीत, मकबूल हुसैन की पेंटिंग और सचिन तेंदुलकर की सेंचुरी के समान है। इसे 'पछतावा' कहना आत्मा, स्वाद, और दक्षिण भारतीय संस्कृति के सबसे बड़े योगदानों की कद्र न करना है।

थरूर की इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक तस्वीर भी शेयर की, जिसमें वे पारंपरिक वेशभूषा में एक रसोई में खड़े होकर इडली बनाने की प्रक्रिया में व्यस्त हैं। पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। मोलुट्टी ने जवाब देते हुए लिखा, 'सर, आपने इडली को एक दिव्य कला के रूप में ऊंचा कर दिया। इसे पढ़ने के बाद मुझे दोबारा इडली खानी पड़ेगी ताकि भावनात्मक रूप से इसे प्रोसेस कर सकूं।

टैरिफ से प्रभावित होता व्यापार प्रवाह, ब्रिक्स करे बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की रक्षा: जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत इन दिनों अलग-अलग मामलों में अमेरिका द्वारा लगाई गई कड़ी पाबंदियों से एक साथ जूझ रहा है। जिसमें सबसे पहले रूस से कच्चे तेल खरीद पर लगाया गया 50 फीसदी टैरिफ (25 फीसदी जुर्माने के साथ), फिर ईरान के चाबहार बंदरगाह के विकास कार्य पर लगाई गई रोक, एक लाख डॉलर की एच1बी वीजा की फीस बढ़ोतरी और हाल ही में भारत की ब्रांडेड और पेटेंट दवाओं पर लगाया गया 100 फीसदी टैरिफ मुख्य हैं। विषयों की गंभीरता इतनी है कि शनिवार को भारत के विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर का अमेरिका का नाम लिए बिना उसे दिया गया करारा जवाब भी सामने आ गया है। जिसमें उन्होंने न्यूयॉर्क में बैठकर ब्राजील, रूस, भारत और दक्षिण-अफ्रीका जैसे देशों के समूह 'ब्रिक्स' के विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करते हुए बड़ी ही स्पष्टता से कहा कि ऐसे दौर में जब टैरिफ अस्थिरता, संरक्षणवाद और गैर-टैरिफ बाधाएं व्यापार प्रवाह को प्रभावित करती हैं। तब ब्रिक्स को बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की रक्षा करनी चाहिए। यह विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर दी है। साथ ही इस बैठक को लेकर जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट भी साझा की।

मंत्रालय ने कहा कि ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों ने बैठक में क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के बड़े मुद्दों पर भी आपस में विचार साझा किए। जिसमें यूएन के एजेंडे के तहत आने वाले राजनीतिक, सुरक्षा, आर्थिक, वित्तीय और सतत विकास जैसे विषयों से जुड़े मामले, इंट्रा-ब्रिक्स सहयोग व गतिविधियां प्रमुख हैं। बैठक में समूह देशों ने अपने तीन आधार स्तंभों के तहत विस्तारित ब्रिक्स को लेकर अपने सहयोग को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता को दोहराया। इसके अलावा ब्रिक्स देश अपनी आम-जनता की भलाई के लिए सामरिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए भी सामूहिक रूप से तैयार हैं।

पहली बार अमेरिका में हुई ब्रिक्स की बैठक

यह पहला मौका था जब अमेरिका में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की बैठक हुई और उसमें एस।जयशंकर ने कहा कि जब बहुपक्षवाद दबाव में होता है। तो ब्रिक्स तर्क और रचनात्मक परिवर्तन की एक मजबूत आवाज के रूप में दृढ़ता से खड़ा होता है। अशांत दुनिया में समूह को शांति स्थापना, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन के संदेश को सुदृढ़ करना चाहिए। हम सभी देशों को एकजुटता के साथ संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के प्रमुख अंगों जैसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में व्यापक सुधार के लिए अपने सामूहिक आह्वान को बढ़ाना चाहिए। यहां बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के अलावा ब्रिक्स के ब्राजील पर भी 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। जबकि चीन और दक्षिण-अफ्रीका पर उनके द्वारा 30 फीसदी टैरिफ थोपा गया है। यूक्रेन युद्ध की वजह से रूस पर व्यापक अमेरिकी पाबंदियां तो जगजाहिर हैं हीं। ट्रंप ब्रिक्स को अमेरिका के सबसे बड़े विरोधी यानी शत्रु के रूप में देखते हैं। उनका कहना है कि समूह देशों की मिलीभगत की वजह से अमेरिकी हितों पर आंच आती है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**